संपादक :
राकेश कुमार
Mob.: 9560484749

दिल्ली से प्रकाशित व भारतवर्ष में प्रसारित

RNI No. : DLHIN/25/A0565, Title Code : DELHIN28978, DCP Lic. No. F.2(U-2) press/2021

यूनिवर्सल मीडिया

(हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र)

Email : universalmedianews18@ gmail.com
Mob.: 9560484749

महिला तकनीकी संस्थान... 3

परमात्म ऊर्जा 2

वर्ष : 3 | अंक : 49 | नई दिल्ली, बृहस्पतिवार 29 मई से 4 जून 2025 | संपादक : राकेश कुमार | मूल्य : 1.00 रुपये | पृष्ठ : 8

ख़ास ख़बर

दुकान में चोरी करने वाले 4 आरोपी गिरफ्तार

नई दिल्ली।। सराय रोहिल्ला इलाके में स्पेयर पार्ट्स की दुकान में हुई चोरी के मामले को 48 घंटे में सुलझाते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में मुस्ताक उर्फ मुस्तकीन, मूर्तिकुल रहमान, मोहम्मद रिजवान और अब्दुल कलाम है। पुलिस ने इनके पास से चोरी के औजार यानी टॉर्च और स्क्रू ड्राइवर, एक मोबाइल फोन, पर्स, चोरी की गई राशि का कुछ हिस्सा 5,620 रुपए बरामद किए है।

डेबिट कार्ड बदलकर युवक के खाते से एक लाख रुपये निकाले

लोनी। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र में जौहरी एनक्लेव मेट्रो स्टेशन के पास स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम में 17 मई को दो ठगों ने एक युवक का डेबिट कार्ड बदल लिया। इसके बाद ठगों ने युवक के खाते से एक लाख रुपये निकाल लिये। पीड़ित एटीएम से दो हजार रुपये निकालने गया था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

युवक से हुई ऑनलाइन ठगी के पैसे लौटाए

लोनी।। ट्रोनिका सिटी थाना की पूजा कालोनी निवासी युवक से ठगों ने ऑनलाइन 71 हजार पांच सौ रुपये ठग लिए गए थे। युवक ने आठ मई को साइबर सेल में मामले की शिकायत की थी। पुलिस ने सोमवार को पीड़ित से ठगी गई धनराशि वापस कराई। संजय ने बताया कि आठ मई को ठगों ने काल करके एक ऐप के माध्यम से 71 हजार पांच सौ रुपये ठग लिए थे। उन्होंने तुरंत की साइबर सेल में मामले की शिकायत की थी। एसीपी लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर ठगी गई धनराशि को होल्ड कराया था। साइबर सेल ने संबंधित बैंक से पत्राचार कर ठगी गई कुल रकम को वापस कराया है।

बार के बाहर गोलीबारी की घटना में 1 व्यक्ति गिरफ्तार

पूर्वी दिल्ली।। पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार में एक क्लब के बाहर हाल ही में हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक एक गुप्त सूचना के बाद गोकलपुरी निवासी मोहम्मद जैनुल आबेदीन (24) उर्फ साहिल को 23 मई को किंग्सवे कैंप से गिरफ्तार किया गया था।

पार्क में खुले इलेक्ट्रिक पैनल से करंट लगने से 9 साल के बच्चे की मौत

नई दिल्ली।। दिल्ली के साउथ ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के कालकाजी के दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के एक पार्क में प्रशासन की लापरवाही से 9 साल के मासूम की मौत हो गई। शनिवार देर शाम पार्क में खेलने के दौरान दो मासूमों को स्ट्रीट लाइट के लिए लगाए गए इलेक्ट्रिक पैनल से जोरदार करंट लग गया। एक मासूम झटका लगने पर दूर जा गिरा जबकि दूसरे को जोरदार करंट लग गया।

आज का सुविचार

अपने ख्यालात आलीशान बना लो तो छोटी-छोटी बातों में समय व्यर्थ नहीं जायेगा।

पीएम मोदी का सिक्किम दौरा रद्द, वर्जुअली हुए कार्यक्रम में शामिल, बोले- 'आज मैं कह सकता हूं कि...'

प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल संबोधन में कहा, "50 साल पहले सिक्किम ने अपने लिए एक लोकतांत्रिक भविष्य चुना. अपनी खास भौगोलिक स्थिति के साथ-साथ, सिक्किम के लोगों ने भारतीय भावना को अपनाया.

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली।। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार (29 मई 2025) को सिक्किम के राज्य बनने की 50वीं वर्षगांठ के समारोह को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया. उन्होंने 'एक्ट ईस्ट' नीति और 'एक्ट फास्ट' दृष्टिकोण के जरिए पूरे देश के संतुलित विकास के लिए अपनी सरकार की प्रतिबद्धता दोहराई. 'सिक्किमएट50: जहां प्रगति उद्देश्य से मिलती है और प्रकृति विकास को पोषित करती है' कार्यक्रम में पीएम मोदी वर्चुअली शामिल हुए.

प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअल संबोधन में कहा, '50 साल पहले सिक्किम ने अपने लिए एक लोकतांत्रिक भविष्य चुना. अपनी खास भौगोलिक स्थिति के साथ-साथ, सिक्किम के लोगों ने भारतीय भावना को अपनाया. उनका विश्वास था कि जब हर आवाज़ सुनी जाएगी और हर अधिकार की रक्षा होगी तो सभी को विकास के समान मौके मिलेंगे. आज मैं कह सकता हूं कि सिक्किम के हर परिवार का भरोसा लगातार मजबूत हुआ है और देश ने सिक्किम की प्रगति के अच्छे नतीजे देखे हैं.'

सिक्किम 100 फीसदी आर्गेनिक स्टेट बना : राज्य के संतुलित विकास की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा, '50 वर्षों में सिक्किम प्रकृति के साथ प्रगति का मॉडल बना. 100 फीसदी आर्गेनिक स्टेट बना. सिक्किम देश के उन राज्यों में है, जहां प्रति व्यक्ति आय सबसे अधिक है. ये उपलब्धियां आपके सामर्थ्य से हासिल हुई. सिक्किम आज देश का गर्व है. '

उत्तर पूर्वी भारत को विकास के केंद्र में रखा : 'सबका साथ, सबका विकास' के एजेंडे का उल्लेख करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'जब मैं 2014 में पहली बार सरकार में आया था तो मैंने 'सबका साथ, सबका विकास' का नारा दिया था.

भारत को विकसित बनाने के लिए हर राज्य और क्षेत्र का संतुलित विकास जरूरी है. हर राज्य और क्षेत्र की अपनी खासियत है. इसलिए हमारी सरकार ने खासतौर पर उत्तर पूर्वी भारत को विकास के केंद्र में रखा है. हम 'एक्ट ईस्ट' नीति के साथ 'एक्ट फास्ट' दृष्टिकोण से काम कर रहे हैं.'

प्रधानमंत्री ने हाल ही में नई दिल्ली में आयोजित राइजिंग नॉर्थ ईस्ट समिट का भी जिक्र किया. उन्होंने कहा, 'कुछ दिन पहले ही दिल्ली में नॉर्थ ईस्ट इन्वेस्टमेंट समिट हुई. देश के बड़े बड़े इंडस्ट्रियलिस्ट शामिल हुए. सिक्किम समेत नॉर्थ ईस्ट में इन्वेस्टमेंट की घोषणा की. पिछले पचास वर्षों में सिक्किम सतत विकास और पर्यावरण के प्रति जागरूक शासन का एक उदाहरण बन गया है, जिसने अपनी हरित पहलों और पर्यावरण नेतृत्व के लिए खूब तारीफ पाई है.'

राहुल गांधी के दौरे ने कांग्रेस में भरा जोश, पहलगाम के पीड़ितों का जाना था हाल

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

जम्मू। राहुल गांधी का पुंछ दौरा प्रदेश कांग्रेस में नई ऊर्जा भर गया है। नेता व कार्यकर्ता खुश है कि इससे पार्टी के मजबूती मिलेगी। वे इसे पार्टी के लिए विपक्ष को जवाब देने के लिए एक अहम कदम मान रहे हैं। राहुल गांधी ने गत दिवस पुंछ का दौरा कर पाकिस्तानी गोलीबारी में मारे गए लोगों का हाल जाना।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद राहुल का यह जम्मू कश्मीर का दूसरा दौरा था। राहुल गांधी की तरफ से जम्मू कश्मीर में ध्यान देने से प्रदेश कांग्रेस को बल मिल रहा है। पुंछ में प्रभावित परिवारों तक पहुंच बनाने वालों में राहुल गांधी बड़े नेता है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं ने पहले स्वयं सीमांत इलाकों का दौरा कर लोगों का दुख दर्द सुना। नेताओं ने इस बार काफी अधिक सक्रियता दिखाई। सारी स्थिति की जानकारी राहुल गांधी को दी। राहुल गांधी ने आतंक के मुद्दे पर सरकार का पूरा सहयोग करने की घोषणा की।

राहुल गांधी ने नेताओं से कि वे अधिक से अधिक लोगों तक पहुंच बनाए। जिस तरह से राहुल गांधी ने गुरुद्वारा, सनातन धर्म सभा गए, उससे उनका स्पष्ट संदेश था कि हमें हर एक को साथ लेकर चलना है। समाज के हर वर्ग के मुद्दों को उठाया जाए। प्रदेश प्रधान का कहना है कि राहुल गांधी का दौरा निश्चित तौर पर पार्टी की मजबूती के लिए भी अहम है।

करी ने कहा कि पाकिस्तानी गोलीबारी से सबसे अधिक प्रभावित पुंछ जिला रहा है। पुंछ में जानमाल का काफी नुकसान हुआ है। राहुल गांधी ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद भी तत्काल दौरा कर घायलों का हाल जाना था। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रविंद्र शर्मा का कहना है कि कम समय में राहुल गांधी के दो दौरे यह बताते है कि वह लोगों के मुद्दों को लेकर कितने चिंतित है। इससे निश्चित तौर पर पार्टी नेताओं का मनोबल बढ़ता है। पार्टी के पता चलता है कि प्रदेश पर कितना ध्यान दिया जा रहा है।

राहुल गांधी ने गुरुद्वारा, स्कूल के अलावा सनातन धर्म सभा का दौरा किया। यह संदेश दिया कि समाज के हर वर्ग के लिए हमें एकजुट होने की जरूरत है। राहुल गांधी का पार्टी को यह संदेश था कि दुख की इस घंडी में हमें हर प्रभावित परिवार तक पहुंचना है। लोगों की समस्याओं को सुन कर समाधान करवाना है।

वहीं प्रदेश प्रभारी डॉ. सैयद नसीर हुसैन आज श्रीनगर से दिल्ली लौट गए। प्रदेश प्रधान तारिक हमीद करा जम्मू में हैं। वह पार्टी नेताओं से बैठक कर संगठनात्मक गतिविधियों को तेजी देने के लिए रणनीति बनाएंगे।

यमुनोत्री धाम जा रहे श्रद्धालु की पैदल मार्ग पर मौत, एक महीने में गई छह की जान

यमुनोत्री धाम जा रहे पूर्वी दिल्ली के एक श्रद्धालु की जानकीचट्टी यमुनोत्री पैदल मार्ग पर मौत हो गई। धाम की यात्रा पर आने वाले अभी तक छह श्रद्धालुओं की मौत हो चुकी है।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र जानकीचट्टी के प्रभारी डॉ. हरदेव सिंह पंवार ने बताया कि परिजनों के साथ पुलिस एसडीआरएफ कर्मियों ने पूर्वी दिल्ली निवासी शिव कुमार(46) पुत्र धर्मवीर सिंह को अचेतावस्था में अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

दिल्ली में गौमांस बेचने के शक में दुकानदार की पिटाई, पुलिस ने लिए मीट के सैंपल

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली।। उत्तर-पश्चिम दिल्ली के विजय नगर इलाके में एक किराना दुकानदार को गोमांस बेचने के आरोप में कुछ लोगों ने पीट दिया। पुलिस ने गुरुवार को इस घटना की जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, दुकानदार की दुकान से मीट के सैंपल जब्त किए गए हैं और उन्हें जांच के लिए फॉरेंसिक लैब भेजा गया है।

इस मामले में 15 वर्षीय किशोर ने शिकायत की है। उसने बताया कि उसने दुकानदार चमन कुमार से 400 रुपए किलो में मीट खरीदा था। चमन कुमार (44) काउशिक एन्क्लेव, बुराड़ी का निवासी है। बाद में युवक को शक हुआ कि यह मीट गाय का था।

दुकान के बाहर इकट्ठा हुए लोग : इस सूचना के फैलने के बाद, कुछ संगठनों के लोग चमन कुमार की दुकान के बाहर इकट्ठा हो गए और उन्होंने दुकानदार के साथ मारपीट की। फिलहाल चमन कुमार का मेडिकल परीक्षण चल रहा है।

पुलिस ने PCR कॉल मिलने के तुरंत बाद मौके पर टीम भेजी। आस-पास के इलाकों से सीसीटीवी फुटेज जुटाई जा रही है ताकि पूरी घटना का क्रम समझा जा सके।

मीट के सैंपल जांच के लिए भेजे : एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, मीट के सैंपल जब्त कर फॉरेंसिक जांच के लिए भेज दिए गए हैं। यह पता लगाया जाएगा कि वह मांस गोमांस है या नहीं। हम सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रहे हैं। रिपोर्ट के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने यह भी बताया कि फिलहाल विजय नगर इलाके में स्थिति शांतिपूर्ण है और किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

भारतीय जनता पार्टी ने बदली जमीनी सियासत की चाल, झुग्गीवासियों के लिए मुख्यमंत्री रेखा का बड़ा ऐलान

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली : दिल्ली भारतीय जनता पार्टी ने राजधानी के 14 जिलों के लिए नए जिलाध्यक्षों की घोषणा कर दी है। 26 मई दिन सोमवार को जारी लिस्ट में कई नए नाम शामिल हैं, जिन्हें संगठन विस्तार और सरकारी नीतियों को जमीन पर उतारने की जिम्मेदारी दी गई है। दिल्ली BJP अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने सभी नव-नियुक्त जिलाध्यक्षों को बधाई दी और उम्मीद जताई कि नई टीम पार्टी को और मजबूती देगी।

घोषित लिस्ट के मुताबिक, अजय खताना को केशवपुरम जिला अध्यक्ष बनाया गया है, जबकि अरविंद गर्ग को चांदनी चौक की कमान सौंपी गई है। उत्तर-पूर्वी दिल्ली की जिम्मेदारी यूके चौधरी को मिली है, और मास्टर बिनोद कुमार अब नवीन शाहदरा के जिलाध्यक्ष होंगे।

दिल्ली BJP के मीडिया विभाग द्वारा जारी विज्ञप्ति के मुताबिक, महेंद्र नागपाल ने विजेंद्र धामा को मयूर विहार का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। दीपक गाबा को शाहदरा, वीरेंद्र बब्बर को करोलबाग और रविंद्र चौधरी को नई दिल्ली का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, रामचंद्र चवारिया को आउटर दिल्ली, चंद्रपाल बख्शी को पश्चिम दिल्ली, राज शर्मा गौतम को नजफगढ़, रविंद्र सोलंकी को महरौली और माया बिष्ट को दक्षिण दिल्ली का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

झुग्गियों पर नहीं चलेगा बुलडोजर, सरकार का 700 करोड़ का प्लान : इसी दिन, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने झुग्गी बस्तियों को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि राजधानी की कोई भी झुग्गी तोड़ी नहीं जाएगी। झुग्गी क्षेत्र के दौरे के दौरान एश रेखा गुप्ता ने कहा कि कुछ लोग व्हाट्सऐप पर अफवाह फैला रहे हैं कि झुग्गियों को हटाया जाएगा। मैं स्पष्ट कर दूं कि दिल्ली की एक भी झुग्गी पर बुलडोज़र नहीं चलेगा।

मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकार ने झुग्गियों के विकास के लिए 700 करोड़ रुपये का बजट रखा है। इसके तहत सीवर लाइन, शौचालय, बाथरूम, बच्चों के लिए पार्क और साफ-सफाई की सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

दिल्ली वालों के लिए खतरे की घंटी! एक दिन में मिले 100 जे ज्यादा Covid-19 के नए मामले, क्या बोलीं सीएम रेखा गुप्ता?

सीएम रेखा ने यह भी कहा कि दिल्ली में जलभराव के हर पॉइंट पर जिम्मेदार अफसरों को तैनात किया गया है और कोई लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम यमुना को साफ करने के मिशन पर काम कर रहे हैं, और इसमें झुग्गीवासियों की भूमिका अहम है।

कपड़ों पर प्रेस करने वाला कुछ ही दिनों में बन बैठा करोड़पति

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

गाजियाबाद।। लोन माफिया लक्ष्य तंवर के किस्सों का जिक्र किया जाए तो नटवरलाल से कम नहीं है। पुलिस से सीबीआई तक सभी को चकमा देता रहा था। उसके खिलाफ वर्तमान में गाजियाबाद के थानों में 33 से अधिक मुकदमे फर्जी दस्तावेज दिखाकर लोन लेने के दर्ज हैं। गिरफ्तारी के बाद जब पुलिस को लक्ष्य की कहानी पता चली तो चकित रह गई कि कैसे चंद दिनों में कपड़ों पर प्रेस करने वाला करोड़पति बन गया।

माफिया ने अपने चाचा और चचेरे भाई के साथ मिलकर करीब 400 करोड़ रुपये का ऋण घोटाला किया था। मामले की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने तंवर को वर्ष 2021 में गिरफ्तार किया था। अभी तक कई मामलों की जांच एसआईटी पूरी नहीं कर पाई है।

लक्ष्य तंवर को पहली बार कोतवाली में दर्ज मामले में अगस्त 2021 में गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तारी के बाद गाजियाबाद पुलिस ने पाया था कि उसके खिलाफ पहले से ही फर्जीवाड़े के करीब 22 मामले दर्ज हैं। उसने एक प्रॉपर्टी अपने चाचा सुनील व चचेरे भाई शिवम के नाम कराई। इसके बाद पंजाब नेशनल बैंक की चंद्रनगर शाखा के तत्कालीन प्रबंधक उत्कर्ष कुमार व उप प्रबंधक प्रियदर्शनी से साठगांठ कर संपत्ति पर चार करोड़ का लोन करा दिया। लोन ली गई रकम का तीनों ने आपस में बंदरबांट कर लिया था। बैंक ने नोटिस भेजे तो सुनील व उसके बेटे शिवम ने लक्ष्य तंवर के खिलाफ केस दर्ज करा दिया। शिवम ने अक्तूबर 2020 में कोर्ट के आदेश पर लक्ष्य तंवर, उसकी पत्नी प्रियंका, शाखा प्रबंधक, उप प्रबंधक समेत अन्य के खिलाफ नगर कोतवाली में केस दर्ज कराया था। जांच में शिवम और उसके पिता की साजिश बेनकाब हो गई। यह ऐसा मामला था कि पुलिस ने जिसमें वादी और आरोपी दोनों को गिरफ्तार किया था।

लक्ष्य कपड़ों को प्रेस करने का काम करता था : लक्ष्य तंवर पूर्व में कपड़ों पर प्रेस करने का काम करता था। लेकिन धीरे-धीरे उसकी साठगांठ बैंक अधिकारियों से हो गई और वह बैंकों से लोन दिलाने के नाम पर फर्जीवाड़ा करने लगा। लाखों रुपये की प्रॉपर्टी पर भी वह चंद घंटों में करोड़ों का लोन दिलाने का दावा करता था। इसके अलावा लक्ष्य पर एक ही प्रॉपर्टी को कई बार बेचने व उस पर कई बार लोन निकलवाने के भी आरोप हैं और कुछ ही वर्षों में वह करोड़पति बन गया।

मृतक को जिंदा दिखाकर निकलवा लिया था लोन : लक्ष्य के खिलाफ सिहानी गेट में भी केस दर्ज हैं। उसने मृतक को जिंदा दिखाकर मकान की रजिस्ट्री कराई और फिर उस पर डेढ़ करोड़ का लोन निकाल लिया। लक्ष्य ने जिस मृतक को जिंदा दिखाया, उसी के बेटे को रजिस्ट्री के दौरान गवाह भी बनाया। पुलिस ने मामले में मृतक के बेटे को भी गिरफ्तार किया था।

अरेस्टिंग स्टे ऑर्डर दिखाकर सीबीआई और पुलिस को करता रहा था गुमराह : लक्ष्य तंवर ने थाना पुलिस से लेकर सीबीआई तक से आंख-मिचौली की। उससे जुड़े पांच मामले सीबीआई के पास भी हैं। गौर करने वाली बात यह है कि स्थानीय पुलिस से लेकर सीबीआई तक उसे पकड़ने पहुंची, लेकिन उसने कोर्ट का अरेस्टिंग स्टे ऑर्डर दिखाकर खुद को बचा लिया था।

सम्पादकीय

सत्य की राह

राकेश कुमार

'दोस्तो, बिना मेहनत के कुछ भी हासिल नहीं होता है... कुदरत भी उसी पक्षी को दाना देती है जो घौंसले से बाहर निकलता है और उसे चुगने की मेहनत करता है।'

गलतियां तो सब करते हैं परन्तु, फ़र्क सिर्फ़ इतना ही है कि व्यक्ति गलती से कुछ सीखता है या नहीं, इसीलिए...

कहते हैं कि जनाब, उन्नति करते रहने के लिए बुद्धिमान बने और हर गलती से सीखते रहें, ना कि मूर्ख बने जो बार बार गलती दोहराता रहे।।।

ध्यान रहे कि जीवन के सफ़र में धुंध से हम बहुत बड़ा सबक सीख सकते हैं कि, जब रास्ता ज्यादा दूरी तक का नज़र ना आए तब बहुत आगे तक देखने की कोशिश करने की बजाए जितनी दूर का दिखे उस पर ही ध्यान देते हुए आगे बढ़ते चलो, चाहे धीरे धीरे ही सही, लेकिन बिना रुकावट के आप मंज़िल पर अवश्य पहुंच जाएंगे'।

'किसी भी व्यक्ति की खुद के दम पर बनाई हुई पहचान (वह चाहे छोटी क्यों ना हो) से जो आनंद मिलता है, वह 'किसी बड़े आदमी की परछाई' बनने से भी ज्यादा संतुष्टि देता है'।

जो परिंदे पिंजरे से उड़ जाते हैं, अक्सर वही ज़्यादा याद आते हैं, इसलिए, कुछ बड़ा कर गुज़रने के लिए सारे पिंजरे (बंधन) तोड़ दो।

कहते हैं कि कुछ लोगों को भय होता है कि उनके आसपास आपकी मौजूदगी ही उनके महत्व को कम या खत्म करती है, इसलिए ही उनका आपके प्रति रवैया ग़लत होता है, फिर भी...

ध्यान रहे कि उनके प्रति आपकी सकारात्मक सोच और दिल की शुभ भावना का सिलसिला कभी कम ना हो।

समय के महत्व को न जानने से होंगे उनके शिकार

हमें स्वयं भगवान ने चुना है इस भागीरथ महापरिवर्तन के कार्य के लिए। भगवान के हम बच्चे हैं, जिन्हों को भगवान साथ दे रहा हो! जिसकी पालना स्वयं भगवान कर रहा हो! जिसको गाइडेन्स भगवान से मिल रही हो!

समय आ गया है, समय ने करवट बदल दी है जिसका इन्तज़ार हमें युगों से था, हम परिवर्तन चाहते थे। ये हमारी आँखों के सामने फास्ट गति से हरपल परिस्थिति, स्वस्थिति का बदलाव नज़र आ रहा है। प्रकृति ने भी हमें बहुत कुछ दिया है, हमें उसे लौटाना है, उसको भी स्वच्छ करना है। इस प्रकृति ने हमें जन्म दिया, शरीर की पालना भी की और बहुत सुख भी दिया, विशुद्ध पवन, विशुद्ध जल, स्वच्छ आकाश, अग्नि भी दिया तो बहुत तेज नहीं आरामदायक। यह सब प्रकृति ने हमें सुख देकर हमारी पालना की है। हम उनका हृदय से शुक्रिया करें, रोज़ शुक्रिया अदा करें। तो सबकुछ परिवर्तन हो रहा है, तो हमें भी परिवर्तन करना है। चेंज को स्वीकार करना है। जिन्होंने परमात्मा के महापरिवर्तन के कार्य में बहुत मदद की है उन्हें प्रकृति भी साथ देगी और साथ दे भी रही है।

हम समय अनुसार ज़रा विचार करें, हमें स्वयं में क्या चेंज लानी है, चेंज अवश्य लानी है। परमात्मा हमें कहा करते थे वो सब बातें हमें याद आती हैं। बाबा कहते थे समय नाजुक आएगा, चारों और विकारों की आग तेजी से फैलेगी। ऐसे में किसी के अन्दर भी दबा हुआ, छिपा हुआ विकार का अंश होगा तो वो भी वंश पैदा कर देगा। वो अंश के वंश में बदल जाएगा, वो छोटे से बड़े में बदल जाएगा और मनुष्य को काफी परेशान करेगा। जैसे आजकल बहुतों के सामने बातें आ रही हैं कि क्रोध बहुत आ रहा है, बिना मतलब आ रहा है। क्योंकि घर में रहे हैं तो क्रोध का विस्तार बहुत हुआ है। वो दबा हुआ, छिपा हुआ अंश भी वंश का रूप ले लेता है। जो विकारों का बीज हमारे अन्दर है अगर उस बीज को हमने खत्म नहीं किया तो जागृत हो जाएगा, क्योंकि वातावरण मिलने पर वो पल्लवित होता है। तो हम बहुत ध्यान दें कि हम विकारों से स्वयं को पूर्ण रूप से मुक्त करें। बहुत समय से हमें अलबेलेपन में चलने की आदत हो गई है, हम ढ़ीले हुए हैं, कई तो संशय में भी चल रहे हैं, धारणाएं कईयों की ढ़ीली पड़ी हैं। ये तो बहुत बड़ी गलती हुई। उन्हें सचेत होना है, जागृत होना है। कई पुरूषार्थी बच्चे बहुत तीव्र गति से आगे भी बढ़ रहे हैं और दूसरी ओर कई बच्चे अपने आप को अलबेलेपन में समय को यूं ही गंवा रहे हैं। बहुतों ने कारणे-अकारणे हार खा चुके हैं। हमें हार नहीं खाना है, विजय हमारा जन्मसिद्ध अधिकार है।

हमें स्वयं भगवान ने चुना है इस भागीरथ महापरिवर्तन के कार्य के लिए। भगवान के हम बच्चे हैं, जिन्हों को भगवान साथ दे रहा हो! जिसकी पालना स्वयं भगवान कर रहा हो! जिसको गाइडेन्स भगवान से मिल रही हो! क्या वो माया से हार खा सकते हैं! क्या वो जीत नहीं सकते! हम नहीं जीत सकेंगे तो भला और कौन जीत सकेगा! कई कहते हैं कि हमें तो मालूम है ना कि हम आत्मा हैं, भगवान भी है ये ज्ञान तो हममें है। लेकिन हमने देखा है कि भक्त-सन्यासी बहुत माया से हार खाते रहे हैं, अनेक धर्मों में भी यही हुआ है। उसका कारण एक ही था कि माया से जीतने की यथार्थ विधि नहीं थी। केवल माया को जीतना है, विकारों को छोड़ना है, अपनी कर्मेन्द्रियों पर विजय पानी है, उन्हें शीतल करना है यह कहने से काम तो नहीं चलेगा ना! उसकी प्रॉपर विधि भी हमारे पास होनी चाहिए। विधि के बिना सिद्धि नहीं होती। इसीलिए परमात्मा ने हमें पहली विधि बताई है कि- 'अपने को आत्मा समझ मेरे साथ सम्बन्ध जोड़ना है।'

बहुतों ने कहा हमें ज्ञान तो मिल गया लेकिन हम उसे समझे भी ना! अगर आपको कहीं जाना है रास्ते में प्रकाश हो लेकिन आपकी टाँग ही चलती नहीं, आपकी बाइक में आज तेल नहीं है, आपके पास साधन हैं और तेल नहीं है तो साधन होते हुए भी आप कैसे पहुंचेंगे! तो ये बहुत बड़ी त्रासदी हुई ना! आत्मा का ज्ञान होने पर भी, आत्म-अभिमानी की प्रैक्टिस नहीं हुई। इसीलिए समस्याओं में हम गिरते रहे। बहुत लोग आध्यात्मिक जागृति के अभाव में खुद को खाली महसूस कर रहे हैं, अब हमें उसे भरना होगा। क्योंकि समय की डिमांड यही है कि हम निर्भय बनें और यथार्थ विधि को अपनायें, अपने को भरपूर करें। तब ही हम समय की चुनौतियों को चैलेन्ज कर सकेंगे, चेंज कर सकेंगे।

परमात्म ऊर्जा

जैसे साइंस रिफाइन होती जाती है, ऐसे अपने आप में साइलेन्स की शक्ति व अपनी स्थिति रिफाइन होती जा रही है? जब रिफाइन चीज़ होती है उसमें क्या-क्या विशेषता होती है? रिफाइन चीज़ जो होती हैं उनकी क्वांटिटी भले कम होती है लेकिन क्वालिटी पॉवरफुल होती है। जो चीज़ रिफाइन नहीं होगी उसकी क्वांटिटी ज्याद़ा, क्वालिटी कम होगी। तो यहाँ भी जबकि रिफाइन होते जाते हैं तो कम समय, कम संकल्प, कम एनर्जी में जो कर्त्तव्य होगा वह सौ गुणा होगा और हल्कापन भी हो जाता। हल्केपन की निशानी होगी- वह कब नीचे नहीं आवेगा, ना चाहते भी स्वतः ही ऊपर स्थित रहेगा। यह है रिफाइन क्वालिफिकेशन। तो अपने में यह दोनों विशेषताएं अनुभव होती जाती हैं? भारी होने कारण मेहनत ज्याद़ा करनी होती है। हल्का होने से मेहनत कम हो जाती है। तो ऐसे नैचुरल परिवर्तन होता जाता है। यह दोनों विशेषताएं सदा अटेन्शन में रहें। इसको सामने रखते हुए अपनी रिफाइननेस को चेक कर सकते हो। रिफाइन चीज़ जास्ती भटकती नहीं, स्पीड पकड़ लेती है। अगर रिफाइन ना होगी, कीचड़ा मिक्स होगा तो स्पीड पकड़ नहीं सकेगी, निर्विघ्न चल ना सकेंगे। एक तरफ जितना-जितना रिफाइन हो रहे हो, दूसरे तरफ उतना ही छोटी-छोटी बातें व भूलें व संस्कार जो हैं उनका फाइन भी बढ़ता जा रहा है। एक तरफ वह नज़ारा, दूसरे तरफ रिफाइन होने का नज़ारा, दोनों का फोर्स है। अगर रिफाइन नहीं तो फाइन समझो। दोनों साथ-साथ नज़ारे दिखाई दे रहे हैं। वह भी अति में जा रहा है और यह भी अति प्रत्यक्ष रूप में दिखाई देता जा रहा है। गुप्त अब प्रख्यात हो रहा है। तो जब दोनों बातें प्रत्यक्ष हों उसी अनुसार ही तो नंबर बनेंगे। माला हाथ से नहीं पिरोनी है। चलन से ही स्वयं अपना नंबर ले लेते हैं। अभी नंबर फिक्स होने का समय आ रहा है। इसलिए दोनों बातें स्पष्ट दिखाई दे रही हैं और दोनों को देखते हुए साक्षी हो हर्षित रहना है। खेल भी वही अच्छा लगता है जिसमें कोई बात की अति होती है। वही सीन अति आकर्षण वाली होती है। अभी भी ऐसी कशमकश की सीन चल रही है। देखने में मजा आता है ना। व तरस आता है? एक तरफ को देख खुश होते, दूसरे तरफ को देख रहम पड़ता। दोनों का खेल चल रहा है। आज खेल दिखाया कि पर्दे पर क्या चल रहा है। वतन से तो बहुत स्पष्ट दिखाई देता है। जितना जो ऊंच होता है उनको स्पष्ट दिखाई देता है। जो नीचे स्टेज पर पार्टधारी उनको कुछ दिखाई दे सकता? कुछ भी दिखाई दे सकता? साक्षी हो ऊपर से सभी स्पष्ट दिखाई देता है। आज वतन में वर्तमान खेल की सीन देख रहे थे।

'मैं आत्मा हूँ' ...यानी आत्मा में विश्वास

मैं आत्मा हूँ यह याद आने से परमात्मा अवश्य याद आयेगा। क्योंकि हमारे बाबा और हममें समानता है। जो उनमें शक्तियां हैं वो ही उनका प्रतिबिंब हम आत्मा में भी है। वो खुशियों का सागर है और हम भी खुश स्वरूप हैं। तब भला डिप्रैशन आने की मार्जिन ही कहाँ!

आत्म विश्वास है आत्मा में विश्वास, मैं आत्मा हूँ। अगर 'मैं आत्मा हूँ' यह याद आया तो पिता परमात्मा ज़रूर याद आयेगा। जब यह विश्वास रहता है तो ठीक रहते हैं। जब यह भूल जाते हैं तो क्या नतीजा निकलता है? निराश, उदास हो जाते हैं। डिसअपाइंटमेंट (निराशा) क्यों होती है? क्योंकि हम आत्मा जो प्वाइंट हैं, उसको भूल जाते हैं। इसलिए बाबा कहते हैं, बच्चे, निराश मत होवो, हताश मत होवो। जैसे बच्चा मुरझा जाता है, दुःखी हो जाता है तो उसके माँ-बाप कहते हैं, तुम तो लाडले हो, देखो, हमारी कितनी मिलकियत है! तुम ही तो मेरे वारिस हो। ये सब चीज़ें तुम्हारी हैं, वो चीज़ तुम्हारी, सब कुछ तुम्हारा है। इस प्रकार बच्चे का क्या-क्या है- यह याद दिलाकर उसको खुशी में लाते हैं।

बाबा भी हमें बताते हैं कि तुम क्या-क्या हो। क्या-क्या वर्सा तुम्हें मिल रहा है। अगर कोई व्यक्ति अपनी सम्पत्ति को तिजोरी में या लॉकर्स में बन्द करके रखे और बहुत दिनों तक देखे ही नहीं तो उसको भूल जाता है। अगर वह खोलकर बार-बार देखता रहे तो उसको खुशी भी होती है और नशा भी चढ़ता है कि मेरे पास यह भी है, वह भी है, मोती भी हैं, रत्न भी हैं। बाबा हमें याद दिलाता है कि तुम्हारे पास क्या खज़ाने हैं। हमें डिप्रैशन(उदास) में आने की ज़रूरत नहीं है। क्योंकि हम हैं ईश्वरीय सन्तान, परमात्मा की औलाद। हम और डिप्रैशन- यह कैसे हो सकता है?

नेपोलियन कहता था कि 'असंभव' शब्द हमारे शब्दकोष में नहीं, मूर्खों के शब्दकोष में होता है। इसी प्रकार, डिप्रैशन शब्द ज्ञानियों के शब्दकोष में नहीं, अज्ञानियों के शब्दकोष में होता है। डिप्रैशन का कारण ईर्ष्या भी होती है। किसी को देखा कि यह मेरे साथ का है, यह क्या से क्या बन गया! मैं जैसे था वैसे ही रह गया। ऐसे जब सोचता है तो व्यक्ति को डिप्रैशन होता है कि मैं पिछड़ गया। लेकिन बाबा क्या कहता है? अपने को देखो, दूसरों को मत देखो। हमें अनुसरण करना है बाबा-मम्मा का। हम दूसरों के अनुयायी हैं क्या? हरेक का इस ड्रामा में अपना-अपना पार्ट है। अपनी-अपनी तकदीर है, अपना-अपना भाग्य है। यह वैरायटी ड्रामा है। एक न मिले दूसरे से। इसलिए, हम किसी से मुकाबला नहीं कर सकते और करना भी नहीं चाहिए।

बाबा कहते हैं, भले रेस करो लेकिन रीस नहीं करो। जब हम रीस अर्थात् ईर्ष्या करना शुरू करते हैं तो उसकी आग में जलते रहते हैं। तब डिप्रैशन आ जाता है। इन चीज़ों को हमें छोड?ा चाहिए। एक इच्छा पूरी हो जाती है तो दूसरी इच्छा पैदा हो जाती है। वो पूरी हो जाती है तो तीसरी पैदा हो जाती है। इच्छाओं का अन्त है ही नहीं। किसी ने कहा कि दुनिया मनुष्य की इच्छाएं हैं। वे सब पूरी हो जायें तो भी उसकी इच्छाएं पूरी नहीं होती क्योंकि फिर नयी इच्छाएं पैदा हो जाती हैं। 'हज़ारों ख्वाइशे ऐसी कि हर ख्वाइश में दम निकले। बहुत निकले मेरे अरमान, फिर भी कम निकले।' आदमी की ख्वाइशें पूरी होने वाली नहीं हैं। कितनी बड़ी-बड़ी ख्वाइशें हैं! वे सब छोड़ देनी चाहिए। मुझे कोई इच्छा नहीं, बाबा मिल गया तो सब मिल गया। मैं भरपूर हो गया। बाबा ने मेरी झोली भर दी। बाबा ही मेरा जहान है। ये सारी बातें बाबा ने हमको बताई हैं। हमारे डिप्रैशन के दिन समाप्त हो गये।

अगर कोई व्यक्ति अपनी सम्पति को तिजोरी में या लॉकर्स में बन्द करके रखे और बहुत दिनों तक देखे ही नहीं तो उसको भूल जाता है। अगर वह खोलकर बार-बार देखता रहे तो उसको खुशी भी होती है और नशा भी चढ़ता है कि मेरे पास यह भी है, वह भी है, मोती भी हैं, रत्न भी हैं। बाबा हमें याद दिलाता है कि तुम्हारे पास क्या खज़ाने हैं। हमें डिप्रैशन(उदास) में आने की ज़रूरत नहीं है। क्योंकि हम हैं ईश्वरीय सन्तान, परमात्मा के बच्चे। जब ये हमारे कॉन्शियस में गहरा बैठ जाता है तब भला डिप्रैशन का क्या स्थान रहेगा!

देने वाला केवल एक है...

अगर कोई व्यक्ति अपनी सम्पति को तिजोरी में या लॉकर्स में बन्द करके रखे और बहुत दिनों तक देखे ही नहीं तो उसको भूल जाता है।

हम जब किसी आउट स्टेशन पर जाते हैं, किसी स्थान पर जाते हैं, किसी से मिलने जाते हैं या किसी पार्क में जाते हैं, किसी बीच पर जाते हैं तो हमको अच्छा लगता है। हमें ऐसा लगता है कि हमें अच्छा लगा लेकिन आपको ये पता होना चाहिए कि आपने वहाँ पर अपनी ऊर्जा दी तो उसने आपको अच्छा फील कराया। अच्छा नहीं लगा। हमने कुछ दिया तो वहाँ से मिला। ऐसे ही जहाँ कहीं हम जाते हैं तो अपनी आँखों से कुछ देखते हैं, अपनी आखों से अपनी ऊर्जा देते हैं तो चाहे वो पार्क हो, चाहे बाहर का आसमान हो, चाहे बीच हो, चाहे हिल स्टेशन हो हर जगह आपको अच्छा लगता नहीं है। आप वहाँ पे करते हैं, आखों से उसको ऊर्जा देते हैं, कुछ पे किया तो वहाँ से आपको अच्छा फील हो गया। इसका मतलब क्या हुआ कि हम सभी इस प्रकृति से कुछ भी फील अच्छा नहीं करते हैं, हमको वहाँ पर कुछ पे करना पड़ता है। इसीलिए हर दिन इतना कुछ आउटिंग करने के बाद भी, बाहर जाने के बाद भी, घूमने के बाद भी हम अपने आप में संतुष्ट फील नहीं करते। क्योंकि संतुष्टता तो तब हो ना जब हम वहाँ जाकर उससे खुश हो जाएं, भरपूर हो जाएं, वो हमारे अन्दर बैठ जाए, लेकिन नहीं हो पा रहा है। इसका अर्थ क्या हुआ कि हमारी ऊर्जा बस जाये जा रही है, कलेक्ट नहीं हो रही है। इसीलिए परमात्मा एक ऐसा सहारा है जो हमारे लिए जमा करने का काम करता है। तो आत्मा शरीर के साथ जुड़ी हुई है और शरीर प्रकृति से बना हुआ है। प्रकृति जोकि बाहर की चीज़ों से जुड़ी हुई चीज़ें हैं उनके साथ एनर्जी हमारी चली जा रही है। चाहे वो देह में जाये, चाहे देह के सम्बन्धों में जाये, चाहे देह के पदार्थों में जाये लेकिन जा रही है। इसीलिए हमारी ऊर्जा जमा नहीं हो रही है। तो देने वाला सिर्फ एक ही है इस वर्ल्ड में। बाकी सब हमसे लेने वाले हैं। तो अगर अपनी ऊर्जा को बचाना है तो आपको इन सारी चीज़ों से ऊपर उठना पड़ेगा। इन सारी चीज़ों से ऊपर उठने के बाद आपकी स्थिति अलग होगी। उदाहरण, जैसे हम सभी बीच-बीच में नर्वस हो जाते हैं, बीच-बीच में थोड़ा अच्छा फील नहीं करते हैं तो उसका रिज़न यही है कि जैसे परमात्मा के घर में जायें या परमात्मा से कनेक्ट हो योग लगाएं तो लगाने के बाद भी जैसे लगता है ना कि मैंने कुछ हासिल नहीं किया, जैसे कुछ अलग नहीं हो रहा, कुछ अच्छा नहीं हो रहा है, जिसका रिज़न यही है कि जो मैं कर रहा हूँ ना ज्ञान-योग वो बाहर की प्रकृति में चला जा रहा है। चाहे वो देह, देह के सम्बन्धी या देह के पदार्थ हों। तो अपने आपको अलर्ट करके इस बात के लिए थोड़ा-सा ध्यान देने की आवश्यकता है कि मैं क्यों अपनी ऊर्जा को इसमें नष्ट कर रहा हूँ। बचाऊं क्यों नहीं! इसीलिए शिव निराकार परमात्मा रोज़ हमको सिखाते हैं कि अपने इन्द्रियों पर कन्ट्रोल करो, प्रकृतिजीत बनो, देह, देह के सम्बन्धों को भूलो। अब वो बात समझ में आती है कि हमारी ऊर्जा जा कहाँ रही है! बाकी सब लेने वाले हैं, शिव परमात्मा ही देने वाला है। तो इस भाव को पकड़ कर अगर हम चलें तो शायद कुछ दिन में हमको भी उन्नति फील हो, हमें भी अच्छा लगे।

कार्टून कोना

त्याग क्यों करें?

यहाँ त्याग करना है अपनी उन सूक्ष्म कमजोरियों का, जो हमारी साधनाओं के मार्ग में बाधाएं हैं। जैसे बहुत सारी सांसारिक इच्छाएं। कर्म करते-करते ऐसी स्थिति पर आ जाओ, हमें कुछ नहीं चाहिए, अब सब कुछ एक शिवबाबा से लेना है।

लास्ट सो फास्ट जाने वालों के लिए कुछ और सहज पुरूषार्थ की विधियां हैं। यदि सचमुच सच्चे दिल से आपके मन में लगन है, (सच्चे दिल के लगन की बात कर रहे हैं) कि मैं लास्ट में आया हूँ/आयी हूँ। मुझे बाबा से सब कुछ प्राप्त करना है। बहुत दिनों से भगवान से मिलने की इच्छा थी, बहुत भक्ति की थी। अब उसे मिलन हो रहा है तो ये मिलन निरन्तर होता रहे, आत्मा अतिन्द्रिय सुखों का भण्डार बन जाए, मुझे अब ये करना है। यदि सच्चे दिल का ये संकल्प है, तो ध्यान देंगे बिना त्याग के बड़ी प्राप्तियां नहीं हुआ करती, इसलिए अपने को त्याग करने के लिए तैयार करो।

आप सब जानते हैं यहाँ घरबार, बाल-बच्चों की त्याग करने की ज़रूरत नहीं है। यहाँ त्याग करना है अपनी उन सूक्ष्म कमज़ोरियों का, जो हमारी साधनाओं के मार्ग में बाधाएं हैं। जैसे बहुत सारी सांसारिक इच्छाएं। कर्म करते-करते ऐसी स्थिति पर आ जाओ, हमें कुछ नहीं चाहिए, अब सब कुछ एक शिवबाबा से लेना है। इस संसार से हमें कुछ नहीं चाहिए, इसको सर्वस्व त्याग कहेंगे। सोच लो आप इसके लिए तैयार हैं?

दूसरा त्याग- कर्मेन्द्रियों के रसों का त्याग। पहले कोई खाने-पीने में रहते थे, कोई व्यर्थ सुनने में रहते थे, किसी को बहुत कुछ देखने का शौक था, कोई बहुत पढ़ाई भी करते रहते थे, सारी दुनिया की नॉलेज ले रहे हैं। किसी को कहीं इन्ट्रेस्ट था, किसी को कहीं। अब अपने को अन्तर्मुखी करना है। पढ़ाई तो स्वयं भगवान पढ़ा रहा है जो सभी विद्याओं का सार है। राजयोग की विद्या संसार के सभी विद्याओं का सार है। भगवान से शक्तियां लेने के बाद और कुछ जानने की इच्छा नहीं रहती। सुनना है तो सुनो भगवान को। (जो मुझे सुनेंगे तो वो कहेंगे क्या बात कर रहे हैं बड़ी-बड़ी? कल्पना लगती है।) भगवान को सुनने का समय चल रहा है, वो सत्य ज्ञान दे रहा है, उसकी वाणी चल रही है। ये ज्ञान देकर वो हमें राह दिखा रहा है, उसकी सुनो। त्याग करना है तो एक व्यर्थ की इच्छाओं का, अच्छी इच्छाओं का नहीं। एक कर्मेन्द्रियों के रसों का। साथ में जोड़ दें आलस्य और अलबेलेपन को। सवेरे उठने में आलस आता है। कोई एक बहन कल आई। मैं आठ बजे उठती हूँ सोके। बहुत प्रतिज्ञाएं कर ली चार बजे उठने की, सफल ही नहीं हुई। मैंने उससे पूछा कितने बजे सोती हो। कहा-दस बजे।

मैंने कहा कि दस बजे सोके, चार बजे उठना इस आयु में तो सहज बात है। अच्छी आयु थी 40-45 साल की, तुम्हें कोई दिक्कत नहीं होनी चाहिए। अलार्म नहीं लगाती हो क्या? अलार्म लगा लिया करो। कहा कुछ सुनता नहीं। ऐसी नींद आती है कि जैसे कि बस मर गई हूँ, कुछ सुनाई नहीं देगा। मैं समझ गया कि इसका कारण होता है कुछ। ब्रेन की डलनेस, ऑक्सीजन की कमी और सूक्ष्म विकर्मों का बोझ भी। जो आत्मा को सवेरे-सवेरे का ईश्वरीय सुख नहीं लेने देता।

तो बहुत ध्यान दें, जल्दी सोना, जल्दी उठना इसको अपना नियम बना लें। भगवान सवेरे-सवेरे अमृत बांटता है, वरदान बांटता है, सुख-शान्ति, खुशी-प्रेम का अनुभव कराता है, अपनेपन की फीलिंग देता है। भगवान ही हमारा है। हम उसके भक्त नहीं, हम तो बहुत प्यारे-लाडले बच्चे हैं ये वो फीलिंग देता है।

तो जिसको लास्ट सो फास्ट जाना है वो इस चीज़ पर बहुत ध्यान दें कि हमें सवेरे उठके परमात्म मिलन का सुख लेना है, उसको शुक्रिया किया करें तो उसके प्यार में मन मगन होता रहेगा। उससे क्षमा-याचना भी कर लें ज्याद़ा पाप कर लिए हों। ज्याद़ा विषयी जीवन रहा हो, ज्याद़ा गड़बड़ कर ली हो जीवन में, कइयों ने की है बहुत गड़बड़, वो गड़बड़ करने वाले सब जानते हैं, हमने क्या-क्या गड़बड़ की। एक तो उसे भूलाना पड़ेगा, तो ये चीज़ें भूलना सहज भी नहीं होता है, यह भी सत्य है।

भूलाना तो पड़ेगा। लेकिन आगे ऐसा कुछ न हो ये प्रतिज्ञा भी करनी पड़ेगी।

महिला तकनीकी संस्थान में मनाया गया 'मासिक धर्म स्वच्छता दिवस', ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड्स के प्रति किया गया जागरूक

» यूनिवर्सल मीडिया, राकेश कुमार, संवाददाता

नई दिल्ली।। महिला तकनीकी संस्थान, शहीद सुधीर त्यागी मार्ग, नेताजी नगर, नई दिल्ली में आज 'मासिक धर्म स्वच्छता दिवस' के अवसर पर एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि एनडीएमसी स्वास्थ्य विभाग से सेवानिवृत्त श्रीमती सुनीता शर्मा रहीं। इस आयोजन का संयोजन एस.ए. सोशल वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट (अध्यक्षः श्री संजय शर्मा) द्वारा सन रेज़ ऑफ होप सोसाइटी (अध्यक्षः श्री मेहरबान सिंह) के सहयोग से किया गया। इस पहल का उद्देश्य महिलाओं में मासिक धर्म स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाना और पर्यावरण-अनुकूल समाधानों को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम में महिला तकनीकी संस्थान के स्टाफ व एलआईसी की विकास अधिकारी किरण कोहली की मदद से ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड्स की उपयोगिता पर प्रकाश डाला गया।

संजय शर्मा जी द्वारा अक्टूबर 2021 से ही ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड्स का वितरण किया जा रहा है और लगातार महिलाओं को इसके लाभों के बारे में जागरूक किया जा रहा है। उनकी यह मुहिम पर्यावरण संरक्षण और महिला स्वास्थ्य, दोनों के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल सैनिटरी पैड्स की विशेषताएं: एस.ए. सोशल वेलफेयर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित और रख-रखाव की गई मशीन की मदद से निर्मित ये पैड्स पर्यावरण के अनुकूल होते हैं और आमतौर पर इस्तेमाल होने वाले सैनिटरी पैड्स की तरह 600-700 साल नहीं लगाते, बल्कि केवल 6-7 महीनों में जैविक रूप से नष्ट हो जाते हैं, जिससे किसी भी प्रकार के विषैले पदार्थ वातावरण में नहीं फैलते।

इस उत्पादन में प्रयुक्त सभी कच्चे माल एवं यांत्रिक उपकरण स्थानीय रूप से उपलब्ध हैं। प्रमुख कच्चे मालों में शामिल हैं:

1. वुड पल्प
2. कॉर्न जेल शीट
3. बैक शीट
4. ऑक्सो-बायोडिग्रेडेबल मटेरियल

सभी सामग्री पर्यावरण के अनुकूल हैं और इस निर्माण प्रक्रिया से कार्बन डाइऑक्साइड या जल जैसी कोई हानिकारक गैसें उत्पन्न नहीं होतीं। इस अवसर पर वक्ताओं ने बताया कि मासिक धर्म स्वच्छता माह को पूरे दिल्ली में विभिन्न क्षेत्रों में कार्यक्रमों के माध्यम से मनाया जाएगा ताकि समाज में जागरूकता और स्वच्छता की भावना को मजबूती मिल सके।

200 रुपये न देने पर जानलेवा हमला, मामला दर्ज; आरोपी की तलाश शुरू

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली।। नंद नगरी इलाके में दो सौ रुपये न देना एक युवक को महंगा पड़ गया। एक व्यक्ति ने युवक पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। रेहान के परिजनों ने उसे घायल अवस्था में जीटीबी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसका उपचार चल रहा है। घायल की शिकायत पर पुलिस ने मारपीट और हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं में एफआईआर दर्ज कर ली है। रेहान अपने परिवार के साथ सुंदर नगरी में रहता है। परिवार में उसके माता-पिता और अन्य सदस्य हैं। वह अपने पिता के साथ हरियाणा में कबाड़ी का काम करता है। वह कुछ दिन पहले ही दिल्ली आया था। गुरुवार को वह घर से सब्जी खरीदने के लिए बाजार जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में, गुड्डू नाम के एक शख्स ने उसे रोका। उसने जबरन उससे दो सौ रुपए उधार मांगे। जब पीड़ित ने पैसे देने से मना कर दिया तो आरोपी ने उस पर हथियार से हमला कर दिया। पुलिस आरोपी की तलाश कर रही है।

शाहदरा में ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन में आग लगने से दो लोगों की मौत

» यूनिवर्सल मीडिया, ज्योति, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। पूर्वी दिल्ली के शाहदरा में रविवार सुबह ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन में आग लग जाने से दो लोगों की मौत हो गई और चार अन्य झुलस गए। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने बताया कि उसे सुबह करीब छह बजकर 40 मिनट पर शाहदरा के मोती राम रोड पर राम मंदिर के पास आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद दमकल की पांच गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। आग लगभग 400 वर्ग गज में बने 'टिन शेड' के ढांचे में लगी, जिसका ई-रिक्शा चार्जिंग स्टेशन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा था। डीएफएस प्रमुख अतुल गर्ग ने कहा, ''सुबह साढ़े आठ बजे तक आग पर काबू पा लिया गया। अभियान के दौरान मलबे से दो जले हुए शव बरामद किए गए।''

इस घटना में झुलसे चार घायलों को बचा लिया गया जिन्हें निकटवर्ती जी.टी.बी. अस्पताल ले जाया गया।

मृतकों की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है, जो संभवतः शेड में रहने वाले श्रमिक थे।

बच्चे को डांटने पर हुआ विवाद, युवक पर जानलेवा हमला

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली। पूर्वी दिल्ली के त्रिलोकपुरी इलाके में एक बच्चा पत्थर फेंककर एक युवक को मारने लगा। युवक ने उसे डांट दिया। इस बात से नाराज होकर बच्चे के परिवार के सदस्यों ने युवक व इसके पिता और ताऊ की पिटाई कर दी। वहीं, बीच-बचाच करवाने के लिए युवक का दोस्त पहुंचा तो आरोपितों ने उसपर चाकू से वार कर दिए। घायल हालत में शिवा को एलबीएस अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

मयूर विहार थाना पुलिस ने अनिल की शिकायत पर हत्या के प्रयास, मारपीट समेत कई धाराओं में छह लोगों पर प्राथमिकी की है। पुलिस ने इस मामले में तसलीम और नजाकत उर्फ लियाकत को गिरफ्तार किया है।

अनिल अपने परिवार के साथ त्रिलोकुरी में रहता है। वह अपने पिता नानू व ताऊ अवतार के साथ मिलकर त्रिलोकपुरी 20 ब्लाक में दाल का ठिया लगाता है। पीड़ित का आरोप है कि वह ठिए पर बैठा हुआ था। एक बच्चा उसे पत्थर मारने लगा। उसने बच्चे को डांट दिया। बच्चे ने अपने परिवार के सदस्य नजाकत, तस्लीम समेत छह लोगों को बुला लिया। छह लोगों ने मिलकर युवक व उसके पिता और ताऊ की पिटाई कर दी। पीड़ित ने काल करके अपने दोस्त शिवा को मौके पर बुलाया। आरोप है कि आरोपितों ने उस पर चाकू से वार कर दिए।

पार्क में महिलाओं को देखते ही पैंट उतार देता है ये शख्स, खौफ में महिलाएं

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली। यमुना विहार डीडीए कॉलोनी है। यहां कई आइएएस और आइपीएस अफसरों के घर हैं। इलाके में छोटे-बड़े 84 पार्क हैं। कॉलोनी का एकमात्र महिला पार्क सी-7 ब्लॉक में है। पिछले कुछ दिनों से महिलाओं ने इस पार्क में जाना बंद कर दिया है। महिलाएं पार्क में जाने से डरने लगी हैं। पार्क में जाने वाली महिलाओं का आरोप है कि एक युवक सुबह पार्क में आता है और महिलाओं को देखते ही पैंट उतारकर अश्लील हरकतें करता है।

इस पार्क में ज्यादातर गृहणियां जाती हैं। सुबह के समय इलाके में चहल-पहल कम होती है। डर के कारण महिलाएं कुछ नहीं कर पाती हैं। महिलाओं का कहना है कि पिछले एक महीने से ऐसा हो रहा है। एक अनजान युवक सुबह महिलाओं के पार्क में आता है और देखता है कि पार्क के आसपास कोई पुरुष तो नहीं है। इसके बाद वह पैंट उतारकर अश्लील हरकतें करता है और भाग जाता है। महिलाओं ने पार्क में जाना बंद कर दिया है। पार्क और उसके आसपास कोई सीसीटीवी कैमरा नहीं लगा है। वे इलाके में ही रहती हैं, इसलिए उन्होंने पुलिस में शिकायत नहीं की।

स्मैक के साथ ड्रग तस्कर गिरफ्तार

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली। नंदनगरी थाना पुलिस टीम ने एक ड्रग तस्कर को गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी कृष्णा उर्फ किशन है। पुलिस ने इसके पास से 13.36 ग्राम स्मैक बरामद की है।

उत्तर-पूर्वी जिला डीसीपी आशीष मिश्रा ने बताया कि थाना प्रभारी आनंद यादव की देखरेख में गठित टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाही करते हुए जाल बिछाकर एक शातिर ड्रग तस्कर को पकड़ लिया। आरोपी कृष्णा उर्फ किशन को उसके घर के बाहर से गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से 13.36 ग्राम स्मैक बरामद हुई है। आरोपी एक शातिर ड्रग तस्कर है और तस्कर सुनील कुमार पोपट का गोद लिया हुआ बेटा है। यह 7 से अधिक मामलों में पहले से संलिप्त पाया गया है।

4 बांग्लादेशी गिरफ्तार, 12 साल से अवैध रूप से रह रहे थे

» यूनिवर्सल मीडिया, राकेश कुमार, संवाददाता

नई दिल्ली।। अवैध प्रवासियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए साउथ-वेस्ट जिले की एंटी-ऑटो थेफ्ट स्क्वॉड (AATS) ने दिल्ली में पिछले 12 सालों से अवैध रूप से रह रहे चार बांग्लादेशी नागरिकों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों के अनुसार, गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान मोहम्मद असद अली (44), उनकी पत्नी नसिमा बेगम (40) और उनके बच्चे मोहम्मद नईम खान (18) व आशा मोनी (13) के रूप में हुई है। ये सभी मूल रूप से बांग्लादेश के फुलबाड़ी, कुरिग्राम जिले के फारूक बाज़ार अजवतारी क्षेत्र के निवासी हैं। सूत्र से मिली सूचना के आधार पर ऊए टीम ने दिल्ली कैंट क्षेत्र में इन संदिग्धों को पकड़ा।

पूछताछ के दौरान ये लोग कोई वैध भारतीय पहचान पत्र प्रस्तुत नहीं कर सके और उन्होंने स्वीकार किया कि वे 12 साल पहले नदी के रास्ते अवैध रूप से भारत में प्रवेश किए थे। इनके पास से बांग्लादेश के राष्ट्रीय पहचान पत्रों की फोटोकॉपी भी बरामद की गई है।

कानूनी प्रक्रिया और जांच पूरी होने के बाद इन्हें फॉरेन रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस(ईंध) को सौंपा गया, जिसके बाद इन्हें वापस भेजने की प्रक्रिया के तहत डिपोर्टेशन सेंटर भेज दिया गया।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने कहा, 'यह कार्रवाई अवैध प्रवास के प्रति हमारी जीरो टॉलरेंस नीति को दर्शाती है। हम आंतरिक सुरक्षा बनाए रखने और कानून के शासन को सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।' इस मामले में आगे की जांच जारी है।

अज्ञात बदमाशों ने नाबालिग को चाकू से गोदा, हालत गंभीर

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली।। वेलकम थाना क्षेत्र में बुधवार शाम अज्ञात बदमाशों ने 15 वर्षीय नाबालिग को चाकू से गोद दिया। वारदात को अंजाम देकर आरोपित भाग गए। घायल हालत में एहसान को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया। उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। वेलकम थाना पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत कई धाराओं में प्राथमिकी की है। सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल कर बदमाशों की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस ने बताया कि बुधवार शाम 7:15 बजे पुलिस को सूचना मिली कि एक नाबालिग पर चाकू से वार किए गए हैं। वारदात को किसने और किस वजह से अंजाम दिया है। यह अभी पता नहीं चल पाया है।

निर्माण विहार कॉलोनी में एक निजी स्कूल में लगी आग

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली।। पूर्वी दिल्ली के प्रीत विहार थाना क्षेत्र के निर्माण विहार कॉलोनी स्थित एक निजी स्कूल में मंगलवार रात आग लग गई। आग की शुरुआत स्कूल के स्टोर से हुई, जिसके कारण आग की लपटें स्कूल के बाहर तक फैल गईं। इस घटना में एक कार भी जल गई। दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आग लगने के कारणों का पता लगाया जा रहा है। दमकल अधिकारी फिरोज खान ने बताया कि रात 8:55 बजे आग लगने की सूचना मिली, जिसके बाद पांच फायर टेंडर मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का काम शुरू हुआ। स्कूल, बगल की एक बिल्डिंग और पास की एक कार में आग लग गई थी, जिसपर अब काबू पा लिया गया है। अभी तक किसी के घायल होने की खबर नहीं है।

मौजपुर में देर रात लूटपाट और गोलीबारी, जफराबाद पुलिस ने 24 घंटे में दबोचे तीनों आरोपी

» यूनिवर्सल मीडिया, राकेश कुमार, संवाददाता

पूर्वी दिल्ली।। दिल्ली के उत्तर-पूर्वी इलाके मौजपुर में एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है. 22 मई की रात करीब 11 बजे 45 वर्षीय कलाम आजम अपने घर के बाहर बैठकर मोबाइल पर वीडियो देख रहे थे. तभी तीन नकाबपोश युवक वहां पहुंचे और उनका मोबाइल फोन छीनने की कोशिश करने लगे. जब वो मोबाइल छीनने में असफल रहे तो उनमें से एक ने पिस्तौल निकाल कर कलाम के पैर के पास गोली चला दी. यह सब इतनी तेजी से हुआ कि कलाम कुछ समझ ही नहीं पाए.

इसी दौरान दूसरे आरोपी ने उनकी जेब से 1,700 रुपये नकद छीन लिए और तीनों मौके से फरार हो गए. गोली की आवाज और कलाम के शोर मचाने पर आसपास के लोग इकट्ठा हो गए और तुरंत पुलिस को सूचित किया गया. यह घटना मौजपुर जैसे भीड़भाड़ वाले इलाके में लोगों को डरा देने वाली थी. सूचना मिलते ही जाफराबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू की गई. डीसीपी उत्तर-पूर्वी दिल्ली आशीष मिश्रा के अनुसार इस केस की गंभीरता को देखते हुए एक विशेष टीम गठित की गई जिसमें निरीक्षक सुरेंद्र कुमार और एसीपी भजनपुरा विवेक त्यागी के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने लगातार छानबीन की. इस मामले में पुलिस ने तीनों आरोपी आरिफ, फैजान और अनस को पकड़ लिया है.

इसके अलावा बता दें कि पुलिस ने उनके पास से अपराध में इस्तेमाल की गई एक पिस्तौल, एक जिंदा कारतूस और 680 रुपये नकद बरामद किए हैं. पुलिस अब यह जांच कर रही है कि बदमाशों को हथियार कहां से मिला और क्या ये किसी बड़े गिरोह से जुड़े हैं. इस घटना ने एक बार फिर दिल्ली में बढ़ते अपराध को लेकर चिंता बढ़ा दी है. हालांकि, जाफराबाद पुलिस की तत्परता और तेज कार्रवाई ने यह साबित कर दिया है कि अपराधी ज्यादा समय तक कानून से बच नहीं सकते.

दिल्ली में डिजिटल अरेस्ट : बुजुर्ग से 25 लाख रुपए की ठगी, तीन आरोपी गिरफ्तार

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

दिल्ली में एक बुजुर्ग व्यक्ति से ठगों ने 25 लाख रुपये की ठगी की। उन्होंने उन्हें डिजिटल अरेस्ट कर पैसे हड़पे। मामले में पुलिस ने तीन ठगों को गिरफ्तार किया है जो अलग-अलग जगहों से इस ठगी को अंजाम दे रहे थे। अब पुलिस बाकी आरोपियों की भी तलाश कर रही है। दिल्ली के पालम कॉलोनी के रहने वाले महेंद्र जैन को 21 मार्च 2025 को व्हाट्सएप पर एक वीडियो कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को नासिक पुलिस क्राइम ब्रांच का इंस्पेक्टर संजय बताया। उसने कहा कि महेंद्र का आधार कार्ड किसी ने गलत इस्तेमाल करके कैनरा बैंक का फर्जी डेबिट/क्रेडिट कार्ड बनाया है। साथ ही बताया कि इस कार्ड का उपयोग एक बड़ी एयरलाइन कंपनी के मालिक द्वारा मनी लॉन्ड्रिंग में हो रहा है।

डराकर पुलिस ने कहा कि महेंद्र के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो सकती है। डर के मारे महेंद्र ने अपनी सारी बचत, फिक्स डिपॉजिट, पत्नी के गहने बेचकर लगभग 25 लाख रुपये ठगों को पेमेंट किए। यह पैसा उसने पेटीएम और आरटीजीएस के जरिए भेजा।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी जांच और पैसों के ट्रैकिंग से पता चला कि ठग दिल्ली के होटल रूम से व्हाट्सएप पर फर्जी पहचान से ठगी कर रहे थे। पुलिस ने पीहरगंज में छापा मारकर तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनके पास से मोबाइल फोन, सिम कार्ड, बैंक पासबुक और चेक बुक्स बरामद हुए। पूछताछ में पता चला कि आरोपी राहुल ने पहले अपने खाते से ठगी में मदद की, बाद में पूरे नेटवर्क को संभालने लगा। वे व्हाट्सएप पर फर्जी नंबर से अंतरराष्ट्रीय ऑपरेटरों से भी संपर्क करते थे और ठगी से लिए गए पैसे को कई खाते में ट्रांसफर करते थे। पुलिस अब अन्य आरोपियों की भी तलाश कर रही है। जांच जारी है।

मामूली विवाद ने लिया खौफनाक रूप, चली दनादन गोलियां

» यूनिवर्सल मीडिया, ज्योति, संवाददाता

राजधानी दिल्ली में छोटी-छोटी बातों पर खूनी झड़प जैसे आम बात हो गई है. लोगों में जैसे शासन और कानून को लेकर कोई परवाह नहीं है. ताजा मामला उत्तर पूर्वी दिल्ली के खजूरी खास इलाके का है जहां कूड़ा फेंकने को लेकर हुए झगड़ा खूनी खेल में बदल गया. झगड़े में हुई फायरिंग में एक युवक घायल हुआ है. जिसे दिलशाद गार्डन के ज़ी टीवी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां उसकी हालत स्थिर बताई जा रही है. पुलिस ने हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

घायल के परिजन सज्जाद ने बताया कि उनके घर के सामने रहने वाले लोग उनके छत पर हमेशा कूड़ा फेंक देते हैं. शिकायत करने के बावजूद वह लोग नहीं सुनते. कूड़ा फेंकने को लेकर शनिवार शाम तकरीबन 7 उनके और पड़ोसी की महिलाओं के बीच कहासुनी हो गई. जिसके बाद सज्जाद का साला रात तकरीबन 8:30 बजे पड़ोसी के पास समझाने पर जाने के लिए गया. जहां उनका पड़ोसी से झगड़ा हो गया. किसी झगड़े में पड़ोसी पक्ष के लोगों ने एक के बाद एक कई राउंड फायरिंग की.

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की: इस फायरिंग में गोली लगने से सज्जाद का साला घायल हो गया. ज़ी टीवी अस्पताल में भर्ती कराया गया है. उसके कमर में गोली लगी है.गोली चलने की सूचना मिलते ही खजूरी खास थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची. क्राइम टीम और फोरेंसिक टीम से घटनास्थल का जांच कराया गया. फिलहाल पुलिस ने हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है. घटना के बाद से ही सभी आरोपी मौके से फरार है. आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए कई टीम का गठन किया गया है. जो लगातार आरोपियों के ठिकाने पर छापेमारी कर रहे हैं.

घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को भी खंगाला जा रहा है. ताकि आरोपियों की संख्या कितनी है इसका भी पता चल सके और उन्हें गिरफ्तार किया जा सके.

माता-पिता-भाई-बहन...वडोदरा में पीएम मोदी का रोड शो, शामिल हुआ कर्नल सोफिया कुरैशी का परिवार, ऐसा था नजारा

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑपरेशन सिंदूर के बाद दो दिनों के गुजरात दौरे पर हैं. इस दौरान वो राज्य में विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे. उन्होंने वडोदरा के रोड शो में हिस्सा लिया. गुजरात के वडोदरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में अंतरराष्ट्रीय छात्रों समेत कई लोग शामिल हुए. पीएम मोदी ने एक्स पर शेयर किए गए एक पोस्ट में वडोदरा का धन्यवाद किया.

रोड शो के दौरान कर्नल सोफिया कुरैशी के परिवार के लोग भी मौजूद रहे. सफल ऑपरेशन सिंदूर का हिस्सा रहीं कर्नल सोफिया कुरैशी के पिता ताज मोहम्मद कुरैशी भारतीय सशस्त्र बलों के सम्मान में वडोदरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो में मौजूद थे. उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का रोड शो बहुत अच्छा लगा. हमें गर्व है कि पीएम मोदी हमसे मिले. सोफिया कुरैशी देश की बेटी हैं, उन्होंने सिर्फ अपना कर्तव्य निभाया. उनकी मां हलीमा बीबी ने कहा कि पीएम मोदी जी से मिलकर मुझे खुशी हुई. ऑपरेशन सिंदूर से महिलाएं और बहनें खुश हैं.

एक महिला दूसरी कई महिलाओं का बदला ले रही है : यहां मौजूद कर्नल सोफिया कुरैशी के भाई संजय कुरैशी ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी यहां आए तो ये हमारे लिए एक शानदार पल था. हम उन्हें पहली बार देख पाए. इशारों से उन्होंने हमारा अभिवादन किया. मैं सुरक्षा बलों और भारत सरकार को धन्यवाद देता हूं, जिन्होंने मेरी बहन को यह मौका दिया. एक महिला उन महिलाओं का बदला ले रही है जिन्होंने इतना कुछ सहा है, इससे बेहतर क्या हो सकता है?

वडोदरा में पीएम मोदी के रोड शो पर कर्नल सोफिया कुरैशी की जुड़वा बहन शायना सुनसारा ने कहा कि पीएम मोदी से मिलकर हमें अच्छा लगा. पीएम मोदी ने महिला सशक्तिकरण के लिए बहुत कुछ किया है. सोफिया मेरी जुड़वा बहन है. जब आपकी बहन देश के लिए कुछ करती है, तो इससे न केवल मुझे बल्कि दूसरों को भी प्रेरणा मिलती है. वह अब केवल मेरी बहन नहीं बल्कि देश की बहन भी है.

गाजियाबाद में परिवार का हर सदस्य कोरोना नेगेटिव तो 4 महीने का बच्चा कैसे हो गया पॉजिटिव?

गाजियाबाद के महरौली में रहने वाले परिवार ने अपने 4 महीने के बच्चे में यह लक्षण पाए. पहले तो किसी को पता ही नहीं चला कि 4 महीने का बच्चा कोरोना संक्रमित है, लेकिन अस्पताल में जैसे ही इसका टेस्ट कराया गया, तो यह सच्चाई सामने आई

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

गाजियाबाद : देशभर के साथ ही गाजियाबाद में कोरोना वायरस एक बार फिर रफ्तार पकड़ता नजर आ रहा है. बीते कुछ दिनों में पॉजिटिव मामलों की संख्या में इजाफा दर्ज किया गया है. गाजियाबाद में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या 14 है. लेकिन ताजा मामले ने सबको चौंका दिया है. गाजियाबाद के महरौली क्षेत्र से सामने आए इस केस में 4 महीने का मासूम बच्चा कोरोना संक्रमित पाया गया है. यह मामला जिले में चिंता का कारण बन गया है. हालांकि राहत की बात यह है कि बच्चे के संपर्क में आए परिवार के अन्य सभी सदस्य सुरक्षित हैं और उनकी कोविड रिपोर्ट निगेटिव आई है. लेकिन जब परिवार के सभी लोग कोरोना नेगेटिव तो ये नवजात बच्चा कैसे पॉजिटिव हो गया. आइये जानते हैं..

बच्चे को सर्दी जुकाम और बुखार की थी शिकायत : दरअसल, महरौली में रहने वाले परिवार ने अपने 4 महीने के बच्चे में सर्दी-जुकाम और हल्के बुखार जैसे लक्षण देखे थे. पहले तो परिजनों ने सोचा कि यह मौसम में बदलाव के कारण है, लेकिन जब लक्षण 2 दिन तक बने रहे, तो वे बच्चे को नोएडा के निजी अस्पताल लेकर पहुंचे. डॉक्टरों की सलाह पर बच्चे का कोविड टेस्ट कराया गया और रिपोर्ट पॉजिटिव आई. बच्चे के पॉजिटिव आने के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम तुरंत सक्रिय हुई और परिवार के अन्य सदस्यों का टेस्ट करवाया गया. गनीमत यह रही कि सभी अन्य सदस्य की रिपोर्ट निगेटिव आई है. इसके बावजूद, पूरे परिवार को ऐहतियात के तौर पर होम क्वारंटाइन में रहने की सलाह दी गई है.

स्वास्थ्य विभाग की तुरंत कार्रवाई : स्वास्थ्य विभाग द्वारा इलाके में सैनिटाइजेशन की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है और आसपास के लोगों की स्क्रीनिंग की जा रही है. संक्रमण की चेन को तोड़ने के लिए जिला प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे सरकार की ओर से जारी गाइडलाइंस का कड़ाई से पालन करें.

ACMO आर के गुप्ता का क्या है कहना : अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी आर के गुप्ता का कहना है कि गाजियाबाद में अब तक 14 मरीज कोरोना संक्रमित है. इनमें से 13 मरीज होम आइसोलेशन में हैं और एक मरीज अस्पताल में भर्ती हैं. वहीं महरौली के रहने वाले परिवार के 4 महीने के बच्चे की भी तबीयत खराब होने पर परिवार द्वारा उसे नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया. डाक्टरों द्वारा कोविड टेस्ट कराने पर रिपोर्ट पॉजिटिव आई. बच्चे के परिवार के अन्य सदस्यों का भी कॉविड टेस्ट कराया गया है, लेकिन सभी लोग नेगेटिव हैं.

अवैध शराब की तस्करी में 'घोड़ा' अरेस्ट ! मालिक फरार, शराब बरामद

● यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

उत्तर प्रदेश से बिहार में अवैध शराब की तस्करी में पुलिस ने एक 'घोड़े' को कई लीटर शराब के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घोड़े पर केस दर्ज करके कार्रवाई शुरू कर दी है। घोड़ा कोतवाली में पुलिस की निगरानी में है। मालूम हो कि बिहार में इन दिनों शराब पर प्रतिबंध है। प्रतिबंध की आड़ में अवैध शराब की तस्करी जोरों पर है, तस्कर जमकर चांदी काट रहे हैं। तस्कर यूपी से सटे जिलों से शराब ले जाकर बिहार में चोरीछुपे बेचते हैं। इस काम में तस्कर घोड़ों का खूब इस्तेमाल करते हैं। जब पुलिस दबिश देती है तस्कर घोड़ों को छोड़कर फरार हो जाते हैं। बिहार के बेतिया में एक अजीबो-गरीब मामला सामने आया। जहां यूपी से घुसा शराब

तस्कर पुलिस को देखते ही घोड़ा और उस पर लदी शराब छोड़कर भाग गया। उसके बाद पुलिस ने घोड़े को गिरफ्तार कर थाने ले गई। घोड़ा कहां से आया, उसका मालिक कौन है, इस संबंध में पुलिस जांच-पड़ताल में जुटी है। मालिक को पकड़ने के लिए पुलिस दबिश भी दे रही है। पुलिस के लिए चुनौती ये है कि बिहार में शराब बैन होने के बाद भी रोजाना पड़ोसी राज्यों से हजारों लीटर शराब प्रदेश में पहुंचती है। इस संबंध में राज्य सरकार ने डीजीपी को तलब भी किया है।

दाखिल खारिज के लिए 1 लाख की रिश्वत ले रहा था लेखपाल, गिरफ्तार

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

गाजियाबाद।। एंटी करप्शन मेरठ यूनिट की टीम ने गुरुवार को गाजियाबाद की मोदीनगर तहसील में लेखपाल को उसके साथी के साथ एक लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए दबोच लिया। लेखपाल ने जमीन की दाखिल-खारिज में रिपोर्ट लगाने के लिए पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगी थी।

लेखपाल के पकड़े जाने के बाद तहसील सहित अन्य आला अधिकारियों पर सवाल उठ रहे हैं। अनेकों बार लेखपालों के खिलाफ बिना रिश्वत लिए कार्य नहीं करने के आरोप लग चुके हैं। इसके बावजूद अधिकारियों ने एक्शन लेना उचित नहीं समझा।

भोजपुर थाना क्षेत्र के गांव त्योड़ी-13 बिस्वा निवासी परवेज ने फरवरी 2024 में गांव निवासी शाहबेदुन से चार बीघा जमीन खरीदी थी। 28 लाख में जमीन का बैनामा कराया। जमीन पर शाहबेदुन ने पहले ही दाखिल खारिज कराया हुआ था। परवेज ने दाखिल खारिज के लिए आवेदन किया।

इस पर लेखपाल सरित कुमार से रिपोर्ट मांगी गई तो उसने जमीन को एससी एसटी में दर्ज बताया। ऐसे में किसी अन्य जाति को उसका दाखिल खारिज नहीं करने की बात परवेज को बताई और उसे जमीन नीलाम करने की बात कहकर डरा दिया।

परवेज ने बताया कि लेखपाल ने परवेज को अपने पास बुलाया और दाखिल खारिज कराने के लिए पांच लाख रुपये की रिश्वत मांगी। परवेज ने मना किया तो लेखपाल ने दाखिल खारिज रद्द करने की चेतावनी दी। इस पर परवेज ने एंटी करप्शन टीम से शिकायत की। इसके बाद लेखपाल को पांच लाख रुपये रिश्वत देने के लिए सहमति दी।

गुरुवार को वह एक लाख रुपये लेकर लेखपाल के पास मोदीनगर तहसील में पहुंचा। इन रुपयों पर पहले ही एंटी करप्शन टीम ने केमिकल लगा रखा था। जैसे ही सरित और कपिल ने रुपये पकड़े तो टीम ने उन्हें पकड़ लिया। टीम ने मौके पर विडियोग्राफी की। एंटी करप्शन के निरीक्षक दुर्गेश कुमार की शिकायत पर लेखपाल सरित कुमार व उसके साथी कपिल पर केस दर्ज कराया गया है। दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। बरामद एक लाख रुपये को सील कर दिया गया है।

पीड़ित ने लेखपाल के रिश्वत मांगने की शिकायत तहसील के अधिकारियों एवं संपूर्ण समाधान दिवस में की थी, लेकिन अधिकारियों ने शिकायत को नजरंदाज कर दिया।

निदा खान अब वेदिका सिसोदिया, दिल्ली की मुस्लिम महिला बन गई हिंदू; क्या बताई वजह

गाजियाबाद में एक मुस्लिम महिला ने इस्लाम छोड़कर सनातन धर्म अपना लिया है। दिल्ली की निदा खान धर्मांतरण के बाद अब वेदिका सिसोदिया बन गई है। गाजियाबाद में एक हिंदू सगंठन ने निदा की कथित 'घर वापसी' कराई। महिला का आरोप है कि पति और अन्य लोगों के उत्पीड़न से तंग आकर उसने सनातन धर्म का रुख किया। वेदिका बनी निदा ने कहा कि सनातन धर्म में महिलाओं को बहुत इज्जत दी जाती है और वह इस वजह से इसे अपनाने को प्रेरित हुई।

मूल रूप से दिल्ली के वजीराबाद निवासी निदा खान बीते करीब छह महीने से पंचवटी कॉलोनी में रह रही थीं। युवती ने बताया कि उसका पति उस पर अत्याचार करता था। युवती की घर वापसी हिंदू रक्षा दल के द्वारा कराई गई। हिंदू रक्षा दल के प्रदेश संयोजक गौरव सिसोदिया और उनकी पत्नी रेखा सिसोदिया ने वेदिका को गोद लिया है। गौरव सिसोदिया ने बताया कि युवती की लव मैरिज दादरी निवासी युवक से हुई थी। युवती पहले उससे ऑनलाइन बातचीत किया करती थी। इस दौरान दोनों के बीच प्रेम हुआ और उन्होंने विवाह कर लिया।

युवक ने खुद को कुंवारा और 26 वर्ष का बताया था, लेकिन विवाह के बाद युवती को पता चला कि वह पहले से शादीशुदा है और उसके दो बच्चे भी हैं। जब युवती ने इसका विरोध किया तो युवक ने उसके साथ मारपीट और अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया। इस दौरान उसने अपने भाई और दोस्तों के साथ भी अवैध संबंध बनाने का दबाव युवती पर डाला। इन सब घटनाओं से आहत होकर पीड़िता अपने पति से अलग रह रही थी।

गौरव सिसोदिया ने बताया कि करीब एक महीने पहले वह युवती से उसके मकान मालिक के माध्यम से मिले थे। इस दौरान युवती ने अपने साथ हुए अन्याय की जानकारी दी थी, जिसके बाद गौरव और उनकी पत्नी ने निदा खान की घर वापसी कराते हुए उन्हें गोद लेने का निर्णय लिया। बुधवार को सभी विधि-विधान के साथ मंदिर में युवती की घर वापसी कराई गई, जिसके बाद वह वेदिका बन गई।

निदा से वेदिका बनकर क्या कहा : निदा से वेदिका बनी महिला से जब यह पूछा गया कि उसने धर्मांतरण क्यों किया तो उसने अपने पति पर अत्याचार के आरोप लगाए और कहा कि सनातन धर्म में जिस तरह महिलाओं को इज्जत की जाती है वह देखकर उसने इसे अपनाने का फैसला किया।

वेदिका ने कहा कि उसके पति के भाई और दोस्त भी उसे बुरी नजर से देखते थे और वह इस तरह के व्यवहार से तंग आ चुकी थी।

पीएसी के जवान ने युवक को डूबने से बचाया

मुरादनगर। गंगनहर में नहाते समय डूब रहे लोनी निवासी युवक को पीएसी के गोताखोरों ने बचा लिया।

सोमवार शाम को लोनी निवासी धर्मवीर सिंह नहाते समय गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे। अपने आप को डूबता देखकर शोर मचाया। शोर सूचन पीएसी के कांस्टेबल चांद सिंह, प्रदीप कुमार,भूपेन्द्र कुमार व योगेन्द्र कुमार ने युवक धर्मवीर को बचा लिया।

डेबिट कार्ड बदलकर युवक के खाते से एक लाख रुपये निकाले

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

लोनी। लोनी बार्डर थाना क्षेत्र में जौहरी एनक्लेव मेट्रो स्टेशन के पास स्थित एक्सिस बैंक के एटीएम में दो ठगों ने एक युवक का डेबिट कार्ड बदल लिया। इसके बाद ठगों ने युवक के खाते से एक लाख रुपये निकाल लिये। पीड़ित एटीएम से दो हजार रुपये निकालने गया था। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है। बेहटा हाजीपुर में विजय कुमार परिवार के साथ रहते है। वह 17 मई शाम करीब सात बजे जौहरी स्टेशन मेट्रो स्टेशन के पास एक्सिस बैंक के एटीएम से दो हजार रुपये निकालने गये थे। उन्होंने बताया कि जब वह एटीएम में पहुंचे तो वहां दो युवक खड़े थे।

जब उन्होंने पैसे निकाल लिए तो युवकों ने अपने डेबिट कार्ड उन्हें देते हुए पर्ची निकालने को कहा। दोनों ने उन्हें बातों में उलझाकर उनका डेबिट कार्ड बदल लिया और वहां से चले गये। 20 मई को बैंक में पासबुक अपडेट कराने पर पता चला कि खाते से एक लाख रुपये निकाले जा चुके है। अपना डेबिट कार्ड देखने पर कार्ड बदलकर ठगे जाने का पता चला। उन्होंने मामले की शिकायत पुलिस से की। एसीपी अंकुर विहार अजय कुमार ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। मामले की जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

ब्रह्माकुमारी संस्था के अंतरराष्ट्रीय प्रेरक वक्ता ने चिकित्सकों को दिए तनाव मुक्ति के मंत्र

● यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

मथुरा,उत्तर प्रदेशः इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की मथुरा ब्रांच और ब्रह्माकुमारी संस्था के संयुक्त तत्वाधान में आई एम ए के सभागार में 'आर्ट ऑफ़ रिलैक्सेशन' विषय पर सेमिनार का आयोजन किया. जिसमें मथुरा जिले के 100 से भी अधिक प्रतिष्ठित डॉक्टरों ने सहभागिता की.

ब्रह्मावुमारी संस्था के अंतरराष्ट्रीय मोटिवेशनल स्पीकर विषय विशेषज्ञ डॉक्टर सचिन परब ने तनाव प्रबंधन के विविध पहलुओं पर प्रकाश डाला और उसके निवारण हेतु दैनिक उपयोगी सूत्र बताए. डॉ सचिन परब अंतर्राष्ट्रीय प्रोग्राम विहाशा के राष्ट्रीय समन्वक है और साथ ही वह ब्रह्माकुमारी संस्था के नशा मुक्त भारत अभियान के राष्ट्रीय संयोजक भी है. वह पिछले बीस से भी अधिक वर्षों से चिकित्सा जगत और कारपोरेट जगत के लिए प्रशिक्षण दे रहे हैं.

उन्होंने सरल शब्दों में डॉक्टर से पूछा कि क्या आप टेंशन लेते हैं या टेंशन आती है, सभी डॉ विचारमग्न हो गए, उन्होंने फिर अगला प्रश्न पूछा कि यदि मैं आपको अपना पेन दूं और आप ना लें, तो पेन किसके पास रहेगा?उनके प्रभावशाली उद्बोधन से सभी डॉक्टर अभिभूत हो गये. ब्रह्माकुमारी संस्था की स्थानीय सेवा केंद्र संचालिका राजयोगिनी बी के कृष्णा दीदी ने बताया कि तनाव मुक्त रहने के लिए राजयोग का अभ्यास बहुत कारगर है. आई एम ए प्रेसिडेंट डॉ ब्रजेन्द्र तिवारी और डॉ वर्षा तिवारी, सेक्रेटरी डॉ गौरव भारद्वाज, ट्रेजरार – डॉ अंशुल गोयल नें मुख्य वक्ता डॉ सचिन परब और ब्रह्माकुमारी कृष्णा दीदी का मोमेंटो और सैपलिंग देकर अभिवादन किया. मंच संचालन डॉक्टर अनु गोयल और धन्यवाद दिया अपन डॉक्टर करुणा नें किया. आयोजन में मुख्य रूप से डॉ वर्मन, डॉ डीपी गोयल डॉ यस बी अग्रवाल, डॉ मधु, डॉ रूपा गोपाल,डॉ चारू डॉ रश्मि, डॉ मुकेश जैन आदि उपस्थित रहे. आयोजन को सफल बनाने में बीके मनोज, मनोहर,बीके पूजा अलका,आलोक प्रमोद वर्मा ने सहयोग किया.

उतरते समय बस के नीचे आने से महिला की मौत

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

गाजियाबाद। मेरठ-गाजियाबाद हाईवे पर रोडवेज बस से सवारी उतरने के दौरान चालक ने बस दौड़ा दी। इससे दरवाजे पर खड़ी सद्दीकनगर निवासी आशा देवी (38) सड़क पर गिर गईं और पिछले टायरों की चपेट में आकर उनकी मौत हो गई।

मेडिकल परीक्षण के बाद परिजनों ने बृहस्पतिवार की दोपहर शव हाईवे पर रखकर जाम लगा दिया। परिजन सड़क पर वाहनों के आगे लेट गए और आरोपी बस चालक की गिरफ्तारी की मांग की। सिहानी गेट और नंदग्राम पुलिस के साथ एसीपी पूनम मिश्रा भी मौके पर पहुंचीं और जाम लगा रहे लोगों को कार्रवाई का आश्वासन दिया।

हालांकि परिजन नहीं माने और करीब साढ़े तीन घंटों तक हाईवे पर जाम रहा। आखिरकार पुलिस ने हल्का बल प्रयोग कर शव कब्जे में लिया और जाम खुलवाकर वाहनों का संचालन शुरू कराया। सिहानी गेट थाना क्षेत्र के सिहानी सद्दीकनगर निवासी आशा देवी अपने पति टीकम सिंह के साथ बुधवार की शाम मोदीनगर से दवाई लेने गईं थीं। रात करीब 11 बजे आशा देवी और टीकम सिंह रोडवेज में सवार होकर डीपीएस कट पर पहुंचे।

बस से टीकम सिंह उतर गए और आशा देवी दरवाजे पर उतरने का प्रयास कर रहीं थी। इसी दौरान चालक ने बस दौड़ा दी। इससे अनियंत्रित हुई आशा देवी सड़क पर गिर गईं और बस के पिछले टायरों के नीचे आकर आशा देवी की मौके पर ही मौत हो गई। सिहानी गेट पुलिस ने शव को मेडिकल परीक्षण के लिए भेजा। बृहस्पतिवार की दोपहर परिजनों ने मोर्चरी से शव लाकर हाईवे स्थित डीपीएस कट पर रख दिया और जाम लगा दिया।

जाम लगाने वालों ने पीड़ित परिवार को सरकारी नौकरी, मुआवजा और आरोपी बस चालक की गिरफ्तारी की मांग की। मौके पर पहुंची एसीपी नंदग्राम ने आरोपी चालक को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया। हालांकि परिजन नहीं मानें और गुस्साए लोगों ने ऑटो और कार खड़ी कर हाईवे दोनों साइड से जाम कर दिया।

प्रदर्शनकारियों से नौ बार हुई परिजनों की झड़प : पुलिस ने परिजनों को समझा बुझाकर शांत किया और शव को कब्जे में लेने का प्रयास किया। कुछ लोगों ने हंगामा कर दिया और मौके पर जिलाधिकारी और एसडीएम आदि को बुलाने की मांग की और सड़क पर लेट गए।

पुलिस परिजनों को शांत करने में कामयाब होती, लेकिन आसपास के लोग फिर से जाम लगा देते। साढ़े तीन घंटों के जाम के दौरान पुलिस की प्रदर्शन करने वालों से नौ बार झड़प हुई।

पुलिस से की धक्कामुक्की, महिला पुलिसकर्मी बुलाई : प्रदर्शन करने वालों में महिलाओं की संख्या अधिक थी। पुलिसकर्मी महिलाओं की मानमनौव्वल जाम खुलवाने की अपील करते रहे। एसीपी पूनम मिश्रा ने भी महिलाओं को शांत करने का प्रयास किया। हालांकि प्रदर्शन करने वाली महिलाएं पुलिस को धकियाकर वाहनों के आगे लेट गईं और कार्रवाई न होने तक जाम लगाने पर अड़ी रहीं। धक्कामुक्की में एक पुलिसकर्मी की वर्दी फट गई।

4 पीढ़ियों ने दिया लगान... अब जमीन हो गई अवैध ! 161 B के नोटिस पर बहराइच में हुआ बवाल

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

बहराइच।। यूपी के बहराइच जिले का एक बड़ा हिस्सा कर्तानिया घाट जंगल में आता है, जहां जंगल के किनारे-किनारे बड़ी संख्या में लोगों का अवैध कब्जा है. वन विभाग का आरोप है कि सैटेलाइट से देखने पर जंगल में अतिक्रमण साफ दिखाई दे रहा है. वन विभाग का यह भी कहना है कि पूर्व की तस्वीरें कुछ और ही बयां कर रही हैं. इसी को लेकर 1 मस्जिद के प्रबंधको समेत 185 ग्रामीणों को धारा 61 बी के तहत नोटिस जारी की किया गया है. 185 ग्रामीणों को नोटिस मिलने के बाद लोग सैकड़ों की संख्या में सीधे बहराइच शहर में स्थित वन कार्यालय पहुंच गए, भीड़ में भारी संख्या में महिलाएं और पुरुष सभी शामिल थे. ग्रामीणों का आरोप है कि हमारी 3 से 4 पीढ़ी वहां रहती आ रही है. हमारे दादा-परदादा लगातार वन विभाग को लगान देते आ रहे हैं, अब हमें नोटिस दी गई है. हमारे पास राशन कार्ड, लगान देने की स्लिप समेत और भी कई दस्तावेज मौजूद हैं. इसके साथ ही नूरी मस्जिद को भी वन विभाग अवैध बता रहा है.

बुलडोजर कार्रवाई के मूड में वन विभाग : डीएफओ कर्तानियाघाट बी. शिव शंकर ने बताया कि अगर आबादी इसी तरह जंगल की ओर बढ़ती रही तो एक दिन जंगल पर अवैध कब्जा हो जाएगा और जंगल खत्म हो जाएगा. सैटेलाइट से पहले और मौजूदा स्थिति में काफी अतिक्रमण देखने को मिल रहा है. ग्रामीणों को साक्ष्य दिखाने की नोटिस दी गई है. प्रमाण न दिखा पाने पर शासन के आदेश के बाद इन क्षेत्रों पर बुलडोजर कार्रवाई कर खाली कराया जाएगा.

कब दिया जाता 161B का नोटिस : 161B की नोटिस टैक्स के नियम का पालन करने में विफल रहने वाले व्यक्ति को जारी किया जाता है. इसके साथ ही यह नोटिस टैक्स को घटाने या जमा करने में विफल रहने के कारण भी जारी की जाती है. इस नोटिस का मतलब है कि संबंधित व्यक्ति टैक्स के दायित्व का पालन करने में विफल रहा है. नोटिस के बाद, व्यक्ति को अपना टैक्स जमा करने और किसी भी दंड से बचने के लिए एक निश्चित समय सीमा दी जाती है, जिसमें उसे संबंधित दस्तावेज दिखाकर अपना मलकाना हक साबित करना होता है.

गाज़ियाबाद में रिश्तों को किया शर्मसार: भाई ने बहन संग की दरिंदगी, तबीयत बिगड़ने पर खुला राज

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

गाजियाबाद।। गाजियाबाद के मोदीनगर में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ एक 13 वर्षीय किशोरी के साथ उसके मौसेरे भाई ने कथित तौर पर दुष्कर्म किया। इस अपराध का खुलासा तब हुआ जब किशोरी की तबीयत बिगड़ी और उसके परिवार को डॉक्टर के पास ले जाना पड़ा।

पीड़िता, जो सातवीं कक्षा की छात्रा है, को अपनी मौसी के निधन के बाद खाना बनाने में मदद करने के लिए अपने मौसा के घर बुलाया गया था। कुछ समय वहां रहने के बाद, उसका मौसेरा भाई उसे वापस उसके गाँव छोड़ने आया। देर रात होने के कारण वह वहीं रुक गया।

आरोप है कि यह घटना रात में उस समय हुई जब किशोरी अपने कमरे में सो रही थी। जब उसने चीखने की कोशिश की, तो आरोपी ने कथित तौर पर उसके मुंह में कपड़ा ठूंस दिया और उसके साथ मारपीट भी की।

इसके बाद उसने कथित तौर पर किशोरी को जान से मारने की धमकी दी,अगर उसने इस बारे में किसी को बताया इस घटना के बाद से किशोरी गुमसुम रहने लगी और उसकी तबीयत बिगड़ने लगी, जिसमें पेट में तेज दर्द भी शामिल था। जब उसका परिवार उसे डॉक्टर के पास ले गया, तो दुष्कर्म का पता चला। तभी किशोरी ने हिम्मत करके अपने परिवार को आपबीती सुनाई।

भोजपुर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की तलाश शुरू कर दी है। एसीपी मोदीनगर ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि आरोपी की गिरफ्तारी जल्द ही कर ली जाएगी।

भोरा कलां : प्रकृति के साधनों का उतना ही उपयोग करें जितना आवश्यक है : दिनेश लुहाच

– स्कूली बच्चों के लिए हुआ डिजिटल वेलनेस कार्यक्रम
– ब्रह्माकुमारीज के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में हुआ आयोजन
– 18 से भी अधिक स्कूल्स से लगभग 2300 बच्चों ने की शिरकत

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

हरियाणा।। मोबाइल एवं डिजिटल दुनिया की लत ने आज बच्चों का बचपन छीन लिया है। उक्त विचार पटौदी, उप मंडल अधिकारी दिनेश लुहाच ने व्यक्त किए। बतौर मुख्य अतिथि उन्होंने ब्रह्मा कुमारीज़ के ओम शांति रिट्रीट सेंटर में डिजिटल वेलनेस कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बुद्धिमान व्यक्ति वो है जो दूसरों के अनुभव से सीखता है। हमें डिजिटल चीजों का उतना ही उपयोग करना चाहिए, जितना आवश्यक है। प्रकृति ने हमें सब साधन दिए हैं। हमें उन्हें आवश्यकता के हिसाब से ही उपयोग करना है। प्रकृति के संसाधनों का दुरुपयोग प्रकृति को नुकसान पहुंचाना है।

वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी विजय दीदी ने कहा कि आज के बच्चे कल का भविष्य हैं। उन्होंने कहा कि ब्रह्माकुमारीज़ संस्थान की स्थापना में बच्चों का विशेष योगदान रहा। बच्चों का मन बहुत ही रचनात्मक होता है। बच्चों का अनुशासित जीवन ही समाज एवं राष्ट्र को श्रेष्ठ दिशा प्रदान कर सकता है।

कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप से अंतरराष्ट्रीय मेमोरी ट्रेनर बीके अदिति सिंघल ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि किसी भी चीज की अधिकता नुकसान करती है। आज हम सुबह से शाम तक किसी न किसी तकनीकी से जुड़े हैं। जिसका असर आम जीवन पर पड़ता है। उन्होंने कहा कि दुनिया के 70 प्रतिशत लोग मोबाइल का प्रयोग कर रहे हैं। 60 प्रतिशत लोग सोशल मीडिया से जुड़े हैं। आज व्यक्ति दिनभर इंफॉर्मेशन लेने में ही लगा रहता है।

आवश्यकता से अधिक जानकारियां संशय पैदा करती हैं। जिस कारण निर्णय शक्ति कम हो जाती है। आज सोशल मीडिया हमें कई ऐसी चीजें परोस रहा है, जो हमारे समय और ऊर्जा को नष्ट कर रहे हैं। हमें ये समझना जरूरी है कि हम क्यों अपना समय इन चीजों के पीछे लगा रहे हैं। कहीं न कहीं पेरेंट्स भी इसके लिए जिम्मेवार हैं। जो बचपन में ही बच्चों को मोबाइल थमा देते हैं। मस्तिष्क की क्षमता अदभुत है। लेकिन अटेंशन न होने के कारण हम सीख नहीं पाते। सोशल मीडिया ने हमारा ध्यान डिस्ट्रैक्ट कर दिया है।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जीडी गोयनका पब्लिक स्कूल, श्री राम पब्लिक स्कूल, मैत्री पब्लिक स्कूल, मदर्स प्राइड, डीपीएस, सीसीए, विराट इंटरनेशनल स्कूल, ऋषि वर्ल्ड स्कूल, जेजेवीएम स्कूल, आरपीएस स्कूल, रमन मुंजाल विद्या मंदिर, एसएससी एकेडमी, मोशन पीजीएस, पाथ फाइंडर एवं आरआरजेएस डीएवी पब्लिक स्कूल के बच्चे सम्मिलित हुए।

ओआरसी की राजयोग शिक्षिका बीके सुनैना ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराया। कार्यक्रम में 18 स्कूल्स से 2300 से भी बच्चों ने शिरकत की। कार्यक्रम का संचालन बीके दिव्या ने किया।

प्रधानमंत्री ने 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं की समीक्षा की

● यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज केंद्र और राज्य सरकारों को शामिल करते हुए सक्रिय शासन और समयबद्ध कार्यान्वयन के लिए आईसीटी-आधारित मल्टी-मॉडल प्लेटफॉर्म प्रगति बैठक की अध्यक्षता की।

बैठक के दौरान प्रधानमंत्री ने विभिन्न राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में स्थित सड़क परिवहन, बिजली और जल संसाधन के क्षेत्रों में 62,000 करोड़ रुपये से अधिक की कुल लागत वाली तीन प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की समीक्षा की।

इन परियोजनाओं के रणनीतिक महत्व पर बल देते हुए उन्होंने कार्यान्वयन की बाधाओं को दूर करने और उन्हें समय पर पूरा करने के लिए ठोस प्रयास करने का आह्वान किया।

परियोजना में देरी के प्रतिकूल प्रभाव की जानकारी देते हुए प्रधानमंत्री ने दोहराया कि इस तरह की रुकावटों से न केवल लागत बढ़ती है, बल्कि नागरिकों को आवश्यक सेवाओं और बुनियादी ढांचे से भी वंचित होना पड़ता है। उन्होंने सभी संबंधित पक्षों से दक्षता और जवाबदेही को प्राथमिकता देने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर दिया कि समय पर डिलीवरी सामाजिक-आर्थिक परिणामों को अधिकतम करने के लिए महत्वपूर्ण है।

रियल एस्टेट विनियामक प्राधिकरण (रेरा) से जुड़ी सार्वजनिक शिकायतों की समीक्षा के दौरान प्रधानमंत्री ने घर खरीदने वालों के लिए न्याय और निष्पक्षता सुनिश्चित करने हेतु शिकायत निपटान की गुणवत्ता और समयबद्धता में सुधार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

उन्होंने राज्य सरकारों से रेरा अधिनियम के तहत सभी पात्र रियल एस्टेट परियोजनाओं का अनिवार्य पंजीकरण सुनिश्चित करने को कहा। प्रधानमंत्री ने इस बात पर बल दिया कि आवास बाजार में विश्वास बहाल करने के लिए रेरा प्रावधानों का सख्त अनुपालन महत्वपूर्ण है।

प्रधानमंत्री ने भारत में सेमीकंडक्टर इकोसिस्टम के विकास से संबंधित उल्लेखनीय सर्वोत्तम परिपाटियों की जांच की। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि इस तरह की पहल दूसरों के लिए मार्गदर्शक मॉडल के रूप में काम कर सकती है और राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में व्यापक रूप से अपनाने के लिए प्रेरित कर सकती है, जिससे राष्ट्रीय सेमीकंडक्टर मिशन को मजबूती मिलेगी। वर्तमान प्रगति बैठकों तक, लगभग 20.64 लाख करोड़ रुपये की कुल लागत वाली 373 परियोजनाओं की समीक्षा की गई है।

दिल्ली के कई इलाकों में होंगे 100 अवैध बोरवेल सील, जल बोर्ड का सख्त आदेश

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

पूर्वी दिल्ली।। राजधानी में भीषण गर्मी पड़ रही है। लोगों को पानी की किल्लत का भी सामना करना पड़ रहा है। इस बीच शाहदरा जिला प्रशासन ने भूजल का दोहन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के लिए कमर कस ली है।

प्रशासन ने अवैध बोरवेल लगाकर भूजल का दोहन करने वालों पर नकेल कसने के लिए विशेष अभियान शुरू किया है। प्रशासन ने एक सप्ताह में 100 बोरवेल सील करने का लक्ष्य रखा है। बुधवार को प्रशासन ने अभियान की शुरुआत करते हुए मानसरोवर पार्क में घरों में अवैध रूप से लगे बोरवेल सील कर दिए। जुर्माना भी लगाया गया।

दिल्ली जल बोर्ड, बीएसईएस व पुलिस की टीम एसडीएम शाहदरा तपन झा के नेतृत्व में मानसरोवर पार्क पहुंची। जैसे ही टीम बोरवेल सीलिंग के लिए क्षेत्र में पहुंची तो स्थानीय लोगों ने विरोध शुरू कर दिया। लोगों ने अपने घरों में अवैध बोरवेल खोद रखे थे। टीम को देखते ही लोगों ने अपने घरों के दरवाजे बंद कर लिए। प्रशासन के अधिकारियों ने पुलिस की मदद से दरवाजे खुलवाए और बोरवेल ढूंढकर उसे सील कर दिया। बीएसईएस की टीम ने जिस बिजली मीटर से कनेक्शन किया गया था उसे सील कर दिया। एसडीएम तपन झा ने बताया कि चार से पांच मंजिल वाले घरों में बोरवेल लगाए गए थे। हर मंजिल पर बोरवेल का पानी जा रहा था।

विभाग की अनुमति के बिना अवैध रूप से बोरवेल लगाए गए थे। उन्होंने बताया कि पहले प्रशासन बोरवेल को सील कर देता था। लेकिन अब सील करने के साथ ही बोरवेल से मोटर निकाल दी जाती है और आधे से ज्यादा पाइप बोर में डाल दी जाती है। इसका मतलब यह है कि उस स्थान पर दोबारा बोरवेल नहीं खोदा जा सकता। पहले दिन 12 बोरवेल सील किए गए हैं। बोरवेल लगाने वालों पर जुर्माना भी लगाया गया है। उन्होंने कहा कि शाहदरा, मानसरोवर पार्क, ज्योति नगर, अशोक नगर, राम नगर, मानसरोवर पार्क, जाफराबाद, मौजपुर, बाबरपुर, कबीर नगर, कर्दमपुरी समेत अन्य इलाकों में कार्रवाई की जाएगी। एक हफ्ते में 100 बोरवेल सील किए जाएंगे। भूजल का दोहन गैर-कानूनी है। एनजीटी ने भूजल के दोहन पर रोक लगा रखी है।

दिल्ली जल बोर्ड ने प्रशासन को दी थी लिस्ट : प्रशासन ने बताया कि दिल्ली जल बोर्ड ने प्रशासन को एक सूची दी है। इसमें उन जगहों के नाम हैं, जहां दिल्ली जल बोर्ड की अनुमति के बिना बोरवेल लगाए गए हैं। जल बोर्ड ने उन्हें पहले भी चेतावनी दी थी, लेकिन उन्होंने नहीं सुनी। जिसके बाद सीलिंग की प्रक्रिया शुरू हुई।

ओम निवास बाल गंगा मे सुशांत सिह उपनयन संस्कार के निमित्त भव्य सम्मान समारोह आयोजित

दुआओ का स्टाक ही सुख शांति का आधार है: बीके रानी दीदी

● यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

मोतिहारी।। बालगंगा ओम निवास में आयोजित उपनयन संस्कार सम्मान समारोह में बिहार, महाराष्ट्र ,झारखंड,वैशाली मुजफ्फरपुर के कई सेवा केन्द्र के भाई-बहनो को ईश्वरीय सेवा अर्थ सम्मानित किया गया ।सभी को विहार प्रभारी बीके रानी दीदी एवं बीके मीना दीदी ने टोपी ,चादर एवं मोमेंटो एवं उपहार देकर सम्मानित किया।

संबोधित करते हुए बीके रानी दीदी ने कहा कि दुआ देना ही दुआ लेना है, दुआओं का स्टॉक ही सुख का आधार होता है।उन्होंने कहा कि हमेशा अच्छाई को ही देखे कमी कमजोरी को न देखे।मुंबई से पधारी बीके हीरल दीदी ने सकारात्मक चिंतन करने की सलाह दी।स्वागत भाषण मे आयोजक बीके शशि भाई ने अपना अनुभव सुनाते हुये कहा कि अमृत बेला का योग पुरूषार्थ के गति को तीव्रता से बढाता है।बेगूसराय की भागवत कथा वाचक बीके कंचन ने कहा कि परमात्मा की बातो को जीवन मे धारण कर तनावमुक्त हुआ जा सकता है।संबोधित करने वालो मे भागलपुर की बीके अनीता,बेतिया की बीके अंजना एवं अन्य थे।सम्मानित होने वाली टीचर बहनो मे बीके हीरल मुबई ,बीके मनीषा मुबई,बीके अंजना बेतिया,,बी के मीना अरेराज,बीके लक्ष्मी मुजफ्फरपुर ,मोतिहारी की बीके पूनम,बीके वीभा,बीकेनीशा,बीके लक्ष्मी अरेराज,तेघडा की बीके आशा,बीके मीरा और बीके लक्ष्मी भगवानपुर मुजफ्फरपुर,बीके शांति बेगूसराय,बीके करूणा अरेराज आदि थे।भाईयो मे बीके प्रफुल्ल, बीके डा फलक,बीके महेश,बीके अशोक वर्मा,बीके अमन,बीके कृष्णा माउंट आबू के बीके पुरूषोत्तम, बेगूसराय के बीके रंजीत,बीके अभिमन्यू, बीके भास्कर, बीके संजय बेतिया,बीके अरविंद, बीके रामाधार, बीके अमन आदि थे।

अतिथियो का स्वागत पुष्प गुच्छ देकर राधिका,चांदनी,और नीमा बहन ने किया।कार्यक्रम का कुशल संचालन बीके इन्द्रेश ने किया। सानवी वर्मा उर्फ लक्ष्मी तथा कुमारी तेजस्वी ने कई नृत्य प्रस्तुत किये।कार्यक्रम के अंत मे शिव ध्वजारोहण बीके रानी दीदी ने किया।

सहायक पुलिस आयुक्त कार्यालय की छत गिरी, उप निरीक्षक की मौत

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

गाजियाबाद।। गाजियाबाद में रविवार तड़के सहायक पुलिस आयुक्त (ACP) कार्यालय की छत गिरने से उसके मलबे में दबकर एक उप निरीक्षक की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के अनुसार लगातार बारिश और आंधी के कारण लोनी के अंकुर विहार स्थित एसीपी कार्यालय की छत अचानक गिर गई और कमरे में सो रहे उप निरीक्षक वीरेंद्र कुमार मिश्रा (58) मलबे में दब गए।

अपर पुलिस आयुक्त आलोक प्रियदर्शी ने बताया कि दुर्घटना में दरोगा को गंभीर चोटें आई और सुबह जब अन्य पुलिसकर्मी कार्यालय पहुंचे तो उनको मलबे से बाहर निकालकर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। प्रियदर्शी ने बताया कि स्थानीय पुलिस ने घटना की सूचना संबंधित अधिकारियों को दी। अधिकारियों ने इटावा जिले के इकदिल थाना क्षेत्र के चितभवन गांव के निवासी उप निरीक्षक के परिजनों को सूचना दे दी है। पोस्टमार्टम और अन्य कानूनी औपचारिकताओं के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया जाएगा।

ब्रह्माकुमारीज सेवा केंद्र द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर ध्यान एवं जागरूकता सत्रों का आयोजन किया गया

● यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

बीराटनगर, नेपाल। ब्रह्माकुमारीज़ सेवा केंद्र द्वारा नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत विभिन्न स्थानों पर ध्यान एवं जागरूकता सत्रों का आयोजन किया गया।

प्रथम सत्र सुबह 8:30 से 9:30 बजे तक बी.के.वी.एम. सेकेंडरी स्कूल में आयोजित किया गया, जिसमें कुल 159 लाभार्थियों (145 बच्चे, 5 पुरुष व 9 महिलाएं) ने सहभागिता की।

इसके पश्चात सुबह 9:30 से 10:30 बजे तक श्री जनपथ मिडिल स्कूल में आयोजित सत्र में 262 प्रतिभागियों (250 बच्चे, 5 पुरुष व 7 महिलाएं) ने भाग लिया। दोपहर में 3:00 से 3:30 बजे तक भेड़ियाड़ी चौक पर खुले मैदान में एक सत्र आयोजित हुआ, जिसमें कुल 128 लाभार्थी (28 बच्चे, 25 युवा, 25 पुरुष, 25 महिलाएं व 25 वरिष्ठ नागरिक) सम्मिलित हुए।

तत्पश्चात 3:30 से 4:00 बजे तक मतेरवा क्षेत्र में एक और सत्र आयोजित किया गया, जिसमें कुल 106 प्रतिभागी (36 बच्चे, 20 युवा, 10 पुरुष, 35 महिलाएं व 5 वरिष्ठ नागरिक) उपस्थित रहे।

इन सत्रों में प्रतिभागियों को ध्यान व संतुलित जीवनशैली अपनाने के लाभों की जानकारी दी गई और यह प्रेरणा दी गई कि नशा मुक्ति की शुरुआत स्वयं से होनी चाहिए।

विशेष रूप से युवाओं को समझाया गया कि वे राष्ट्र की ऊर्जा हैं और उनके सहयोग से ही समाज व देश का विकास संभव है।

कार्यक्रम के अंत में सभी ने यह संकल्प लिया कि वे स्वयं, उनका परिवार, समाज व मित्रगण—सभी नशे से मुक्त रहेंगे और देश को नशा मुक्त बनाने में अपना सक्रिय योगदान देंगे।

स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति की बैठक तिरहुत डिवीजन में संपन्न, शहीदों को श्रद्धांजलि दी गई

● यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

मुजफ्फरपुर।। स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी परिवार समिति तिरहुत डिवीजन की बैठक तिलक मैदान के सभागार में हुई ।बैठक के पहले सभी प्रतिभागियों ने शहीद खुदीराम बोस स्मारक परिसर पहुंचकर शहीद खुदीराम बोस एवं प्रफुल्ल कुमार चाकी की मूर्ति पर पुष्प अर्पण कर नमन किया । अध्यक्षता करते हुये प्रकाश रंजन अधिवक्ता ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।

बैठक में समस्तीपुर, दरभंगा, सीतामढ़ी, मधुबनी, मोतिहारी ,बेतिया के अलावा अन्य जिले के प्रतिनिधियो ने भाग लिया।बैठक को संबोधित करते हुए विधायक विजेंद्र चौधरी ने कहा कि स्वतंत्रता सेनानियों की कुर्बानी को भुलाया नही जा सकता।उनके वंशजो के लिए सरकार जो भी करेगी कम ही होगा।प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर अमरनाथ प्रसाद ने कहा कि हमे संगठन का विस्तार करना है और हम उस दिशा मे आगे बढ रहे है।विहार मे स्वतंत्रता सेनानी उत्तराधिकारी पेंशन योजना शीघ्र लागु करने की उन्होने जोरदार आवाज उठाई प्रत्येक माह के प्रथम रविवार को सुबह 10 बजे 10 मिनट देश के शहीदो और सेनानियो के नाम चलाये जा रहे कार्यक्रम को और अधिक व्यापक बनाने पर जोर दिया। प्रदेश महासचिव अशोक वर्मा ने कहा कि यह समिति गैर राजनीतिक है।सभी दल,वर्ग,जाति और धर्म के सेनानी उत्तराधिकारियो का यह खुला मंच है।हमे सेनानियो के परिकल्पना का राष्ट्र निर्माण करना है उन्होने कहा कि एक हजार वर्ष के गुलाम भारत को आजाद करने मे जिन शहीदो और सेनानियो ने लड़ाई लडी वे सभी देव आत्मा थे हमे प्रथम पूजा उनकी करनी चाहिए।।प्रदेश उपाध्यक्ष महम्मद महताब आलम ने कहा कि हमे सर्वे कर सेनानी उत्तराधिकारियो के माली हालत की जानकारी लेनी है ताकि हम उनकी मदद कर सके। राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य अजय कुमार सिंह ने मांग की कि सरकार स्वतंत्रता सेनानियो के पौत्र पौत्री ,नाती और नतीनी को शैक्षणिक संस्थानों मे नामांकन में दो प्रतिशत आरक्षण मिलनी चाहिए।संबोधित करने वालों में अरविंद कुमार मुकुल, अजय सिंह समस्तीपुर, केशव किशोर चौधरी मधुबनी ,अमरेश कुमार चौधरी सीतामढ़ी ,संजय चौधरी पंडौल,विमल चौधरी, वीरेंद्र कुमार चौधरी दरभंगा ,राम शंकर ठाकुर समस्तीपुर, संजय कुमार चौधरी आदि थे।

चिकित्सकों के लिए शांति, शक्ति और आत्मिक ऊर्जा का अनुभव

● यूनिवर्सल मीडिया, संवाददाता

हरियाणा: प्रजापिता ब्रह्माकुमारी संस्था के पीस पैलेस, बालसमंद रोड स्थित परिसर में जिंदल हॉस्पिटल, हिसार से पहुंचे चिकित्सकों का स्वागत किया गया। इस अवसर पर एक विशेष रिफ्रेशमेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें संस्थान के वरिष्ठ सदस्यों ने चिकित्सकों के साथ आत्मिक संवाद साझा किया। कार्यक्रम में ब्रह्माकुमारीज हिसार की केंद्र प्रमुख बी.के रमेश दीदी, बीके अनीता बहन, बीके महेश भाई, बीके प्रमोद भाई, बीके ज्योति तथा ब्रह्माकुमारीज के अन्य सदस्य विशेष रूप से उपस्थित रहे।

जिंदल अस्पताल की ओर से प्रमुख चिकित्सक एवं अधिकारी उपस्थित हुए जिनमें डॉ. रितु चोपड़ा (मेडिकल डायरेक्टर), डॉ. प्रवीन मोंगा (मेडिकल सुपरिटेंडेंट), डॉ. प्रियंका छाबड़ा (मेडिकल सुपरिटेंडेंट), डॉ. अर्चना खत्रेजा (एचआर हेड) सहित अन्य प्रशासनिक अधिकारी और टीम सदस्य मौजूद थे जो अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर इस आध्यात्मिक एवं मनोवैज्ञानिक सत्र में शामिल हुए। यह कार्यक्रम काफी सार्थक एवं प्रेरणादायक रहा। बीके अनीता दीदी ने सभी चिकित्सकों को राजयोग ध्यान का अभ्यास करवाया और उन्हें आत्म-शांति की अनुभूति कराई।

उन्होंने बताया कि राजयोग के माध्यम से न केवल मानसिक तनाव को कम किया जा सकता है, बल्कि आत्मबल और निर्णय क्षमता में भी वृद्धि होती है।

बीके रमेश दीदी ने अपने संबोधन में ईश्वर की वास्तविकता को सरल शब्दों में समझाते हुए कहा, परमात्मा ही हमारा सच्चा साथी और पिता है। इसी कारण जब कोई मुश्किल आती है तो हम सहज रूप से कहते हैं 'ओ माई गॉड' क्या आपने कभी किसी को 'ओ यॉर गॉड' कहते सुना है? यह स्पष्ट करता है कि ईश्वर एक ही है और वह हम सभी का है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य डॉक्टर्स की आंतरिक ऊर्जा में वृद्धि करना और उन्हें अपनी व्यस्त दिनचर्या में ध्यान को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना था।

हिंदी पत्रकारिता के 200 साल (30 मई हिंदी पत्रकारिता दिवस) पर विशेष...

मूल्यबोध और राष्ट्रहित बने मीडिया का आधार

प्रो. संजय द्विवेदी

लेखक माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय, भोपाल में जनसंचार विभाग के आचार्य एवं अध्यक्ष हैं।

हिंदी पत्रकारिता दिवस हम 30 मई को मनाते हैं। इसी दिन 1826 को कोलकाता से पं.युगुल किशोर शुक्ल ने हिंदी भाषा के पहले पत्र 'उदंत मार्तण्ड' की शुरुआत की थी। यह संयोग था या सुविचारित योजना कि उस दिन भारतीय तिथि से नारद जयंती भी थी। यानि हिंदी के पहले संपादक ने भी नारद जी अपने पुरखों के रुप में देखा। संपादकीय में उन्होंने हमें पत्रकारिता का उद्देश्य और बीज मंत्र भी यह लिखकर दिया- हिंदुस्तानियों के हित के हेत'। इस नजरिए से मूल्यबोध और राष्ट्रहित हमारी मीडिया का आधार रहा है।

इन 200 सालों की यात्रा में हमने बहुत कुछ अर्जित किया है। आज भी मीडिया की दुनिया में आदर्शों और मूल्यों का विमर्श चरम पर है। विमर्शकारों की दुनिया दो हिस्सों में बंट गयी है। एक वर्ग मीडिया को कोसने में सारी हदें पार कर दे रहा है तो दूसरा वर्ग मानता है जो हो रहा वह बहुत स्वाभाविक है तथा काल-परिस्थिति के अनुसार ही है। उदारीकरण और भूमंडलीकृत दुनिया में भारतीय मीडिया और समाज के पारंपरिक मूल्यों का बहुत महत्त्व नहीं है।

एक समय में मीडिया के मूल्य थे सेवा, संयम और राष्ट्र कल्याण। आज व्यावसायिक सफलता और चर्चा में बने रहना ही सबसे बड़े मूल्य हैं। कभी हमारे आदर्श महात्मा गांधी, लोकमान्य तिलक, विष्णुराव पराड़कर, माखनलाल चतुर्वेदी और गणेशशंकर विद्यार्थी थे, ताजा स्थितियों में वे रुपर्ट मर्डोक और जुकरबर्ग हों? सिद्धांत भी बदल गए हैं। ऐसे में मीडिया को पारंपरिक चश्मे से देखने वाले लोग हैरत में हैं। इस अंधेरे में भी कुछ लोग मशाल थामे खड़े हैं, जिनके नामों का जिक्र अकसर होता है, किंतु यह नितांत व्यक्तिगत मामला माना जा रहा है। यह मान लिया गया है कि ऐसे लोग अपनी बैचेनियों या वैचारिक आधार के नाते इस तरह से हैं और उनकी मुख्यधारा के मीडिया में जगह सीमित है। तो क्या मीडिया ने अपने नैसर्गिक मूल्यों से भी शीर्षासन कर लिया है, यह बड़ा सवाल है।

सच तो यह है भूमंडलीकरण और उदारीकरण इन दो शब्दों ने भारतीय समाज और मीडिया दोनों को प्रभावित किया है। 1991 के बाद सिर्फ मीडिया ही नहीं पूरा समाज बदला है, उसके मूल्य, सिद्धांत, जीवनशैली में क्रांतिकारी परिवर्तन परिलक्षित हुए हैं। एक ऐसी दुनिया बन गयी है या बना दी गई है जिसके बारे में काफी कुछ कहा जा चुका है। आज भूमंडलीकरण को लागू हुए चार दशक होने जा रहे हैं। उस समय के प्रधानमंत्री श्री पीवी नरसिंह राव और तत्कालीन वित्तमंत्री श्री मनमोहन सिंह ने इसकी शुरुआत की तबसे हर सरकार ने कमोबेश इन्हीं मूल्यों को पोषित किया। एक समय तो ऐसा भी आया जब श्री अटलबिहारी वाजपेयी के प्रधानमंत्रित्व काल में जब उदारीकरण का दूसरा दौर शुरू हुआ तो स्वयं नरसिंह राव जी ने टिप्पणी की 'हमने तो खिड़कियां खोली थीं, आपने तो दरवाजे भी उखाड़ दिए।' यानी उदारीकरण-भूमंडलीकरण या मुक्त बाजार व्यवस्था को लेकर हमारे समाज में हिचकिचाहटें हर तरफ थी। एक तरफ वामपंथी, समाजवादी, पारंपरिक गांधीवादी इसके विरुद्ध लिख और बोल रहे थे, तो राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ भी अपने भारतीय मजूदर संघ एवं स्वदेशी जागरण मंच जैसे संगठनों के माध्यम से इस पूरी प्रक्रिया को प्रश्नांकित कर रहा था। यह साधारण नहीं था कि संघ विचारक दत्तोपंत ठेंगड़ी ने वाजपेयी सरकार के वित्त मंत्री यशवंत सिन्हा को 'अनर्थ मंत्री' कहकर संबोधित किया। खैर ये बातें अब मायने नहीं रखतीं। 1991 से 2025 तक गंगा में बहुत पानी बह चुका है और सरकारें, समाज व मीडिया तीनों 'मुक्त बाजार' के साथ रहना सीख गए हैं। यानी पीछे लौटने का रास्ता बंद है। बावजूद इसके यह बहस अपनी जगह कायम है

उदन्त मार्त्तण्ड

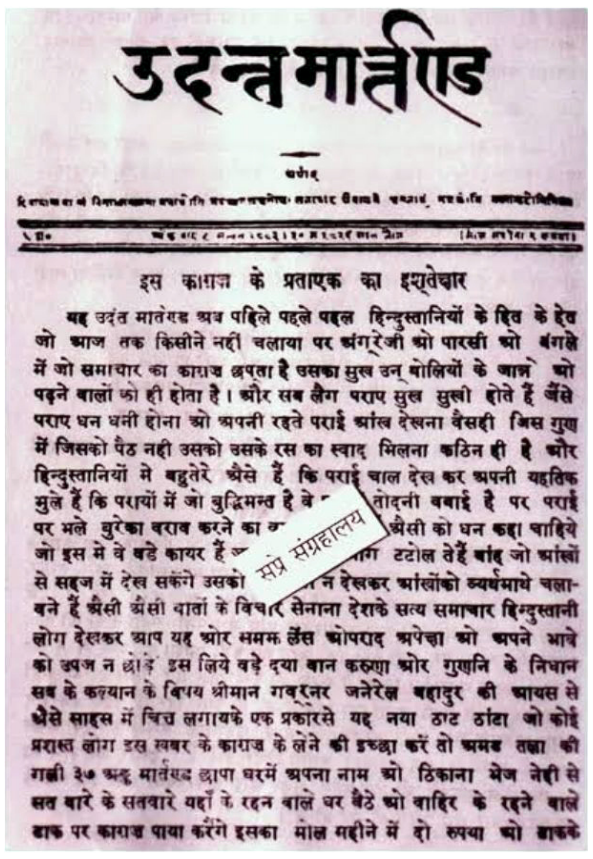

इस कागज के प्रकाशक का इश्तिहार

...डाक पर कागज पाया करेंगे इसका मोल महीने में दो रुपया ...

कि हमारे मीडिया को ज्यादा सरोकारी, ज्यादा जनधर्मी, ज्यादा मानवीय और ज्यादा संवेदनशील कैसे बनाया जाए। व्यवसाय की नैतिकता को किस तरह से सिद्धांतों और आदर्शों के साथ जोड़ा जा सके। यह साधारण नहीं है कि अनेक संगठन आज भी मूल्य आधारित मीडिया की बहस से जुड़े हुए हैं।

इस सारे समय में पठनीयता का संकट, सोशल मीडिया का बढ़ता असर, मीडिया के कंटेट में तेजी से आ रहे बदलाव, निजी नैतिकता और व्यावसायिक नैतिकता के सवाल, मोबाइल संस्कृति से उपजी चुनौतियों के बीच मूल्यों की बहस को देखा जाना चाहिए। इस समूचे परिवेश में आदर्श, मूल्य और सिद्धांतों की बातचीत भी बेमानी लगने लगी है। बावजूद इसके एक सुंदर दुनिया का सपना, एक बेहतर दुनिया का सपना देखने वाले लोग हमेशा एक स्वस्थ और सरोकारी मीडिया की बहस के साथ खड़े रहेंगे। संवेदना, मानवीयता और प्रकृति का साथ ही किसी भी संवाद माध्यम को सार्थक बनाता है। संवेदना और सरोकार समाज जीवन के हर क्षेत्र में आवश्यक है, तो मीडिया उससे अछूता कैसे रह सकता है।

सही मायने में यह समय गहरी सांस्कृतिक निरक्षता और संवेदनहीनता का समय है। इसमें सबके बीच मीडिया भी गहरे असमंजस में है। लोक के साथ साहचर्य और समाज में कम होते संवाद ने उसे भ्रमित किया है। चमकती स्क्रीनों, रंगीन अखबारों और स्मार्ट हो चुके मोबाइल उसके मानस और कृतित्व को बदलने में अहम भूमिका निभा रहे हैं। ऐसे में मूल्यों की बात कई बार नक्कारखाने में तूती की तरह लगती है। किंतु जब मीडिया के विमर्शकार,संचालक यह सोचने बैठेंगे कि मीडिया किसके लिए और क्यों- तब उन्हें इसी समाज के पास आना होगा। रूचि परिष्कार, मत निर्माण की अपनी भूमिका को पुनर्परिभाषित करना होगा। क्योंकि तभी मीडिया की सार्थकता है और तभी उसका मूल्य है । लाख मीडिया क्रांति के बाद भी 'भरोसा' वह शब्द है जो आसानी से अर्जित नहीं होता। लाखों का प्रसार आपके प्राणवान और सच के साथ होने की गारंटी नहीं है। 'विचारों के अनुकूलन' के समय में भी लोग सच को पकड़ लेते हैं। मीडिया का काम सूचनाओं का सत्यान्वेषण ही है, वरना वे सिर्फ सूचनाएं होंगी-खबर या समाचार नहीं बन पाएंगी।

कोई भी मीडिया सत्यान्वेषण की अपनी भूख से ही सार्थक बनता है, लोक में आदर का पात्र बनता है। हमें अपने मीडिया को मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों के साथ खड़ा करना होगा, यह शब्द आज की दुनिया में बोझ भले लगते हों पर किसी भी संवाद माध्यम को सार्थकता देने वाले शब्द यही हैं। सच की खोज कठिन है पर रुकी नहीं है। सच से साथ खड़े रहना कभी आसान नहीं था। हर समय अपने नायक खोज ही लेता है। इस कठिन समय में भी कुछ चमकते चेहरे हमें इसलिए दिखते हैं क्योंकि वे मूल्यों के साथ, आदर्शों की दिखाई राह पर अपने सिद्धांतों के साथ डटे हैं। समय ऐसे ही नायकों को इतिहास में दर्ज करता है और उन्हें ही मान देता है। आइए भारतीय मीडिया के पारंपरिक अधिष्ठान पर खड़े होकर हम अपने वर्तमान को सार्थक बनाएं।

सिर्फ 1 इंजेक्शन से कोलेस्ट्रॉल का होगा काम-तमाम! रोज दवा की नहीं पड़ेगी जरूरत, वैज्ञानिकों ने खोजा ट्रीटमेंट

कोलेस्ट्रॉल को साइलेंट किलर माना जाता है, क्योंकि यह हमारे शरीर में बिना किसी लक्षण के बढ़ता रहता है. जब कोलेस्ट्रॉल लेवल हद से ज्यादा होता है, तब हार्ट अटैक या स्ट्रोक आ जाता है. अधिकतर लोगों को बढ़े हुए कोलेस्ट्रॉल का सही समय पर पता ही नहीं लग पाता है. कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने के लिए लोगों को स्टैटिन समेत कई दवाएं रोज लेनी पड़ती हैं. हालांकि अब वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल ट्रीटमेंट के लिए एक क्रांतिकारी ड्रग की खोज कर ली है. इस ड्रग का सिर्फ एक इंजेक्शन लेने से शरीर में जमा बैड कोलेस्ट्रॉल 69% तक कम हो सकता है.

BCC साइंस फोकस की रिपोर्ट के मुताबिक कोलेस्ट्रॉल को कम करने के लिए तैयार की गई दवा का नाम VERVE-102 है. यह एक जीन-एडिटिंग दवा है, जो कोलेस्ट्रॉल को कम करने में क्रांतिकारी साबित हो सकती है. यह दवा शरीर में PCSK9 नामक जीन को बंद कर देती है. यह जीन लिवर में उस प्रक्रिया को कंट्रोल करता है, जो खून से बैड कोलेस्ट्रॉल (LDL) को साफ करता है. जब यह जीन इनएक्टिव हो जाता है,

तो लिवर कोलेस्ट्रॉल को ज्यादा अच्छी तरह हटाने लगता है, जिससे शरीर में LDL का लेवल काफी घट जाता है. इस दवा का एक इंजेक्शन का असर लंबे समय तक रह सकता है.

यूनिवर्सिटी कॉलेज ऑफ लंदन के एकेडमिक कार्डियोलॉजिस्ट प्रोफेसर रियाज पटेल ने इस नए ड्रग के ट्रायल में हिस्सा लिया. उन्होंने बताया कि कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने वाला नया ड्रग अब हकीकत है. यह कोई साइंस फिक्शन नहीं है. इस नई दवा से कोलेस्ट्रॉल मैनेजमेंट में बड़ा बदलाव आ जाएगा. VERVE-102 का क्लिनिकल ट्रायल 14 मरीजों पर किया गया, जिन्हें एक जेनेटिक डिजीज थी, जिससे उनके शरीर में LDL कोलेस्ट्रॉल का स्तर बहुत ज्यादा था. दवा के अलग-अलग डोज दिए गए और सभी मरीजों ने इसे अच्छी तरह सहन किया. सबसे ज्यादा खुराक लेने वाले एक मरीज में LDL कोलेस्ट्रॉल में 69% तक की कमी देखी गई. कम और मध्यम डोज लेने वालों में भी एवरेज 21% से 53% तक की कमी दर्ज की गई.

रिसर्च करने वाले एक्सपर्ट्स की मानें तो स्टैटिन जैसी दवाएं भी कोलेस्ट्रॉल कम कर सकती हैं, लेकिन इन्हें रोजाना लेना पड़ता है. VERVE-102 का सबसे बड़ा फायदा यह है कि केवल एक इंजेक्शन से लंबे समय तक असर रहता है और कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल रहता है. यह खास तौर पर उन लोगों के लिए उपयोगी हो सकती है, जिनके लिए रोज दवा लेना मुश्किल होता है या जिन्हें स्टैटिन का पूरा फायदा नहीं मिल पाता है. हेल्थ एक्सपर्ट्स की मानें तो कोलेस्ट्रॉल का लेवल नॉर्मल से ज्यादा हो जाए, तो खून की धमनियों में ब्लॉकेज बन सकता है, जिससे दिल का दौरा या स्ट्रोक हो सकता है. दुनियाभर में लाखों लोग इस खतरे से बचने के लिए रोज दवा लेते हैं.

अगर VERVE-102 दवा व्यापक रूप से प्रभावी और सुरक्षित साबित होती है, तो यह लोगों के लिए कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करने का आसान और लॉन्ग टर्म सॉल्यूशन बन सकती है. इस दवा के शुरुआती ट्रायल के नतीजे अच्छे हैं, लेकिन यह अध्ययन अभी पीयर-रिव्यू नहीं हुआ है और इसका स्केल भी छोटा था. अब अगला कदम बड़े स्तर पर ट्रायल करना होगास ताकि इसके दीर्घकालिक असर और सुरक्षा की पुष्टि हो सके. अगर आगे के ट्रायल भी सफल रहे, तो VERVE-102 कोलेस्ट्रॉल और हार्ट डिजीज के ट्रीटमेंट में नई क्रांति आ सकती है. यह जीन-आधारित उपचारों के नए युग की शुरुआत हो सकती है.

सुबह ब्रेकफास्ट करने से पहले या बाद में करना चाहिए ब्रश? इस गलती से बहुत जल्दी झड़ सकते हैं दांत

सुबह उठकर ब्रश करना हमारी रोजमर्रा की आदतों में शामिल है, लेकिन क्या आपने कभी सोचा है कि ब्रश करने का सही समय क्या होना चाहिए? अधिकतर लोग इस बात को लेकर भ्रम में रहते हैं कि ब्रश नाश्ते से पहले करना चाहिए या बाद में. वास्ताव में यह एक बहुत ही अहम विषय है, क्योंकि मुंह की साफ-सफाई न सिर्फ दांतों के लिए, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए जरूरी होती है. दांतों में जमा गंदगी, बैक्टीरिया और प्लाक न केवल मुंह की समस्याएं पैदा करते हैं, बल्कि यह शरीर के दूसरे हिस्सों को भी प्रभावित कर सकते हैं. इसलिए सही समय पर ब्रश करना बेहद जरूरी है.

डेंटिस्ट डॉ. शादी मनौचेरी के अनुसार, सुबह उठते ही सबसे पहले ब्रश करना सबसे अच्छा तरीका है. रातभर जब हम सोते हैं, तो हमारे मुंह में लार का प्रवाह कम हो जाता है जिससे बैक्टीरिया पनपने लगते हैं. यही बैक्टीरिया सुबह-सुबह मुंह की दुर्गंध और

प्लाक का कारण बनते हैं. अगर बिना ब्रश किए आप सीधे नाश्ता कर लेते हैं, तो यह बैक्टीरिया सीधे पेट में चले जाते हैं जो लंबे समय में पाचन से लेकर अन्य शारीरिक समस्याएं पैदा कर सकते हैं. साथ ही, सुबह ब्रश करने से टूथपेस्ट में मौजूद फ्लोराइड दांतों पर एक सुरक्षात्मक परत बना देता है जो भोजन में मौजूद एसिड से दांतों को बचाता है.

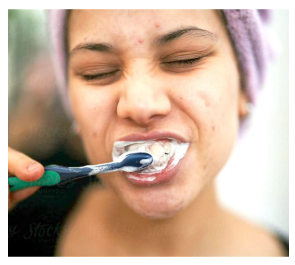

कई लोग मानते हैं कि नाश्ते के बाद ब्रश करना ज्यादा जरूरी है ताकि भोजन के बाद दांतों में फंसी गंदगी निकल जाए. लेकिन यहां एक बात ध्यान देने योग्य है कि नाश्ते के तुरंत बाद ब्रश करना दांतों के इनेमल को नुकसान पहुंचा सकता है. खासकर अगर आपने नाश्ते में कोई अम्लीय पदार्थ जैसे संतरे का रस, नींबू पानी, या टमाटर आदि खाया हो, तो यह दांतों की बाहरी परत को अस्थायी रूप से कमजोर कर देता है. ऐसे में अगर आप तुरंत ब्रश करते हैं, तो ब्रशिंग की घर्षण शक्ति इनेमल को धीरे-धीरे घिस सकती है. इसलिए यदि आप नाश्ते के बाद ब्रश करना ही चाहते हैं, तो कम से कम 30 मिनट का अंतर जरूर रखें.

अगर बात करें ब्रश करने की तकनीक की तो, आपको दिन में दो बार ब्रश करना चाहिए – सुबह उठने के बाद और रात को सोने से पहले. ब्रश हमेशा सॉफ्ट ब्रिसल वाला होना चाहिए और कम से कम दो मिनट तक ब्रश करना चाहिए. गोलाकार गति में ब्रश करना सबसे उपयुक्त माना जाता है जिससे मसूड़ों को नुकसान भी नहीं होता और प्लाक भी साफ हो जाता है. साथ ही, जीभ की सफाई को नजरअंदाज न करें क्योंकि वहां भी बैक्टीरिया पनपते हैं.

मन की बातें

प्रश्न : यदि कुमारी जीवन में भी हमसे कोई छोटी या बड़ी गलती हो जाती है तो उसका प्रायश्चित क्या है? क्या प्रायश्चित के बाद भी उसकी सज़ा मिलेगी?

उत्तर : बिल्कुल क्लीयर नॉलेज बाबा की है, ज्ञान में आने से पहले कुछ हो गया है, बाबा को सुना दो, ऊपर अपने सुप्रीम फ्रेंड को। हल्का हो जायेगा मन। क्योंकि सजायें मिलना और न मिलना मुरलियों में आजकल बहुत आ रहा है, सजायें माफ नहीं होती। मन हल्का अवश्य हो जाएगा और मन हल्का हो जाएगा तो तुम अच्छा अभ्यास, साधनाएं कर सकेंगे। ज्ञान में आने के बाद कोई गलती कर ली है तो वो निश्चित रूप से मन को बार-बार कचोटती रहेगी। वो भी अब और तो कोई तरीका नहीं है। बाबा को सुनायें और क्षमा-याचना लें। 108 बार रोज़ सवेरे उठकर लिखें मैं मास्टर सर्वशक्तिवान हूँ ये प्रिंट होगा और वो डिलीट होगा। बाबा की बहुत मदद मिलेगी। माफ नहीं होती, बाबा की मदद मिलती है। बाबा हमें अपनी शक्तियां देता रहेगा। तो हम आगे बढ़ते रहेंगे।

प्रश्न : कई बार मैं बहुत अकेला महसूस करती हूँ, मैं ऐसा क्या करूं कि बाबा मेरे इस अकेलेपन को दूर करे? कई बार इच्छा होती है कि हम किसी के कंधे पर सिर रखें, किसी को हग करें, किसी की गोद में सिर रखें। मतलब स्थूल में नहीं, लेकिन फिर भी एक इच्छा रहती है अन्दर तो बाबा क्या ऐसी हमारे अकेलेपन को दूर कर सकते हैं? ऐसा अहसास कैसे किया जाये?

उत्तर : बिल्कुल कर सकते हैं क्योंकि फिजिक़ली अगर आप किसी के साथ ये करते हैं तो आप तो ये इम्प्युरिटी में बदल जाता है। और ये जो लॉनली फीलिंग होती है या थोड़ा डिप्रेशन फील होता है, एलोन लगता है अपने को, ये इम्प्युरिटी का ही प्रभाव होता है। जब कई बार सोके उठते हैं, दिन में सो जायें तो उठते ही बिल्कुल उदास मन होगा। ये इम्प्युरिटी ही है इसके लिए मुरलियों का अध्ययन करना, बाबा को याद करना, बाबा से बातें करते रहना और वही जो ये करना चाहती हैं सूक्ष्म वतन में जाकर बापदादा के साथ करने लगें तो अनुभव कुछ ही दिनों में दस गुणा होने लगेंगे। वो जो इच्छाएं हैं वो समाप्त हो जाएंगी।

प्रश्न : मैं पिछले नौ साल से ज्ञान में हूँ। अब मेरा योग में मन नहीं लगता है। कई बार पुरानी दुनिया में जाने की इच्छा होती है। तो मैं कन्फ्यूज्ड हूँ कि कैसे मैं अपने आप को सँभालु?

उत्तर : उत्तर मैं बिल्कुल क्लीयर देना चाहता हूँ बिना छुपाये। अन्दर में इम्प्युरिटी बहुत बढ़ रही है इसलिए योग नहीं लग रहा है। फिर से अपनी प्युरिटी को रिवाइज़ करें। बाबा के सामने बैठें और उससे बातें करें। अपने स्वमान को बढ़ायें। और योग नहीं लगता तो कुछ दिन योग छोड़के पाँच स्वरूपों का अभ्यास करें, मुरलियों का अध्ययन करें। और थोड़ा चिंतन करके इम्पोंटेंट प्वांइट लिखें। स्वमान से, पाँच स्वरूपों से और ज्ञान के बल से योग लगने लगेगा और ये इम्प्युरिटी खत्म हो जायेगी। फिर जो दुविधा रहती है क्योंकि अब समय ऐसा आ गया है अब अगर कोई चूक गया तो पश्चाताप के अलावा कुछ हाथ नहीं लगेगा क्योंकि समय बहुत तेजी से बिगड़ेगा। युग तेजी से बदलेगा। हर साल हम नये-नये सीन देखेंगे।

प्रश्न : क्या बाबा के बनने के बाद अच्छा पहनना, खाना, अच्छा सामान यूज़ करना व घूमना ईश्वरीय मर्यादाओं के प्रतिकूल है?

उत्तर : प्रतिकूल तो कुछ नहीं है लेकिन अनुकूल भी नहीं है। क्योंकि अगर आप ये करते हैं तो आप बाहर जायेंगे और बाहर की हवा तो लग जायेगी। फिर वही प्रश्न होगा जो पहला प्रश्न था कि ये होता है, ये होता है। एक बहुत सारी चीज़ें इकट्ठी आप रखेंगे, जहाँ संग्रह वृत्ति बहुत होती है तो वहाँ एकाग्रता विक पड़ जाती है। बहुत सुन्दर-सुन्दर पहनेंगी तो दूसरों की दृष्टि आप पर जायेगी। फिर वही प्रश्न आयेगा कि दूसरों की दृष्टि हम पर जाती है। इसलिए योगिनी बन जाओ, त्यागी और तपस्विनी बन जाओ। सारा संसार आपकी रूहानियत की ओर आकर्षित होगा, कपड़ों की ओर आकर्षित क्या करना है!

प्रश्न : मुझे बचपन से ही ना माता-पिता का प्यार मिला और न ही अच्छी परवरिश, जिस कारण डिप्रैस्ड होकर गलत काम मुझसे हो गये। ज्ञान में आने के बाद भी मैं उनको माफ नहीं कर पा रही हूँ। मैं क्या पुरूषार्थ करूं कि पिछली बातों को सब भूला दूँ?

उत्तर : देखिए ये गलतियां बहुतों से हुई हैं इनको भी मैं धन्यवाद दूंगा कि इन्होंने प्रश्न करने का साहस किया है। पर ये गलती बहुत लोगों से हो रही है, कुमारों से भी हो रही है, कन्याओं से भी हो रही है। प्यार नहीं मिलता तो किसी के भी प्यार में अटक जाते हैं क्योंकि प्यार की एक प्यास बनी रहती है अन्दर में कि कोई उन्हें प्यार करे। लेकिन कलियुग में सच्चा प्यार कहीं नहीं है। सब जगह प्यार में धोखा है। प्रश्न ओपनली पूछा है तो उत्तर भी ओपनली है। जो आपको प्यार कर रहा है वो दो-चार को और कर रहा है। जब आपको ये पता चलेगा तो आपका हाल बहुत बिगड़ जायेगा। जो कुछ भी हो गया है पास्ट इज़ पास्ट। अब तपस्या में लग जाओ। अपने को योगिन बना दो। और स्टडी करो ज्ञान की। जो पुरूषार्थ के तरीके बताए हैं यही तरीके हैं कोई लम्बे-चौड़े नहीं हैं। मुरलियों में बहुत अच्छी-अच्छी साधनाओं की बातें आती रहती हैं। बहुत बड़ी साधनाएं भी नहीं हैं बिल्कुल सिम्पल-सिम्पल हैं। केवल हमें प्रैक्टिस करनी हैं तो पास्ट डिलीट हो जायेगा। और पवित्रता की चमक से और परमात्म प्यार से आप आत्म संतोष से भरपूर हो जायेंगी। फिर किसी और का प्यार पाने की इच्छा नहीं रहेगी।

शत्रु का शत्रु मित्र होता

एक ब्राह्मण था। वह बहुत गरीब था और पूजा पाठ करके अपना घर चलाता था। उसके पास पहनने के लिए अच्छे कपड़े भी नहीं थे। एक बार एक यजमान ने ब्राह्मण की दरिद्रता देखकर उसे दान में दो बछड़े दे दिए। ब्राह्मण खुशी-खुशी बछड़ों को अपने साथ ले आया। ब्राह्मण बछड़ों का बहुत ख्याल रखता था, उन्हें समय पर चारा पानी देता था। कुछ समय बाद दोनों बछड़े बड़े हो गए और देखने में शरीर से काफी हष्ट-पुष्ट थे। एक दिन एक चोर की नज़र उन बछड़ों पर पड़ी। चोर ने सोचा – ' क्यों न इन बछड़ों को चुरा लूं। ये काफी हष्ट-पुष्ट हैं इन्हें बेच कर मुझे बहुत सारा धन मिल जाएगा। चोर ने दूसरे ही दिन बछड़ों को चुराने की योजना बना ली। चोर रात में अपने गाँव से चोरी करने के लिए निकल गया। जब वह रास्ते में था तभी उसे एक डरावना व्यक्ति मिला जो शरीर से बलशाली दिख रहा था। उसके बड़े-बड़े दांत बाहर निकले हुए और बाल बढ़े हुए थे। चोर उसे देख कर डर गया और चोर ने डरते हुए उसका परिचय जानना चाहा। राक्षस ने बतलाया कि वह

ब्रह्मराक्षस है। ब्रह्मराक्षस ने चोर से उसका परिचय पूछा और जानना चाहा कि इतनी रात में वह कहाँ जा रहा है। चोर ने बतलाया कि वह एक चोर है और ब्राह्मण के यहाँ बछड़ों की चोरी करने जा रहा है। चोर की बात सुनकर राक्षस बोला- 'मुझे भी अपने साथ रख लो मैंने कई दिनों से खाना नहीं खाया है, मैं उस ब्राह्मण को खाकर अपना पेट भर लूँगा और तुम वहाँ बछड़े चुरा लेना। अगर तुम ऐसा नहीं करते तो मैं तुम्हें खा लूँगा।' डर के कारण चोर ब्रह्मराक्षस को अपने साथ ले गया। दोनों ब्राह्मण के घर के पास जाकर छुप गए। तभी राक्षस ब्राह्मण को खाने के लिए जाने लगा। उसे जाता हुआ देखकर चोर ने उसे रोका और कहा – 'तुम इस प्रकार जल्दबाजी करोगे तो ब्राह्मण जाग जायेगा और मैं बछड़े नहीं चुरा पाऊंगा इसीलिए पहले मुझे बछड़े चुरा लेने दो फिर तुम जाकर ब्राह्मण को खा लेना।' दोनों एक-दूसरे की बात मानने के लिए तैयार नहीं हुए। इस प्रकार दोनों में तू-तू, मैं-मैं और झगड़ा होने लगा। दोनों के झगड़े की आवाज़ सुनकर ब्राह्मण जाग गया और उसे सारा माजरा समझ आ गया। ब्राह्मण ने पास रखी एक लाठी उठाई और दोनों को मारने लगा। लाठी खाकर चोर और राक्षस दोनों वहाँ से भाग गए।

शिक्षा : इस कहानी से हमें शिक्षा मिलती है कि दो शत्रुओं की लड़ाई से तीसरे का फायदा हो जाता है।

वायुसेना चीफ का गुस्सा जायज है...आखिर देरी की भी सीमा होती है, जानिए रक्षा सौदों पर क्या बोले

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्लीः भारतीय वायुसेना (IAF) के प्रमुख एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह ने रक्षा सौदों में देरी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि हथियारों के उत्पादन में देरी के कारण ज्यादातर समझौते पूरे नहीं हो पा रहे हैं। सीआईआई के वार्षिक बिजनेस समिट में गुरुवार को बोलते हुए ध्ंइ चीफ ने कई मामलों में देरी की बात कही। खासकर, भारत में ही बनने वाली रक्षा परियोजनाओं में।

अमेरिकी कंपनी को सप्लाई में दिक्कतें आ रहीं : एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह ने दुख जताया कि 83 तेजस Mk1A विमान अभी तक हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने नहीं दिए हैं। यह 4.5 जनरेशन का हल्का लड़ाकू विमान (LCA) है। उम्मीद थी कि फरवरी 2021 में 48,000 करोड़ का ठेका मिलने के बाद, मार्च 2024 से इनकी डिलीवरी शुरू हो जाएगी। HAL को जनरल इलेक्ट्रिक से इंजन मिलने में देरी हो रही है। इसकी वजह यह है कि अमेरिकी कंपनी को सप्लाई में दिक्कतें आ रही हैं।

तेजस Mk1 की डिलीवरी में देरी : हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक एयर मार्शल अमर प्रीत सिंह ने सिंह ने कहा, 'तेजस Mk1 की डिलीवरी में देरी हो रही है। तेजस Mk2 का प्रोटोटाइप अभी तक नहीं बना है। स्टील्थ AMCA फाइटर का भी कोई प्रोटोटाइप अभी तक नहीं है।' यह बात उन्होंने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में कही।

उद्योग जगत से भरोसा और पारदर्शिता बरतने का आग्रह : IAF चीफ ने भारत में ही हथियार प्रणालियों को डिजाइन करने की बात कही। उन्होंने सेना और उद्योग जगत से भरोसा और पारदर्शिता बरतने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, 'हम सिर्फ भारत में उत्पादन करने की बात नहीं कर सकते, हमें डिजाइन करने के बारे में भी बात करनी होगी। सेना और उद्योग के बीच भरोसा होना चाहिए। हमें बहुत खुले रहने की जरूरत है। एक बार जब हम किसी चीज के लिए प्रतिबद्ध हो जाते हैं, तो हमें उसे पूरा करना चाहिए। एयर फ़ोर्स 'मेक इन इंडिया' को सफल बनाने की पूरी कोशिश कर रही है।'

सेना को भविष्य के लिए तैयार रहना होगा : सिंह ने कहा कि सेना को भविष्य के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि उद्योग उत्पादन बढ़ाने में 10 साल लगा सकता है, लेकिन सेना आज की जरूरतों को पूरा किए बिना कुशलता से काम नहीं कर सकती। उन्होंने कहा, '10 वर्षों में, उद्योग से अधिक उत्पादन होगा, लेकिन हमें आज जो चाहिए, वह आज ही चाहिए। हमें जल्दी से मिलकर काम करना होगा। युद्ध हमारी सेना को मजबूत करके जीते जाते हैं।'

आंधी-तूफान और बारिश में आपकी भी कार हो गई डैमेज! जानें इंश्योरेंस पॉलिसी क्लेम का नियम

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली।। दिल्ली-एनसीआर में आए अचानक आंधी-तूफान और तेज बारिश ने लोगों की दिनचर्या को काफी प्रभावित कर दिया। आंधी की वजह से कई जगहों पर बिजली के खंभे, पेड़ और ट्रैफिक लाइट्स गिर गए। सड़कों पर पानी भरने की वजह से कई जगहों से दुर्घटनाओं की खबर सामने आई साथ ही पेड़ गिरने से भी कई वाहन इसकी जद में आ गए। जिससे लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

आंधी और तूफान में खुले में खड़ी गाड़ियों को काफी नुकसान पहुंचा। किसी के शीशे टूटे, तो कहीं बॉडी डैमेज हो गई। ऐसे में अब बहुत से लोगों के मन में यह सवाल उठना लाज़िमी है कि क्या आंधी तूफान की वजह से हुए नुकसान में इंश्योरेंस मिलता है या नहीं? आज के इस विशेष ऑर्टिकल में हम आपको बताएंगे कि आंधी तूफान और बारिश जैसे प्राकृतिक आपदा में नुकसान का इंश्योरेंस क्लेम किया जाता है या नहीं। इंश्योरेंस क्लेम नियम की जानकारी के लिए पढ़ें पूरी खबर।

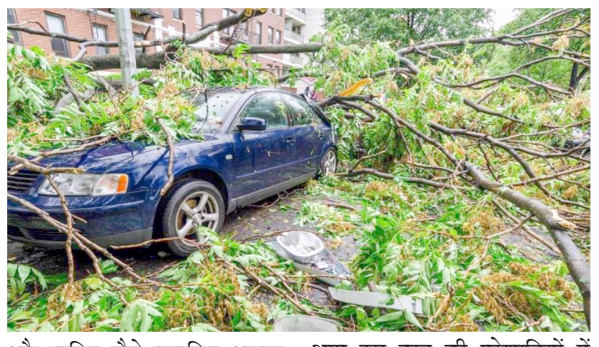

जानें कंप्रीहेंशन पॉलिसी : बारिश और तूफान से हुए नुकसान की यदि आप भरपाई चाहते हैं। तो आपको कंप्रिहेंसिव इंश्योरेंस पॉलिसी लेनी होगी। आपने अगर कंप्रिहेंसिव इंश्योरेंस पॉलिसी ली है। तब ही आप इस तरह की परेशानियों में क्लेम कर सकते हैं। कंप्रिहेंसिव इंश्योरेंस पॉलिसी में खराब मौसम की वजह से प्राकृतिक आपदाओं जैसे आग लगने पर, बाढ़ आ जाने पर और गाड़ी चोरी हो जाने के नुकसान को भी क्लेम कर सकते हैं।

इंश्योरेंस पॉलिसी नियम : गौरतलब है कि सभी वाहनों के लिए भारत में थर्ड पार्टी इंश्योरेंस लागू कर दिया गया है। इसका फायदा तभी होता है जब आप किसी सड़क दुर्घटना में शामिल होते हैं। थर्ड पार्टी इंश्योरेंस आप पर फाइनेंशियल बोझ नहीं बनने देता और आपको कानूनी देनदारी से भी बचा लेता है। हालांकि इसमें आपको सीधे तौर पर कोई फायदा नहीं मिलता। लेकिन आपका नुकसान होने से बच जाता हैं।

कार का इंश्योरेंस : बता दें कि ऐसे में थर्ड पार्टी इंश्योरेंस में आपको बारिश और तूफान से अगर आपकी कार को नुकसान होता है। तो कुछ भी नहीं मिलता। क्योंकि यह इंश्योरेंस सिर्फ दुर्घटना के समय काम आता है। अगर आपको बारिश तूफान जैसी प्राकृतिक आपदा से हुए नुकसान में क्लेम चाहिए। तो फिर कार का अलग से इंश्योरेंस करवाना पड़ेगा।

अब अंदर से भी देख सकते हैं अंबानी परिवार का घर 2 रु में, 100 करोड़ के आशियाने को देखने के लिए लग रही रोज भीड़

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली।। अंबानी परिवार देश का सबसे नामी परिवार है। ये न केवल अपने बिजनेस के लिए मशहूर हैं बल्कि फैमिली वैल्यूज के साथ-साथ महंगी लाइफस्टाइल के लिए भी जाने जाते हैं। लेकिन जब उनके जीने के तरीके की बात आती है तो अंबानी परिवार हमेशा चर्चा में रहता है। जैसा कि हम सभी जानते हैं, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की कई महंगी चीजों में से एक है एंटीलिया। ये दुनिया का दूसरा सबसे महंगा घर है।

ऐसे में हम सभी की इच्छा इस घर को देखने की रहती है। लेकिन यहां जाना आम आदमी के बस की बात नहीं। हम और आप केवल बाहर से ही इस घर का दीदार कर सकते हैं। लेकिन अब आपको निराश होने की जरूरत नहीं है। एंटीलिया नहीं, पर हां अंबानी फैमिली का पुश्तैनी घर तो जरूर देख सकते हैं। ये अच्छा मौका है, जब आप अंबानी परिवार को इतने करीब से देख पाएंगे, वो भी बस 2 रु में। जानकार हैरान रह गए होंगे, लेकिन ये सच है। चलिए जानते हैं गुजरात स्थित अंबानी के पुश्तैनी घर के बारे में।

अंबानी गुजरात के जूनागढ़ जिले के गांव चोरवाड़ से हैं। यहां उनका सदियों पुराना पुश्तैनी घर है। 2002 में इसे खरीदने से पहले 20वीं शताब्दी की शुरुआत में इस राजसी संपत्ति को अंबानी ने किराए पर ले लिया था। रिलायंस इंडस्ट्रीज की शुरुआत करने वाले धीरूभाई अंबानी का जन्म यहीं हुआ था और पिछले कुछ सालों में 2 मंजिला हवेली को 2011 में एक स्मारक में बदल दिया गया था।

सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है यह घर : पिछले कुछ सालों में इस पुश्तैनी घर की संरचना में कई बदलाव हुए हैं। अंबानी ने 2 मंजिला हवेली की मूल वास्तुकला को बनाए रखने के भी कई प्रयास किए। उन्होंने लकड़ी के फर्नीचर, पीतल-तांबे के बर्तन और कई चीजों के साथ धीरूभाई अंबानी के रहने वाली जगह को रेनोवेट करवाया है। ये परिवार की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को दर्शाता है।

किराए पर लिया था बंगला और आज है 100 करोड़ कीमत : 20वीं सदी की शुरुआत में, इस पैतृक बंगले का एक हिस्सा मुकेश अंबानी के परदादा जमनादास अंबानी ने किराए पर लिया था। इसे गुजराती शैली में बीच में एक आंगन, कई कमरे और एक बरामदे के साथ बनाया गया है। आज इस 100 साल पुरानी प्रॉपर्टी की कीमत करीबन 100 करोड़ रुपए है। यह घर भले ही Antilia जैसा सुनहरे लिफ्ट या डिजिटल फ्लोर वाला न हो, लेकिन इसकी असल कीमत इसकी विरासत से जुड़ी है।

तीन भागों में बंटा है घर : यह पैतृक संपत्ति 1.2 एकड़ जमीन में फैली हुई है। इसके चारों तरफ हरियाली है। घर तीन भागों में बांटा गया है, एक जनता के लिए, दूसरा प्राइवेट कोकोनट पाम ग्रोव और तीसरा प्राइवेट कोर्टयार्ड । हालांकि, अब इस प्रॉपर्टी को अब दो भागों में बांटा गया है, जिसमें एक निजी है, जबकि दूसरा जनता के लिए खोला गया है। 2011 में इसे म्यूजियम बना दिया गया, जिसे आज धीरूभाई अंबानी मेमोरियल हाउस कहते हैं। विजिटर्स यहां धीरूभाई अंबानी की तस्वीरों, अवॉर्ड्स, यादगार चीजों और कुछ निजी सामान को देख सकते हैं।

2 रु में घूम सकते हैं यहां : हां, आपने बिल्कुल सही पढ़ा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, सिर्फ 2 रुपए की एंट्री टिकट में आप इस ऐतिहासिक जगह को देख सकते हैं। यकीन नहीं हो रहा होगा, मतलब एक टॉफी से भी कम कीमत में आप उस घर को देख सकते हैं जहां भारत के सबसे मशहूर बिजनेसमैन ने अपना बचपन बिताया था। ये घर मंगलवार से रविवार तक सुबह 9 बजे से शाम 6 बजे तक खुला रहता है, जबकि सोमवार और सरकारी छुट्टियों पर बंद रहता है।

यहां आने वाले लोग अंबानी परिवार की कहानी पर आधारित किताबें भी खरीद सकते हैं या ऑन-साइट दुकान से कोई यादगार चीज (सुवेनियर) भी ले सकते हैं। यानी आप यहां से सिर्फ यादें नहीं, इतिहास का हिस्सा भी लेकर जा सकते हैं।

एमएस धोनी पर गरमा गई बहस, आकाश चोपड़ा और संजय बांगड़ ने किया एक्सपोज, सुरेश रैना की दलील फेल!

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

अहमदाबादः चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में अपना आखिरी मैच गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेलने वाली थी। इससे पहले महेंद्र सिंह धोनी के भविष्य को लेकर चर्चा शुरू हो गई। मैच से पहले के एक कार्यक्रम में पूर्व भारतीय क्रिकेटरों सुरेश रैना, संजय बांगड़, आरपी सिंह और आकाश चोपड़ा ने इस बात पर बहस की कि क्या धोनी को अब क्रिकेट से संन्यास ले लेना चाहिए। आरपी और रैना ने इस विचार का विरोध किया, जबकि चोपड़ा और बांगड़ ने इसके पक्ष में तर्क दिए। यह बहस काफी गरमागरम हो गई और दोनों तरफ से तीखे तर्क दिए गए। सीएसके के लिए इस साल धोनी को बल्लेबाजी करने में थोड़ी हिचकिचाहट हो रही थी। वे कभी-कभी नंबर 8 पर भी बल्लेबाजी करने आ रहे थे। उन्होंने रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों को उनसे पहले बल्लेबाजी करने का मौका दिया। रैना और आरपी का कहना था कि यह कदम दूसरों को मौका देने के लिए था। वहीं, चोपड़ा और बांगड़ ने धोनी की फिटनेस पर सवाल उठाया कि क्या वे इतनी देर तक बल्लेबाजी करने के लिए भी फिट हैं।

किस तरह से बातचीत हुई आइए देखें...

आकाश चोपड़ा ने कहा- अगर एमएस धोनी अनकैप्ड भारतीय नहीं होते तो क्या वह इस साल सीएसके टीम का हिस्सा होते?

सुरेश रैना ने जवाब दिया- बिल्कुल, वह 18 साल से टीम के साथ हैं। अब भी वह सबसे ज्यादा छक्के मारते हैं।

आकाश चोपड़ा ने फिर कहा- बात यह है कि वे नंबर 7, नंबर 8 या नंबर 9 पर क्यों बल्लेबाजी कर रहे हैं। आपकी टीम अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर रही है, समस्याएं टॉप ऑर्डर से आ रही हैं। क्या इतने बड़े खिलाड़ी को ऊपर बल्लेबाजी नहीं करनी चाहिए? इतनी हिचकिचाहट क्यों? क्या वे फिट भी हैं या नहीं?

सुरेश रैना ने समझाया- उन्हें लगता है कि वह आखिरी चार ओवरों में ज्यादा सहज हैं। वह 44 साल की उम्र में विकेटकीपिंग कर रहे हैं, वह फिट हैं। उन्होंने बीच में एक इंटरव्यू दिया था, जिसमें कहा था कि वर्ल्ड कप (ऊ20) के लिए एक टीम बनाई जा रही है, इसलिए वह शिवम दुबे जैसे अन्य लोगों को अधिक मौके देना चाहते हैं।

आरपी सिंह ने कहा- घुटने की सर्जरी के बाद उन्हें समय लगेगा। हर खिलाड़ी को लगता है। वह 20 साल से कीपिंग कर रहे हैं, खुद को संभालते हैं। रैना की भी घुटने की सर्जरी हुई थी। उन्होंने खुद को कुछ समय के लिए संभाला और आखिरकार ठीक हो गए।

संजय मांजरेकर बोले- धोनी की वजह से रुतुराज गायकवाड़-रविंद्र जडेजा नहीं बन पा रहे लीडर

बातचीत में आगे बढ़ते हुए बांगड़ ने यह भी कहा कि धोनी की टीम में मौजूदगी के कारण रुतुराज गायकवाड़ और रविंद्र जडेजा जैसे खिलाड़ी लीडर के रूप में नहीं उभर पा रहे हैं। उनका मानना है कि धोनी के रहने से इन युवा खिलाड़ियों को अपनी नेतृत्व क्षमता दिखाने का मौका नहीं मिल रहा है। इस पूरी बहस में धोनी की बल्लेबाजी क्रम उनकी फिटनेस और टीम पर उनके प्रभाव को लेकर सवाल उठाए गए। कुछ लोगों का मानना है कि धोनी को युवाओं को मौका देने के लिए पीछे हट जाना चाहिए, जबकि कुछ का कहना है कि उनका अनुभव और क्षमता अभी भी टीम के लिए महत्वपूर्ण है।

आईपीएल 2025 के अंत तक यह देखना दिलचस्प होगा कि धोनी का भविष्य क्या होता है। क्या वह संन्यास लेंगे या एक और सीजन खेलेंगे? यह सवाल अभी भी बना हुआ है। यह भी ध्यान देने वाली बात है कि धोनी जैसे दिग्गज खिलाड़ी के बारे में इस तरह की चर्चा होना स्वाभाविक है। हर कोई जानना चाहता है कि उनका पसंदीदा खिलाड़ी कब तक खेलता रहेगा। लेकिन अंत में, यह फैसला धोनी को ही लेना है कि वह कब संन्यास लेना चाहते हैं। उनके प्रशंसकों को उनके फैसले का सम्मान करना चाहिए।

कोई मूर्ख ही भारत छोड़ अमेरिका में बनाएगा आईफोन, ट्रंप की धमकियों को ठेंगा दिखाएंगे टिम कुक, पढ़ लें ये रिपोर्ट!

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्ली।। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ऐपल के सीईओ टिम कुक को खुली चेतावनी दी है. उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रूथ पर कहा कि अगर कंपनी आईफोन का निर्माण भारत या किसी अन्य देश में करती है तो कम से कम 25 प्रतिशत टैरिफ का भुगतान करना उसे कराना पड़ेगा. भले ही ट्रंप आईफोन का प्रोडक्शन अमेरिका में होने को फायदेमंद मानते हो, लेकिन बाजार जानकार इसे ऐपल और अमेरिकी उपभोक्ताओं के लिए किसी भी नजरिए से ठीक नहीं मानते.

यही वजह है ज्यादातर लोगों का मानना है कि ऐपल सीईओ टिम कुक डोनाल्ड ट्रंप की धमकियों को ठेंगा दिखाएंगे और भारत में आईफोन निर्माण को जारी रखेंगे.

बाजार जानाकारों का कहना है कि भारत में बनने वाले आईफोन को अगर अमेरिका में बनाया जाएगा तो इसकी कीमत 1,200 डॉलर से बढ़कर 1,500 से 3,500 डॉलर तक पहुंच जाएगी. यानी अमेरिकी लोगों को लगभग दोगुने तक दाम आईफोन के लिए चुकाने पड़ सकते हैं.

इस महीने की शुरुआत में ऐपल ने संकेत दिया था कि नए टैरिफ के कारण कंपनी को मौजूदा तिमाही में करीब 900 मिलियन डॉलर का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है. डोनाल्ड ट्रंप के चीन के साथ टैरिफ वार में उलझने के बाद से ऐपल ने भारत को अपना निर्माण हब बनाने की पूरी तैयारी कर रखी है.

सीएनएन के डेटा एनालिस्ट हैरी एंटन का कहना है कि अगर ट्रंप यह सोचते हैं कि टैरिफ लगाने से ही आईफोन अमेरिका में बनने लगेंगे, तो वे भ्रम में जी रहे हैं. अगर ट्रंप बाहर से अमेरिका आने वाले आईफोन पर टैरिफ लगा देते हैं तो Apple शायद दो में से कोई एक काम करेगा. या तो वह टैरिफ लागत खुद उठाएगा या फिर वह लागत सीधे उपभोक्ता पर डाल देगा. लेकिन इससे वह नतीजा नहीं निकलेगा जो डोनाल्ड ट्रंप वास्तव में चाहते हैं – यानी कि ग्इप्दहा अमेरिका में बनना शुरू हो जाए. उन्होंने का कि अगर मान लें कि डोनाल्ड ट्रंप की मर्जी पूरी हो जाती है और ग्इप्दहो सच में अमेरिका में बनने लगते हैं तो जो आईफोन अभी 1,000 में मिल रहा है वो 3,500 डॉलर में मिलेगा.

कुक बता चुके अमेरिका में आईफोन न बनाने की वजह : बहुत पहले ही टिम कुक यह बता चुके हैं कि अमेरिका में क्यों आईफोन बनाना व्यवावहारिक नहीं है. उनका कहना है कि सप्लाई चेन का न होना, कुशल श्रमिकों की कमी और कठोर लेबर लॉ, कुछ ऐसे कारण है जिनकी वजह से कंपनियां अमेरिका में अपने कारखाने नहीं लगाना चाहती.उन्होंने कहा, 'अमेरिका में अगर टूलिंग इंजीनियर्स की बैठक बुलाई जाए तो शायद एक कमरा भी न भर पाए. लेकिन चीन में आप कई फुटबॉल मैदान टूलिंग इंजीनियर्स से भर सकते हैं.'टिम कुक का कहना है कि लोगों को भ्रम है कि चीन में श्रम सस्ता है और इसी कारण कंपनियां चीन में अपने प्रोडक्ट्स बनाती हैं. कुक का कहना है कि कंपनियां चीन में अपने कारखाने मजबूत सप्लाई चेन, उन्नत टूलिंग टेक्नोलॉजी, बेहतरीन इंफ्रास्ट्रक्चर और कुशल श्रमिकों की भारी उपलब्धता जैसे कारकों के कारण लगाती हैं.

ऐपल ने किया है अमेरिका में मोटे निवेश का वादा : ऐपल कुछ दिन पहले ही यह घोषणा कर चुका है कि वह आने वाले चार वर्षों में अमेरिका में 500 बिलियन डॉलर का निवेश करने की योजना बना रहा है. लेकिन कंपनी के पास अभी अमेरिका में ग्इप्दहा के पूर्ण निर्माण को स्थानांतरित करने की कोई योजना नहीं है क्योंकि यह एक बड़ा और जटिल कार्य होगा.

ईयू से आयात पर भी कड़ा रुख, ट्रंप ने 50% टैरिफ लगाने की बात कही : ट्रंप ने यूरोपीय संघ के साथ व्यापार को लेकर भी नाराजगी जताई है. उन्होंने कहा कि ईयू से आयातित वस्तुओं पर चीन की तुलना में अधिक आयात शुल्क लगाया जाना चाहिए. ट्रंप ने कहा कि ईयू के साथ व्यापार वार्ताएं किसी नतीजे तक नहीं पहुंच रही हैं. जहां EU ने सभी टैरिफ को शून्य करने का प्रस्ताव रखा है, वहीं ट्रंप 10% के न्यूनतम आयात शुल्क को बनाए रखने की बात कर रहे हैं.

इस बार 90 मीटर ही नहीं, जूलियन वेबर भी पार कर देना बाहुबली

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

चोरजोव (पोलैंड): पिछले हफ्ते दोहा में 90 मीटर का थ्रो फेंकने वाले दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा शुक्रवार को यहां ओरलेन जानुस कुसोसिन्स्की मेमोरियल प्रतियोगिता की पुरुष भाला फेंक स्पर्धा में फिर इससे बड़ा थ्रो फेंकने की कोशिश करेंगे।

चोपड़ा ने दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर दूर तक भाला फेंका लेकिन उन्हें दूसरे स्थान से संतोष करना पड़ा क्योंकि जर्मनी के जूलियन वेबर ने अपने अंतिम प्रयास में 91.06 मीटर की दूरी से भारतीय एथलीट को पछाड़ दिया।

2022 यूरोपीय चैंपियन और 2024 में रजत पदक विजेता वेबर ग्रेनाडा के दो बार के विश्व चैंपियन एंडरसन पीटर्स (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 93.07 मीटर) के साथ पोलैंड में होंगे।

ग्रेनाडा दोहा में 84 मीटर के थ्रो के साथ तीसरे स्थान पर रहे थे। पोलैंड के राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारी मार्सिन क्रुकोव्स्की (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 89.55 मीटर) के साथ हमवतन साइप्रियन मिर्जग्लोड (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.97 मीटर), डेविड वेगनर (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 82.21 मीटर), मोल्दोवा के एंड्रियन मार्डरि (86.66 मीटर) और यूक्रेन के आर्टूर फेलनर (व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ 84.32 मीटर) आठ पुरुष खिलाड़ियों में शामिल हैं।

चोपड़ा 2018 में 88 मीटर पार करने के बाद से 90 मीटर का थ्रो लगाने की कोशिश में जुट रहे। वह इस बात से राहत महसूस कर रहे हैं कि आखिरकार उनके कंधों से बोझ उतर गया है, उन्होंने स्पष्ट किया कि 'यह तो बस शुरुआत थी' और वह आने वाले लंबे सत्र में और अधिक दूर भाला फेंकने की कोशिश करेंगे।

इस सत्र की अहम प्रतियोगिता सितंबर में तोक्यो में होने वाली विश्व चैंपियनशिप होगी जहां वह अपना खिताब बचाएंगे। अब चोपड़ा को कमर की समस्या नहीं हैं जिसने पिछले कुछ वर्षों में उनके प्रदर्शन को प्रभावित किया है।

सबसे लंबे थ्रो का विश्व रिकॉर्ड रखने वाले महान एथलीट जान जेलेजनी से ट्रेनिंग लेने के बाद वह और भी अधिक आश्वस्त हैं। चोपड़ा ने दोहा में कहा था, 'मैं और मेरे कोच अब भी मेरे थ्रो के कुछ पहलुओं पर काम कर रहे हैं। मैं अब भी चीजें सीख रहा हूं। हमने इस साल फरवरी में ही साथ मिलकर काम करना शुरू किया है।'

उन्होंने कहा, 'इसलिए मुझे विश्वास है कि मैं इस साल विश्व चैंपियनशिप तक आने वाले टूर्नामेंट में और अधिक 90 मीटर थ्रो कर सकता हूं।' पोलैंड में होने वाली यह प्रतियोगिता चोपड़ा के लिए इस सत्र की तीसरी प्रतियोगिता होगी।

इन 4 रेसलर्स के साथ रिलेशनशिप में रही ये महिला पहलवान, विवादों की काफी लंबी है लिस्ट

» यूनिवर्सल मीडिया, एजेंसी

नई दिल्लीः WWE की दुनिया में लिटा एक बहुत बड़ा नाम है। वह 2000 के दशक की शुरुआत में सबसे अच्छी महिला रेसलर में से एक थीं। उनकी खूबसूरती और रेसलिंग के टैलेंट ने कई WWE सितारों को अपना दीवाना बना लिया था। लिटा को WWE के इतिहास में महिलाओं के लिए एक मिसाल माना जाता है। उन्होंने और ट्रिश स्ट्रैटस जैसी महिला रेसलर्स ने उस दौर में रेसलिंग को एक नई पहचान दी, जब महिलाओं को ज्यादा मौके नहीं मिलते थे।

लिटा ने अपनी शानदार रेसलिंग और पर्सनालिटी से कई सालों तक फैंस के दिलों पर राज किया। लेकिन सिर्फ फैंस ही नहीं, बल्कि कई बड़े WWE सुपरस्टार्स भी लिटा के साथ रिलेशनशिप में रहे। उनके रिश्ते कभी खूबसूरत रहे तो कभी उनमें मुश्किलें भी आईं। लिटा के WWE करियर के दौरान उनके कुछ खास रिश्तों के बारे में यहां बताया गया है। इनमें मैट हार्डी, एज, केन और सीएम पंक जैसे नाम शामिल हैं।

लिटा ने WWE में अपनी शुरुआत मैट और जेफ हार्डी के साथ की थी। तीनों को 'टीम एक्सट्रीम' के नाम से जाना जाता था। साथ में काम करते हुए मैट हार्डी और लिटा एक-दूसरे के करीब आ गए। उनका रिश्ता कुछ सालों तक चला। लेकिन 2005 में, उनका रिश्ता तब टूट गया जब लिटा ने मैट हार्डी के साथ रहते हुए किसी और रेसलर को डेट करना शुरू कर दिया।

लिटा ने मैट का साथ छोड़ा : 2005 में, लिटा और मैट हार्डी का रिश्ता खत्म हो गया। पता चला कि लिटा, एडम कोपलैंड को डेट कर रही हैं, जिन्हें लोग एज के नाम से जानते हैं। इससे एज और मैट हार्डी के बीच बहुत तनाव हो गया। इसे WWE ने एक कहानी में बदल दिया। मैट हार्डी WWE में वापस आ गए। हालांकि, तीनों के बीच असल जिंदगी में तनाव था, लेकिन फैंस ने उन्हें उनके काम के लिए सराहा। एज और लिटा की जोड़ी को WWE के इतिहास में सबसे अच्छी जोड़ियों में से एक माना जाता है।

केन से की शादी : मैट हार्डी और लिटा जब साथ थे, तब उनकी केन के साथ लड़ाई हुई। कहानी में, केन ने लिटा को किडनैप कर लिया और उसे प्रेग्नेंट कर दिया। इससे केन और मैट के बीच मैच हुआ। केन ने मैच जीतकर लिटा से शादी करने का हक जीत लिया। RAW में शादी हुई। मैट ने शादी रोकने की कोशिश की, लेकिन केन ने जबरदस्ती लिटा से शादी कर ली।

'मैं शराब नहीं पीती...' शाहिद कपूर की बीवी को क्यों देनी पड़ गई सफाई! मीरा राजपूत बोलीं- समझौता नहीं करूंगी

शाहिद कपूर और उनकी पत्नी मीरा राजपूत मनोरंजन जगत के दो सबसे पसंदीदा कपल्स में से हैं। इस जोड़े ने 2015 में शादी की थी और वे दो प्यारे बच्चों के माता-पिता हैं। दोनों ने बार-बार कहा है कि वे शाकाहारी हैं और शराब नहीं पीते हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में मीरा ने फिर से इसी बारे में बात की और कहा कि अगर कोई उनसे रेस्टोरेंट बिजनेस में निवेश करने के लिए संपर्क भी करता है, तो भी वह ऐसा नहीं करेंगी क्योंकि वह अपने सिद्धांतों पर अडिग हैं।

फोर्ब्स इंडिया से बात करते हुए मीरा राजपूत कपूर ने कहा कि वह शाकाहारी हैं और वह अपने खाने को लेकर बहुत सावधान रहती हैं। मीरा ने कहा कि वह अंडे या ऐसा कुछ नहीं खाती हैं और वह अपने खाने को लेकर बहुत सावधान रहती हैं। उसी इंटरव्यू में मीरा ने कहा कि अगर कोई उनसे रेस्टोरेंट में निवेश करने के लिए कहता है, तो वह ऐसा नहीं करेंगी क्योंकि यह उनके सिद्धांतों के खिलाफ हौ।

शाहिद कपूर की वाइफ मीरा ने कहा, 'मैं शाकाहारी हूं और मैं जो खाती हूं, उसके बारे में बहुत सावधान रहती हूं। जैसे मैं अंडे और ऐसी चीज़ें नहीं खाती, लेकिन एक बार कोई व्यक्ति मेरे पास रेस्टोरेंट बिजनेस के लिए आया और मैंने कहा कि 'मैं शाकाहारी हूं और शराब नहीं पीती, इसलिए मैं ऐसे व्यवसाय में शामिल नहीं होऊंगी जो ऐसा करता हो। मैं आप सभी को शुभकामनाएं देती हूं, लेकिन यह मेरे सिद्धांतों के खिलाफ है। मैं समझौता नहीं करूंगी। इसलिए कहीं न कहीं, आपको बस यह जानने की ज़रूरत है कि क्या सही है, क्या नहीं और आप कौन हैं।'

इंटरव्यू में आगे बढ़ते हुए मीरा राजपूत कपूर ने बताया कि एक पब्लिक फिगर होने के नाते, उन्हें अक्सर बहुत सी बातों का सामना करना पड़ता है, लेकिन ज़रूरत इस बात की है कि वह अपने दिमाग में चल रही आवाज़ को सुने। मीरा ने कहा कि कोई व्यक्ति अपने बारे में क्या सोचता है, इस पर विश्वास किया जाना चाहिए, न कि दूसरे लोगों की बातों से प्रभावित होना चाहिए।

मीरा ने कहा, 'लोगों की नजर में, आपके पास हमेशा सभी तरह की आवाज़ें होती हैं। मुझे लगता है कि कभी-कभी आपको सिर्फ अपनी आवाज सुनने की जरूरत है।' मीरा ने कहा कि लोग कुछ भी कह सकते हैं क्योंकि उन्हें ऐसा करने का अधिकार है, लेकिन इसे संभालना आपको है। मीरा ने यह भी शेयर किया कि किसी को भी अपनी ईमानदारी, व्यक्तित्व और वैल्यूज को खराब नहीं करना चाहिए।

खुद को सही पता होना चाहिए: मीरा राजपूत ने आगे कहा, 'क्योंकि वे कुछ भी कह सकते हैं। उनकी अपनी राय होगी और उन्हें ऐसा करने का अधिकार है, लेकिन मुझे लगता है कि आपने कहां गलती की, आप इसे कैसे ठीक कर सकते हैं, आप जो जानते हैं, उसे पहचानना आपको है। आप निश्चित रूप से उन चीजों के साथ खड़े होंगे, चाहे आप अंदर से क्या और कौन हैं। आपको पता होना चाहिए कि आप सही काम कर रहे हैं।'

'नहीं चलेगा', अमिताभ बच्चन ने ऐश्वर्या-अभिषेक संग 'कजरा रे' शूट करने से किया था इनकार, फिर मांगनी पड़ी माफी

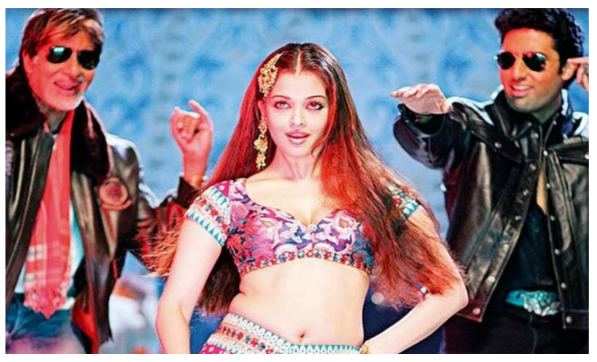

अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन का आइकॉनिक सॉन्ग 'कजरा रे' भला किसे याद नहीं? साल 2005 की फिल्म 'बंटी और बबली' का ये गाना आज भी शादियों और पार्टियों की जान बना हुआ है. लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस गाने को शूट ही नहीं किया गया होता, अगर डायरेक्टर शाद अली अपनी बात पर डटे नहीं रहते. क्या आप यकीन करेंगे अमिताभ बच्चन को इस गाने को लेकर शक में थे और तो और उन्होंने इसे शूट न करने की बात कही थी.

'कजरा रे' गाना बॉलीवुड की टॉप गानों में से एक है. इस गाने में अमिताभ बच्चन, ऐश्वर्या राय और अभिषेक बच्चन की तिगड़ी ने कमाल कर दिखाया था, लेकिन इस गाने को लेकर बिग बी संदेह में थे. हाल ही में एएनआई के साथ बातचीत में, निर्देशक शाद अली ने इस किस्से को याद किया.

यश राज को भी था संदेह : उन्होंने बताया, 'जब मैंने इसका 8 सेकंड का रिफ सुना... तो मुझे पता था कि यह कमाल करेगा... लेकिन यश राज ने इसे आखिरी नंबर पर रखा था... कि यह सबसे कम लोकप्रिय होगा. अमिताभ बच्चन तो ये तक कह दिया था कि कि यह गाना शूट ही मत करो.'

गाना सुन जब बोले अमिताभ- यह नहीं चलेगा : डायरेक्टर ने आगे बताया कि मुझे यकीन था कि यह गाना हिट होगा और उन्होंने अमिताभ बच्चन को इसे ध्यान से सुनने के लिए मना लिया. उन्होंने कहा, 'जब मैंने उन्हें सुनने के लिए बुलाया...तो उन्होंने कहा कि यह नहीं चलेगा.' अमिताभ बच्चन को लगा कि गाने में और बेहतर क्रिएटिव इनपुट की जरूरत है. उन्होंने गाने में सारी जुगलबंदी की... वह सभी हिस्से जिनसे यह शुरू होता है. मैं चाहता था कि वह इसे गाएं, लेकिन उन्होंने मना कर दिया और शंकर महादेवन को इसे गाने के लिए कहा'. हालांकि बाद में अमिताभ बच्चन ने गाने के लिए हां कर दिया, लेकिन उनके मन में संदेह था.

जब शाद के कसा तंज कहा- 'यह होता है आइटम सॉन्ग' : शाद ने याद किया, 'बाद में, वह किसी फिल्म के लिए एक गाना शूट कर रहे थे, शायद 'कभी अलविदा ना कहना' या कुछ और, मुझे ठीक से याद नहीं और उन्होंने कहा, 'यह होता है आइटम सॉन्ग.' हालांकि, फिल्म की रिलीज के बाद गाना बेहद लोकप्रिय हो गया और अमिताभ बच्चन ने शाद से अपनी क्रिएटिविटी पर संदेह करने के लिए माफी मांगी.

डायरेक्टर को मैसेज भेज मांगी थी माफी : डायरेक्टर ने बताया कि अमिताभ ने उन्हें मैसेज किया और कहा- 'मुझे माफ कर दो, मैंने इसे दूसरी बार सोचा. ऐश्वर्या राय ने इस आइटम नंबर में अपने डांस और एक्सप्रेशंस से 'कजरा रे' को तुरंत हिट बना दिया. उनकी शानदार परफॉर्मेंस को अभिषेक बच्चन की कूल स्टाइल और अमिताभ बच्चन की टाइमलेस स्क्रीन प्रेजेंस ने और भी खास बना दिया. हालांकि शाद ने माना कि अगर इसमें अमिताभ बच्चन नहीं होते तो ये वो कजरा रे वह नहीं होता जो यह है.

वो मिस इंडिया जिसकी सगाई नीलम कोठारी के पति से टूटी, 26 में कर लिया जीवन खत्म

प्यार...किसी की जिंदगी संवार देता है तो किसी की बर्बाद कर देता है. ऐसा ही हुआ था एक मिस इंडिया और एक्ट्रेस के साथ. जो पार्टनर का धोखा बर्दाश्त नहीं कर पाई और मौत को गले लगा लिया. सिर्फ 26 साल की उम्र में उस एक्ट्रेस ने खुदखुशी कर ली थी. जिस लड़की ने छोटी सी उम्र में मॉडलिंग में ढेर सारा नाम कमाया. ऐश्वर्या राय के साथ 'ताल' में काम किया, वो लड़की इस तरह अपनी जिंदगी खत्म कर लेगी किसी ने सोचा भी नहीं था. उस एक्ट्रेस के पैरेंट्स आज तक बेटी के सदमे से उभर नहीं पाए हैं. ये कहानी है नफीसा जोसेफ की.

वो एक्ट्रेस जो अब इस दुनिया में नहीं हैं. महज 26 साल की उम्र में नफीसा जोसेफ ने प्यार में धोखा मिलने के बाद आत्महत्या कर ली थी. एक्ट्रेस के माता पिता ने नफीसा के पूर्व मंगेतर पर संगीन आरोप लगाए थे. जी हां, अगर नफीसा की सगाई न टूटी होती तो उनकी शादी हो चुकी होती. लेकिन शादी से कुछ दिन पहले ही उन्हें होने वाले पति के बारे में सच पता चला और वह ये धोखा बर्दाश्त नहीं कर पाईं. 29 जुलाई 2004 को उन्होंने मुंबई के फ्लैट में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी.

कौन था नफीसा जोसेफ का पूर्व मंगेतर : नफीसा जोसेफ का रिश्ता बिजनेसमैन गौतम खंडूजा के साथ था. दोनों की शादी भी होने वाली थी. मगर शादी से कुछ हफ्ते पहले सब खत्म हो गया. नफीसा जोसेफ के पैरेंट्स ने आरोप लगाया था कि जोसेफ ने आत्महत्या का कदम इसलिए उठाया था क्योंकि उनकी शादी टूट गई थी.

नहीं बर्दाश्त कर पाईं धोखा : नसीफा तब टूट गई थी जब उन्हें पता चला कि जिससे वह शादी रचाने वाली हैं वह शादीशुदा है. अभी तक उनका तलाक तक नहीं हुआ है. गौतम खंडूजा ने नसीफा को ये बताया था कि दो साल पहले उनका तलाक हो गया था लेकिन जब नसीफा को सच पता चला तो वह गम बर्दाश्त नहीं कर पाईं.

मीडिया रिपोर्ट्स में ये भी कहा गया कि जब नसीफा ने गौतम से सवाल पूछे और तलाक के पेपर दिखाने को कहा तो उन्होंने साफ इनकार कर दिया. ये मामला इतना बढ़ गया कि नफीसा ने अपनी जिंदगी खत्म कर ली. बाद में नफीसा के पैरेंट्स ने गौतम खंडूजा पर बेटी को सुसाइड के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया. जबकि गौतम ने पुलिस को सफाई में बताया कि गौतम और नफीसा की पहले ही सगाई टूट चुकी थी. उन्होंने दावा किया कि नफीसा के पहले भी दो ब्रेकअप हुए थे.

एक अनपढ़ और पढ़े-लिखे गुंडे में...अमिताभ और राजेश खन्ना की तुलना के चक्कर में यह क्या बोल गईं मौसमी चटर्जी?

मौसमी चटर्जी ने अपने करियर में अमिताभ बच्चन और राजेश खन्ना के साथ खूब काम किया। दोनों के साथ उनकी अलग तरह की बॉन्डिंग रही, जिसके बारे में एक्ट्रेस अकसर कई इंटरव्यूज में बता चुकी हैं।

एक इंटरव्यू में मौसमी चटर्जी ने राजेश खन्ना को घमंडी बताया था और कहा था कि कैसे एक्टर ने एक बार उनकी बेटी को लेकर आपत्तिजनक कमेंट कर दिया था। अब मौसमी चटर्जी ने हाल ही दिए इंटरव्यू में राजेश खन्ना को 'अनपढ़ गुंडा' कह दिया।

मौसमी चटर्जी ने हाल ही 'फिल्मफेयर' को इंटरव्यू दिया। इसमें उन्होंने राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन की तुलना की। दोनों में अंतर बताते हुए राजेश खन्ना को 'अनपढ़ गुंडा' कह दिया।

मौसमी चटर्जी ने कहा, 'अमिताभ बच्चन अपार सफलता के बावजूद जमीन से जुड़े रहे हैं, पर राजेश खन्ना इसमें नाकामयाब रहे। सफलता उनके दिमाग पर चढ़ गई थी। जैसा कि कहा जाता है- एक अनपढ़ गुंडा और एक पढ़े-लिखे गुंडे में बहुत फर्क होता है।'

: मौसमी चटर्जी और राजेश खन्ना ने 70 और 80 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया था। उनकी केमिस्ट्री को भी खूब पसंद किया गया था। दोनों 'रोटी', 'अनुराग', 'हमशक्ल', 'विजय', 'घर परिवार', 'प्रेम बंधन' और 'त्याग' समेत कई फिल्मों में साथ नजर आए थे।

मौसमी ने यह भी कहा कि राजेश खन्ना को दिखावे का बहुत शौक था। उन्होंने राजेश खन्ना की तरह किसी हीरो को अपनी दौलत का दिखावा करते नहीं देखा था। एक्ट्रेस के मुताबिक, राजेश खन्ना को लोगों को अपना स्टार स्टेटस याद दिलाने का कितना शौक था। वह बोलीं, 'वह हमेशा मुझे हमेशा बुलाते और दिखाते थे कि वो राजेश खन्ना हैं, 'द खन्ना'। और उनका होता भी था। उनका टी ब्रेक होता था...एकदम लैविश...चांदी की ट्रे में चाय, ये, वो...। '

राजेश खन्ना के लिए यह बोलीं मौसमी चटर्जी : मौसमी ने आगे बताया, 'वो (राजेश खन्ना) हमेशा गोपाल को भेजते थे कि जाओ मैम को बुलाओ, हम वेट कर रहे हैं। और वो आके उन्हें बोलता था कि मैम तो स्पॉटबॉय के साथ गिलास में चाय पी रही हैं उधर कोने में बैठके। तो उन्हें ये सब पसंद नहीं आता था, और कहते थे कि मौसमी, मैं तुम्हें दो-तीन बार बुला रहा हूं। दोपहर का खाना भी तुम मेरे साथ नहीं खातीं। दोपहर का खाना तुम अपने मेकअप मैन और हेयर स्टाइलिस्ट के साथ खाओगी।'

बिन ब्याही मां बनी एक्ट्रेस का विवादित गाना, संसद में भी उठी थी गूंज, रिलीज से पहले ही बिक गए थे 1 करोड़ कैसेट

नई दिल्ली. बॉलीवुड की टैलेंटेड एक्ट्रेस नीना गुप्ता आज 65 साल की उम्र में भी 16 साल की नजाकत रखती हैं. साल 1982 से वह इंडस्ट्री में एक्टिव हैं. इंडस्ट्री में वह बेहतरीन एक्ट्रेसेस में गिनी जाती हैं लेकिन एक वक्त उन्होंने काम के लिए खूब धक्के खाए थे. उनके एक गाने ने तो बवाल ही मचा दिया था.

नीना ने अपने करियर में कई बार ऐसे रोल भी निभाए हैं, जो वह नहीं करना चाहती थीं. वह मन ही मन प्रार्थना करती थीं कि उनकी उस तरह की फिल्में कभी रिलीज न हों.लेकिन मजबूरन उन्हें वो रोल करने पड़ते थे.

नीना गुप्ता इंडस्ट्री में अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं. उन्होंने एक बार तो पोस्ट शेयर मेकर्स से सामने आकर काम मांगा था. इंडस्ट्री के लोगों से उन्हें काम देने का आग्रह किया था. लेकिन असल में इस पोस्ट के बाद भी उन्हें काम नहीं मिला था.

साल 1993 में सुभाष घई फिल्म 'खलनायक' में भी वह नजर आई थीं. इस फिल्म में माधुरी दीक्षित, संजय दत्त और जैकी श्रॉफ लीड रोल में नजर आए थे. 90 के दशक की सबसे बड़ी हिट फिल्मों में से एक साबित हुई थी.

इस फिल्म का एक गाने को लेकर तो खूब हंगामा मचा था. इस गाने को बैन तक कर दिया गया था. वो गाना था, चोली के पीछे क्या है.. माधुरी दीक्षित के साथ नीना गुप्ता ने तो इस गाने में जान ही फूंक दी थी. ये उस वक्त का विवादास्पद गाना बन गया था, जिसका विवाद देश की संसद तक पहुंच गया था.फिर भी रिलीज के बाद ये बॉलीवुड का आइकॉनिक गाना बन गया था.

संजय दत्त और माधुरी की लीड रोल वाली फिल्म खलनायक का पहला गाना रिलीज हुआ तो दर्शकों के होश उड़ गए थे.'चोली के पीछे क्या है'. गाने के सामने आते ही रूढ़िवादी लोग असहज हो गए थे, गाने को लेकर इतनी बेचैनी थी कि लगभग 32 संगठनों ने गाने पर आपत्ति जताई थी. ये गाना उस वक्त बैन कर दिया गया था.

माधुरी दीक्षित और नीना गुप्ता पर फिल्माए गए इस गाने पर जैसे जैसे विवाद बढ़ा ये उतना ही पॉपुलर हुआ. गाने के म्यूजिक एल्बम नेने महज 1 हफ्ते में एक करोड़ कैसेट बिक गए थे, जो उस समय का एक बड़ा रिकॉर्ड था. जब फिल्म रिलीज हुई उस वक्त भी सबसे ज्यादा चर्चा इस गाने की ही थी.

बता दें कि इस गाने कि लिए नीना गुप्ता की लुक को लेकर सुभाष घई ने काफी मेहनत की थी, इस बात का जिक्र नीना गुप्ता ने खुद अपनी बायोग्राफी में किया था कि उनके लुक पर काफी सर्च किया गया था.

कपूर खानदान का वो एक्टर जिसने औरतों के काम करने पर लगाई थी रोक, इसी वजह से शम्मी कपूर को त्यागना पड़ा प्यार

कपूर खानदान के मुखिया पृथ्वीराज कपूर ने घर की बहूओं को काम करने से रोका था. शम्मी कपूर ने मुमताज को प्रपोज किया लेकिन मुमताज ने करियर के कारण मना कर दिया. शम्मी कपूर ने नीला देवी से शादी की.

कपूर खानदान पर अक्सर ये आरोप लगते आए हैं कि उन्होंने घर की औरतों को एक्टिंग व घर से बाहर काम करने पर रोक लगा रखी थी. आखिर वो सदस्य कौन था, जिसके बनाए नियमों को कई साल तक फैमिली ने माना. कहते हैं कि अगर कपूर खानदान में कोई एक्ट्रेस ब्याह करके आती तो वह काम करना बंद कर देती थी. इसी वजह से शम्मी कपूर को उनका वो प्यार नसीब नहीं हो पाया था. जिस सुपरहिट हीरोइन पर वह फिदा थे, उन्होंने साफ साफ कह दिया था कि वह शादी के बाद काम जारी रखेंगी. बस, इसी शर्त की वजह से शम्मी कपूर की महबूबा उनसे दूर हो गईं.

ये एक्ट्रेस कोई और नहीं बल्कि मुमताज हैं. राजेश खन्ना से लेकर धर्मेंद्र जैसे सुपरस्टार्स के साथ काम करने वाली मुमताज, जिन्होंने कई सुपरहिट फिल्मों में काम किया. खुद मुमताज कई इंटरव्यू में बता चुकी हैं कि शम्मी कपूर और उनका रिश्ता बेहद खास था. एक बात तो एक्टर ने उन्हें प्रपोज भी किया था. लेकिन मुमताज ने अपने पैर पीछे खींच लिए क्योंकि वह करियर दांव पर नहीं लगाना चाहती थीं.

कपूर खानदान के मुखिया : रेडियो नशा को दिए लेटेस्ट इंटरव्यू में एक बार फिर मुमताज ने अपने उस किस्से को शेयर किया. उन्होंने बताया कि कपूर खानदान के मुखिया पृथ्वीराज कपूर बेहद सख्त थे. वहीं मुमताज भी अपने काम को लेकर काफी सीरियस थीं. ऐसे में ये जोड़ी कभी बन ही नहीं सकी और प्यार अधूरा रह गया.

पापाजी नहीं चाहते थे बहूएं काम करें : इंटरव्यू में मुमताज ने कहा, 'उन्होंने (शम्मी कपूर) ने मुझे प्रपोज किया था. पापा जी (पृथ्वीराज कपूर) बहुत खास शख्स थे. वह बिल्कुल नहीं चाहते थे कि उनके घर की बहू शादी के बाद काम करें. बस इतनी सी बात थी. इसलिए मैंने शम्मी जी ने मुझसे कहा कि वह नहीं चाहते कि तुम काम करो. तुम्हें हार माननी होगी. मगर मैं बहुत करियर को लेकर सख्त थी. मैंने कहा दिया कि मुझे कामकरना है. उन्होंने कहा पापाजी मना कर रहे हैं.'

इस वजह से निकल गई थी फिल्म तक : मुमताज ने इससे पहले बताया था कि राज कपूर की फिल्म मेरा नाम जोकर के लिए उन्हें कास्ट किया जाने वाला था. लेकिन उनके हाथ से वो फिल्म पिता के नियमों की वजह से ही चली गई थी. राज कपूर को लगा कि शम्मी कपूर और मुमताज की शादी हुई तो उनकी फिल्म पूरी नहीं हो सकेगी. वरना वह मुमताज की फोटोज भी ले चुके थे. फिर जब मुमताज को ये बात पता चली तो उन्होंने राज कपूर से कहा कि ऐसी कोई बात नहीं है शादी की. मगर तब तक उनके हाथ से वो फिल्म निकल गई थी.

फिर दोनों हो गए जुदा

शम्मी कपूर के प्यार को त्यागने वाली मुमताज का कहना ये भी है कि वह किसी को दोष नहीं दे रहीं. वह तो सबका सम्मान करती हैं. बता दें शम्मी कपूर ने पहली शादी गीता बाली से की लेकिन साल 1965 में उनका निधन हो गया. फिर साल 1969 में नीला देवी संग उन्होंने दूसरी शादी की. वहीं मुमताज ने साल 1974 में बिजनेसमैन मयूर माधवानी संग ब्याह रचाया था. शम्मी कपूर अब इस दुनिया में नहीं हैं. साल 2011 में 79 साल की उम्र में उनका निधन हो गया था.

टैक्स चोरी मामले में अर्जुन रामपाल को मिली राहत

बॉम्बे हाईकोर्ट ने बॉलीवुड एक्टर अर्जुन रामपाल को राहत दी है. एक्टर के खिलाफ जारी गैर-जमानती वारंट को रद्द कर दिया है. यह वारंट 2019 के टैक्स चोरी के एक मामले में जारी किया गया था.

16 मई को न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना की पीठ ने कहा कि निचली अदालत का फैसला कानून के खिलाफ था और बिना सोचे-समझे लिया गया था. कोर्ट ने इसे 'यांत्रिक और अस्पष्ट' कहा.

असल में यह मामला आयकर अधिनियम की धारा 276C(2) से जुड़ा है. यह उन लोगों पर लागू होती है जो जानबूझकर टैक्स या उससे जुड़ा जुर्माना और ब्याज नहीं भरते. अर्जुन रामपाल पर आरोप है कि उन्होंने टैक्स नहीं भरा था. इसी मामले में उनके खिलाफ वारंट जारी हुआ था.

क्या था मामला : रामपाल ने हाईकोर्ट में बताया कि उनके वकील ने मजिस्ट्रेट कोर्ट में पेशी से छूट मांगी थी. लेकिन मजिस्ट्रेट ने यह अर्जी खारिज कर दी और सीधा गैर-जमानती वारंट जारी कर दिया. हाईकोर्ट ने कहा कि यह मामला अधिकतम तीन साल की सजा वाला है और यह जमानती अपराध है. ऐसे में गैर-जमानती वारंट निकालना ठीक नहीं था.

कोर्ट ने दी राहत : कोर्ट ने यह भी कहा कि मजिस्ट्रेट ने वारंट निकालने से पहले कोई ठोस कारण भी नहीं लिखा. ऐसे में यह आदेश सही नहीं कहा जा सकता. अब इस मामले की अगली सुनवाई 16 जून को होगी.

कोर्ट ने मानी ये बात : इस मामले की सुनवाई कर रहे न्यायमूर्ति अद्वैत सेठना ने अर्जुन रामपाल की दलीलों से सहमति जताते हुए कहा कि निचली अदालत का आदेश 'रहस्यमय' और पक्षपातपूर्ण था. हाईकोर्ट ने गैर-जमानती वारंट को यह कहते हुए खारिज कर दिया कि जिस अपराध के लिए यह जारी किया गया था, वह जमानती है और ऐसे में इस तरह की सख्त कार्रवाई का कोई कानूनी आधार नहीं था.

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक ज्योति अरोड़ा एवं संपादक राकेश कुमार द्वारा लक्ष्य प्रिंटर्स 521/8बी, ग्राउंड फ्लोर, गली नं. 14, आदर्श मौहल्ला, मौजपूर, दिल्ली-53 से मुद्रित एवं सी-802, मयुर ध्वज अपार्टमेंट, गीता कालोनी, दिल्ली-110031से प्रकाशित।
यूनिवर्सल मीडिया न्यूज़पेपर परमपिता परमात्मा शिव को समर्पित है और उन्हीं के प्रेरणा स्त्रोत प्रकाशित किया जाता है। नोट: किसी भी वाद-विवाद की स्थिति में दिल्ली न्यायलय ही मान्य होगा।
रचनाओं, लेख और समाचार आदि से संपादक, प्रकाशक का सहमत होना आवश्यक नहीं है। समाचार पत्र के सभी पद अवैतनिक हैं। RNI No. : DLHIN/25/A0565, Title Code : DELHIN28978, DCP Lic. No. F.2(U-2) press/2021